तापमान अधिकतम :39⁰C न्यूनतम: 25⁰C

सेंसेक्स 78,553.20 निफ्टी 23,851.65

सोना 97,746 चांदी 1,00,000

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

लखनऊ, शुक्रवार 18 अप्रैल 2025 लखनऊ संस्करण: वर्ष 16 अंक 167 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com बैसाख कृष्ण पक्ष 6 विक्रमी सम्वत् 2082 19 शव्वाल 1446 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

पाकिस्तान को पीओके खाली करना पड़ेगा: भारत

विस्तृत खबर देश-विदेश पर

सौरव कोठारी ने आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स खिताब जीता

विस्तृत खबर खेल टाइम्स पर

राष्ट्रपति को कोई निर्देश नहीं दे सकता

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने न्यायपालिका की असीमित स्वतंत्रता पर किया सवाल

नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका की असीमित स्वतंत्रता पर सवाल करते हुए गुरुवार को कहा कि कोई शक्ति किसी भी आधार पर राज्यसभा के छठे बैच के प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश में ऐसी स्थिति नहीं बनाई जा सकती कि कोई राष्ट्रपति को निर्देश दे सके। न्यायपालिका की भूमिका परामर्श की है। परामर्श सहमति नहीं है, परामर्श केवल परामर्श है। उप राष्ट्रपति का यह वक्तव्य उच्चतम न्यायालय के हाल के उस निर्णय के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जिसमें उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि राष्ट्रपति को विचार के लिए भेजे विधेयकों पर अधिकतम तीन महीने के भीतर फैसला करना होगा। श्री धनखड़ ने कहा कि भारत के राष्ट्रपति का पद सर्वोच्च है।

न्यायपालिका की भूमिका परामर्श की है, परामर्श सहमति नहीं है केवल परामर्श है

राष्ट्रपति संविधान की रक्षा, संरक्षण और बचाव की शपथ लेते हैं। यह शपथ केवल राष्ट्रपति और उनके द्वारा नियुक्त राज्यपाल लेते हैं। हर कोई, प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति, मंत्री, सांसद, न्यायाधीश, ये सभी संविधान का पालन करने की शपथ लेते हैं। उन्होंने कहा कि संविधान की रक्षा करने के लिए और संविधान का संरक्षण करने के लिए, वह भारत के राष्ट्रपति, सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर की शपथ है। उन्होंने कहा कि हाल के न्यायालय के एक निर्णय द्वारा राष्ट्रपति को एक निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि देश एक संकट की ओर बढ़ रहा है। इसके लिए सभी को अत्यंत संवेदनशील होना होगा। यह किसी के समीक्षा दायर करने या न करने का सवाल नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने इस दिन के लिए शपथ नहीं ली। राष्ट्रपति को एक समयबद्ध तरीके से निर्णय लेने के लिए कहा जा रहा है।

महाराष्ट्र थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने वाला पहला राज्य बना

मुंबई। महाराष्ट्र थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। अब यहां एक से 5वीं क्लास तक के बच्चों के लिए हिंदी पढ़ना जरूरी कर दिया गया है। ये फैसला राज्य के सभी मराठी और अंग्रेजी मीडियम स्कूलों पर लागू होगा। एनईपी 2020 के नए करिकुलम को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र में इन क्लासेज के लिए तीन भाषा की पॉलिसी लागू की गई है। राज्य के स्कूल एजुकेशन डिपार्टमेंट ने ये घोषणा की। एजुकेशन डिपार्टमेंट ने कहा कि स्कूल एजुकेशन को लेकर एनईपी 2020 के सुझावों को कई चरणों में लागू करने की योजना है। इसी के साथ जो स्कूल मराठी और अंग्रेजी से अलग कोई मीडियम फालो कर रहे हैं वो पहले से ही थ्री लैंग्वेज पॉलिसी फॉलो कर रहे हैं।

रॉबर्ट वाड्रा से ईडी की लगातार तीसरे दिन तीन घंटे पूछताछ

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा धन शोधन निवारक अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले की जांच के सिलसिले में पूछताछ का सामना करने के लिए गुरुवार को यहां लगातार तीसरे दिन ईडी के अधिकारियों के समक्ष हाजिर हुए।

उन्होंने तीन घंटे से अधिक की पूछताछ के बाद ईडी के कार्यालय से निकलने पर मीडिया से बातचीत में कहा कि ईडी उनसे पुराने सवाल ही पूछे जा रही है और उन्हें बार-बार वही जवाब देना पड़ रहा है। श्री वाड्रा के विरुद्ध यह मामला 2008 में हरियाणा में एक भूमि सौदे से जुड़े कथित घोटाले से जुड़ा है। ईडी इस मामले में कथित तौर पर अपराध की काली कमाई को वैध करने के पहलू की जांच कर रही है। ईडी के अधिकारियों ने पिछले दो दिनों में वाड्रा से कुल मिला कर 10 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। ईडी के सूत्रों ने बताया कि वाड्रा से उपरोक्त मामलों में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनके बयान लिए जा रहे हैं।

अगले सप्ताह अमेरिका जाएंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अगले सप्ताह की शुरुआत में अमेरिका की यात्रा पर जाएंगे और इस दौरान वह ब्राउन यूनिवर्सिटी में शिक्षकों और छात्रों से बातचीत करेंगे। कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने अपने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि श्री गांधी 21 और 22 अप्रैल को रोड आइलैंड के ब्राउन यूनिवर्सिटी जाएंगे, जहां वह शिक्षकों और छात्रों से बातचीत करेंगे। रोड आइलैंड का दौरा करने से पहले वह एनआरआई समुदाय के सदस्यों के साथ-साथ इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) के पदाधिकारियों और सदस्यों से भी मिलेंगे।

कैलाश मानसरोवर यात्रा जल्द होगी शुरू

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने को लेकर जारी तकनीकी बातचीत पूरी हो गई है और जल्द ही सरकार यात्रा की शर्तों और अन्य विवरण सार्वजनिक करेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को यहां नियमित ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत सरकार कैलाश मानसरोवर यात्रा को लेकर जल्दी ही एक नोटिस जारी करेगी। दोनों देशों के बीच यात्रा के तौर तरीकों और शर्तों आदि को लेकर जारी तकनीकी बातचीत में सहमति बन गई है। यह पूछे जाने पर कि लद्दाख में डेमचोक के रास्ते से कैलाश मानसरोवर यात्रा संचालित करने पर बातचीत हो रही है, प्रवक्ता ने इससे इन्कार किया और कहा कि जल्दी ही नोटिस आने वाला है और मार्ग के बारे में जानकारी दी जाएगी।

नक्सलियों के उन्मूलन में CISF की बड़ी भूमिका रहेगी: शाह

नीमच। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि देश में 31 मार्च 2026 तक नक्सलियों के पूरी तरह खात्मे का संकल्प केंद्र सरकार ने लिया है और इसमें सीआरपीएफ की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। श्री शाह ने मध्य प्रदेश के नीमच जिला मुख्यालय पर 86वें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल दिवस परेड 2025 कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, सीआरपीएफ के महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। श्री शाह ने अपने संबोधन में सीआरपीएफ के अधिकारियों और जवानों की गौरव गाथा के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि इस बल की कोबरा बटालियन के जवानों की बदौलत देश में नक्सली सिमटकर अब सिर्फ चार जिलों में रह गए हैं। उन्होंने कहा कि ये नक्सली कभी पशुपति से तिरुपति तक का हौंसला रखते थे, जो चार जिलों में सिमटकर रह गए हैं।

वक्फ पर सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, स्थिति यथावत रहेगी

कहा: मौजूदा कानून में पांच मई तक कोई बदलाव नहीं

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई करते हुए कहा कि मौजूदा वक्फ में अगली सुनवाई तक कोई बदलाव नहीं होने चाहिए। न्यायालय मामले की अगली सुनवाई पांच मई को करेगा।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार तथा न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनने के बाद कहा कि हम नहीं चाहते कि स्थिति बदले। पांच साल (इस्लाम का अभ्यास) जैसे प्रावधान हैं, जिन पर हम रोक नहीं लगा रहे हैं। पीठ के समक्ष श्री मेहता ने निवेदन करते हुए कहा कि केंद्र सरकार सात दिन के भीतर जवाब दाखिल करेगी और अगली तारीख तक परिषद या बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि अगली तारीख तक उपयोगकर्ताओं द्वारा वक्फ का स्वरूप नहीं बदलेगा, हालांकि उन्होंने तर्क दिया कि अदालत को वक्फ संशोधन अधिनियम, 1995 पर अप्रत्यक्ष रूप से रोक लगाकर कठोर रुख नहीं अपनाना चाहिए। अदालत ने श्री मेहता का बयान दर्ज किया और जवाब दाखिल करने की अनुमति दी। शीर्ष अदालत ने सरकार के जवाब पर याचिकाकर्ताओं को पांच दिन के भीतर जवाब दाखिल करने की अनुमति दी। पीठ ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए पांच मई, 2025 की तारीख मुकर्रर की। सुनवाई के दौरान, अदालत ने कहा कि केवल पांच रिट याचिकाओं पर विचार किया जाएगा और शेष को निपटाया हुआ माना जाएगा, क्योंकि 100 या 120 याचिकाओं पर विचार करना असंभव है। अदालत ने आदेश दिया कि 1995 के वक्फ अधिनियम और 2013 में किए गए संशोधनों को चुनौती देने वाली रिट याचिकाओं को सूची में अलग से दिखाया जाएगा। अदालत ने केंद्र के लिए कनु अग्रवाल को नोडल वकील नियुक्त किया। शुरुआत में श्री मेहता ने कहा कि वह बुधवार को अदालत द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब देने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अदालत को केवल कुछ धाराएं पढ़कर कानून पर रोक नहीं लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कई संशोधन हुए, समितियां बनीं और लाखों लोगों ने प्रतिनिधित्व किया। गांव छीने जा रहे हैं और निजी संपत्तियां वक्फ के तौर पर छीनी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर अदालत पक्षों की बात सुन ले, तो कुछ नहीं बदलेगा। याचिका दाखिल करने वालों में ऑल इंडिया मजलिस- ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के सांसद असदुद्दीन ओवैसी, कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद, राष्ट्रीय जनता दल सांसद मनोज कुमार झा, तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा, आम आदमी पार्टी के दिल्ली के विधायक अमानतुल्लाह खान और समाजवादी पार्टी सांसद ज़िया उर रहमान शामिल हैं। इनके अलावा ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, जमीयत उलेमा-ए-हिंद, द्रविड़ मुनेत्र कषगम, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, वाईएसआरसी पार्टी, समस्त केरल जमीयत उलेमा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और एसोसिएशन फ़ॉर प्रोटेक्शन ऑफ़ सिविल राइट्स समेत कई संगठनों और लोगों की ओर से भी याचिकाएं दायर की गई हैं।

- केवल पांच रिट याचिकाओं पर विचार होगा

सुप्रीम कोर्ट का फैसला एक तरह का स्टे

नई दिल्ली। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का स्वागत है, हमें उम्मीद है की अदालत के फैसले का रुख सही होगा। श्री मदनी ने कहा कि आज नहीं तो एक हफ्ते बाद ही सही। सुप्रीम कोर्ट का फैसला एक तरह का स्टे है और आगे की सुनवाई में भी यही रुख बने रहने की उम्मीद है।

सुप्रीम कोर्ट का शुक्रगुजार हूं: इमरान

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों पर कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि अंतरिम राहत के लिए मैं सुप्रीम कोर्ट का शुक्रगुजार हूं। कोर्ट ने लगभग वे सभी मुद्दे उठाए, जो हमने संसद में उठाए थे। आज के फैसले से पता चलता है कि यह कानून संविधान के खिलाफ बनाया गया है। यह संविधान की जीत है, किसी पक्ष की नहीं। आने वाले दिनों में कोर्ट और राहत देगा।

वक्फ बोर्ड वैसे ही बना रहेगा: खान

नई दिल्ली। 'आप' नेता अमानतुल्लाह खान ने कहा कि मैं सुप्रीम कोर्ट, जजों और अधिवक्ताओं का शुक्रगुजार हूं जिन्होंने धर्म से ऊपर उठकर देश की रक्षा करने में हमारी मदद की। हम फैसले से संतुष्ट हैं, क्योंकि केंद्र सरकार ने कोर्ट में कहा कि वक्फ-बाय-यूजर के तहत संपत्तियां वक्फ के पास ही रहेंगी और वक्फ बोर्ड के सदस्यों से भी हस्तक्षेप नहीं होगा। केंद्र सरकार सात दिन में जवाब देगी, डीएम कोर्ट से ऊपर कैसे हो सकता है।

प. बंगाल के शिक्षकों को सुप्रीम राहत

- बेदाग शिक्षक ही नई भर्ती तक पढ़ा सकेंगे

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल के उन शिक्षकों को गुरुवार को सशर्त एक बड़ी राहत दी, जिनकी नियुक्ति वर्ष 2016 की भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं के आधार पर रद्द कर दी गई थी।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए यह राहत दी। पीठ ने यह राहत राज्य सरकार और पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग को कक्षा नौ से 12 तक के लिए सहायक शिक्षक के पदों की नई भर्ती के लिए 31 मई, 2025 तक नए विज्ञापन प्रकाशित करने और 31 दिसम्बर, 2025 तक भर्ती प्रक्रिया पूरी करने की शर्त पर दी है। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में कहा कि कक्षा नौ से 12 तक के सहायक शिक्षक राज्य में संबंधित पदों पर नई भर्ती पूरी होने तक पढ़ाना जारी रख सकते हैं। अदालत ने हालांकि, यह भी स्पष्ट किया कि यह राहत सिर्फ उन्हीं शिक्षकों को मिलेगी, जिनकी नियुक्ति में कोई गड़बड़ी नहीं पाई गई थी। शीर्ष अदालत ने गत तीन अप्रैल को पश्चिम बंगाल के स्कूलों में शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों के उन पदों पर भर्ती की पूरी प्रक्रिया को 'दूषित' और 'सुधार से परे दागदार' घोषित करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय की ओर से भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने के फैसले पर मुहर लगाई थी। अदालत ने सात मई, 2024 को 22 अप्रैल, 2024 के कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसमें पश्चिम बंगाल के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,000 से अधिक शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति को रद्द कर दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का ममता बनर्जी ने किया स्वागत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को उच्चतम न्यायालय के स्कूली छात्रों के हितों के मद्देनजर उस फैसले पर राहत जताई, जिसमें कहा गया है कि जो सहायक शिक्षक 'दागी' नहीं हैं, लेकिन न्यायालय के पिछले आदेश के बाद अपनी नौकरी गंवा बैठे हैं, वे पढ़ाना जारी रख सकते हैं। सुश्री बनर्जी ने गुरुवार को यहां राज्य सचिवालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमें राहत मिली है कि शीर्ष न्यायालय ने हमें 31 दिसम्बर तक का समय दिया है। हम शिक्षकों के वेतन को लेकर बहुत चिंतित थे, लेकिन इस मौजूदा स्थिति में उन्हें वेतन मिलता रहेगा। हमने वैकल्पिक तरीके के बारे में भी बात की थी। उन्होंने कहा कि मैंने कहा था कि हम सुनिश्चित करेंगे कि जिन लोगों की नौकरी चली गई है, उन्हें कोई परेशानी न हो। हमें कुछ समय मिल गया है। यह मामला 2026 तक नहीं खिंचेगा। मुझे उम्मीद है कि इस साल के भीतर इसका समाधान हो जाएगा।

तमिलनाडु के मंत्री का महिलाओं व हिंदू तिलक पर अश्लील कमेंट

नई दिल्ली। मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु के वन मंत्री के पोनमुडी से शैव, वैष्णव और सामान्य रूप से महिलाओं के खिलाफ सार्वजनिक रूप से अश्लील कमेंट करने पर सवाल किया। कोर्ट ने यह जानना चाहा कि तमिलनाडु पुलिस ने उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की है। हाईकोर्ट पोनमुडी को आय से अधिक संपत्ति के मामले में बरी किए जाने के खिलाफ 2023 में ली गई रिव्यू पिटीशन की सुनवाई कर रहा था। इसी दौरान जज ने महाधिवक्ता पीएस रमन को बुलाया और पोनमुडी की अश्लील और निंदनीय टिप्पणी पर नाराजगी जताई।

तेलंगाना सरकार ने हीटवेव को आपदा घोषित किया

नई दिल्ली। राजस्थान में भीषण गर्मी और लू का दौर जारी है। मौसम विभाग ने गुरुवार को जयपुर, जोधपुर सहित 17 जिलों में हीटवेव की चेतावनी दी है। इनमें से 4 जिलों के लिए रेड अलर्ट है। इससे पहले बुधवार को जैसलमेर में दिन का अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था, जो 6 साल में अप्रैल का सर्वाधिक तापमान रहा।

मध्य प्रदेश में भी बारिश के बाद गर्मी का असर बढ़ गया है। बुधवार को प्रदेश के 9 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया था। सबसे गर्म रतलाम रहा। जहां तापमान 42.6 डिग्री दर्ज किया गया। तेलंगाना के 28 जिलों में कम से कम 15 दिनों तक लू की आशंका है। इसे देखते हुए सरकार ने लू को आपदा घोषित कर दिया है। सरकार ने लू लगने से मरने वालों के परिजन को 4 लाख रुपये की सहायता का भी ऐलान किया है। तेलंगाना ऐसा करने वाला संभवत: देश का पहला राज्य है। गर्मी के बीच, मौसम विभाग ने यूपी, बिहार समेत देश के 24 राज्यों में आंधी-तूफान और बारिश का अनुमान जताया है। झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम और बिहार में भारी बारिश की आशंका है। वहीं, छत्तीसगढ़ में ओले और बिहार, पश्चिम बंगाल के कुछ इलाकों में बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। जम्मू में बुधवार शाम मौसम अचानक बिगड़ गया।

- मृतकों के परिवार को चार लाख मिलेंगे, जैसलमेर में पारा 46 डिग्री, राजस्थान के 17 जिलों में हीटवेव

मुर्शिदाबाद व बांग्लादेश पर चुप्पी साधकर विपक्ष हुआ बेनकाब: योगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि बंगाल के मुर्शिदाबाद और बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हुई बर्बरता पर विपक्ष ने मौन साध कर खुद को बेनकाब कर दिया है। योगी ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि मुर्शिदाबाद और बांग्लादेश की घटनाओं पर विपक्ष की चुप्पी ने इन्हें चौराहे पर नंगा खड़ा कर दिया है।

पिछली सरकारों पर प्रदेश में भ्रष्टाचार, जातिवाद और माफियावाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने योजनाओं में घोटाले कर लंदन में होटल बनाए, वही लोग प्रदेश को लूटने और जातियों में बांटने के लिए जिम्मेदार हैं। जिन्होंने भ्रष्टाचार, जातिवाद, माफियावाद और परिवारवाद से अपना साम्राज्य खड़ा किया, वहीं लोग अब मुर्शिदाबाद जैसे मामलों पर मौन हैं। बांग्लादेश की घटनाओं पर इनकी चुप्पी ने इन्हें चौराहे पर नंगा खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने यूपी को दंगा और माफिया मुक्त बनाया है। पहले हर जिले में माफिया पूरी व्यवस्था को नियंत्रित करते थे, ठेके लेते थे, दंगे करवाते थे और महिलाओं व व्यापारियों को परेशान करते थे। लोग त्योहारों पर सशंकित रहते थे। अब यूपी में त्योहार शांतिपूर्ण और भव्यता के साथ मनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जो हाल आज मुर्शिदाबाद का है वही कभी यूपी में मुजफ्फरनगर, बरेली, अलीगढ़ और लखनऊ जैसे शहरों का हुआ करता था।

100 प्रभावशाली लोगों में मोहम्मद यूनुस

टाइम मैगजीन में किसी भारतीय को नहीं मिली जगह

वाशिंगटन, वार्ता

टाइम मैगजीन ने 2025 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट जारी कर दी है। इसमें बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस को जगह मिली है। हालांकि इस बार लिस्ट में किसी भी भारतीय को शामिल नहीं किया गया है। प्रभावशाली लीडर्स में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और कारोबारी एलन मस्क को भी जगह मिली है।

इस बार ट्रम्प प्रशासन के छह सदस्य लिस्ट में शामिल हैं। ट्रम्प को इससे पहले टाइम मैगजीन ने 2016 और 2024 के लिए पर्सन ऑफ द ईयर चुना था। 2025 की लिस्ट में मशहूर सिंगर ईडी शिरीन, अमेरिकी एक्टर और सिंगर स्कारलेट जोहानसन, मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को भी शामिल किया गया है। मैगजीन ने इस तस्वीर को लिस्ट का कवर बनाया है। इस साल मैगजीन ने कुल 6 कैटेगरी में 32 देशों के लोगों को शामिल किया गया है। लिस्ट में शामिल 22 साल के फ्रांसीसी तैराक लियोन मर्चेंड सबसे युवा है, जबकि 84 साल के मोहम्मद यूनुस सबसे बुजुर्ग शख्स हैं। टाइम 100 लिस्ट 2004 से नियमित रूप से प्रकाशित हो रही है। इस लिस्ट को कई कैटेगरी में बांटा जाता है। जैसे लीडर्स, आइकन्स, टाइटन्स, इनोवेटर्स, और आर्टिस्ट्स। हर साल टाइम के एडिटर और एक्सपर्ट्स नामों का चयन करते हैं। इससे पहले 2024 में टाइम की 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में 8 भारतीय मूल के लोग शामिल थे, जिनमें आलिया भट्ट, साक्षी मलिक, सत्या नडेला, अजय बंगा, देव पटेल, जिगर शाह, अस्मा खान, और प्रियंवदा नटराजन का नाम था। मोदी इस सूची में सबसे अधिक बार शामिल होने वाले भारतीय हैं। पीएम मोदी टाइम 100 लिस्ट में 5 बार (2014, 2015, 2017, 2020 और 2021) शामिल हो चुके हैं। सबसे ज्यादा बार टाइम की टाइम 100 सूची में शामिल होने वाले शख्स शी जिनपिंग हैं। चीन के राष्ट्रपति को अब तक 13 बार इस लिस्ट में शामिल किया जा चुका है। बराक ओबामा और ओफ्रा विन्फ्रे इस लिस्ट में 11-11 बार शामिल हो चुकी हैं।

- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और कारोबारी मस्क को भी जगह मिली

S.D. COLLEGE OF COMMERCE
(Affiliated to Maa Shakumbhari University, Saharanpur)
BHOPA ROAD, MUZAFFARNAGAR
Invites Application for
APPOINTMENT OF FACULTY
M.Com. B.Com.
M.Sc.(Home Sc.) Food & Nutrition | B.Sc. Home Science | B.Sc. Micro Biology
B.A.(Economics, Geography, Sociology, Hindi, History, English, Political Science)
B.Sc.(Physics, Chemistry, Maths, Zoology, Botany)
Eligibility & Salary :- As per University Norms
Interested candidates can mail their resume within 07 days of publishing of the advertisement to :
sdccmzn819@gmail.com
or Contact at- 9897690116

वक्फ मुस्लिम समाज के लिए बेहतर: मंत्री दानिश

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार में मंत्री दानिश आजाद ने कहा कि वक्फ बिल का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। इसमें न्यायालय के मसले पर बोलना फिलहाल ठीक नहीं है। अंसारी ने कहा कि हमारी सरकार वह वक्फ संशोधन अधिनियम मुस्लिम समाज के बेहतरी के लिए लेकर आई है, क्योंकि वक्फ क्या है यह समझने की जरूरत है। क्या ऐसा संशोधन इस अधिनियम में पहली बार हो रहा है, तो यह गलत है। इसके पहले 1954 में 1995 में 2013 में ऐसे संशोधन हुए हैं।

उन्होंने कहा कि यह संशोधन मुस्लिम महिलाओं संबंध या जो पासमांदा मुस्लिम हैं, उनकी बेहतरी होगीं अंसारी ने कहा कि इसके आने से हमें पूरा विश्वास है कि मुस्लिम समाज की जो मूलभूत आधार संरचना है, उसे और अधिक मजबूती मिलेगी,

जिससे वक्फ की संपत्तियों का मिसयूज नहीं होगा। यह बहुत ही सकारात्मक है और हमें विश्वास है कि भारत के जो नवनिर्माण कि हमने परिकल्पना की है वह बहुत ही सार्थक सिद्ध होगा। सुप्रीम कोर्ट द्वारा कानून को एक हफ्ते तक डीनोटिफाई करने की रोक पर उन्होंने कहा कि मामला विचाराधीन है , हम उस पर कुछ नहीं कहेंगे, लेकिन केंद्र सरकार ने 6 महीने का विंडो पीरियड दिया है, जिसमें एक वेबसाइट जारी होगी, जिसमें वक्फ की संपत्तियां लिस्ट करना है। अभी इसकी लंबी प्रक्रिया है। मंत्री ने कहा कि न्यायालय सभी बिंदुओं को गंभीरता से ले रहा है और हमारी मोदी सरकार लोकतंत्र और संविधान को मानने वाली सरकार है। संविधान का सम्मान करने वाली सरकार है और निश्चित तौर पर लो. कतंत्र की रोशनी में हम जो भी मुस्लिम समाज की बेहतरी के लिए होगा, वह करेंगे। वक्फ की संपत्ति से आम मुसलमान का भला होना चाहिए और इसी भावना के साथ हम पूरी ईमानदारी के साथ काम कर रहे है।

वक्फ बिल पर हमारी कानूनी लड़ाई जारी रहेगी: ओवैसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन अधिनियम की सुनवाई पर असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि हम इस एक्ट को असंवैधानिक मानते हैं। हमारी कानूनी लड़ाग्र जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सेंट्रल वक्फ काउंसिल और स्टेट वक्फ काउंसिल का गठन नहीं किया जाएगा और 'वक्फ बाय यूजर' को हटाया नहीं जा सकता। ओवैसी की ओर से भी कोर्ट में याचिका दायर कर एक्ट की वैधता को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट में वक्फ एक्ट की सुनवाई पर असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि जेपीसी की चर्चा के दौरान मैंने सरकार की ओर से प्रस्तावित सभी संशोधनों का विरोध करते हुए एक रिपोर्ट दी थी। संसद में बिल पर बहस के दौरान मैंने बिल को असंवैधानिक बताया था। यह आर्टिकल 14, 15, 25 और 26 का उल्लंघन है।

यूपी के 20 जिलों में तीन दिन बारिश की चेतावनी

आंधी चलने की भी आशंका, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

लखनऊ। यूपी के 20 जिलों में अगले तीन दिन बारिश और आंधी को लेकर चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने बताया कि राज्य के मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर , संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर में आंधी बारिश की संभावना है। महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा में बारिश की संभावना है। दिन और रात के तापमान में भी बदलाव होगा। हालांकि अभी तक रात के तापमान में कुछ खास बदलाव नहीं देखा गया है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के करीब 20 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी हुआ है। जिनमें से कई जिलों में आंधी के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है, तो कई जिलों में तेज आंधी चलने की बात कही गई है। इस दौरान न्यूनतम और अधिकतम तापमान में भी गिरावट हो सकती है। मौसम विभाग की माने को इन जिलों के लोगों को बारिश और आंधी चलने की वजह से गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। मौसम विभाग के मुता. बिक, अभी तक राज्य में पिछले 24 घंटे के दौरान रात्रि के तापमान में कोई खास बदलाव देखने को नहीं मिला है। वहीं 16 अप्रैल तक राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। कानपुर, मुरादाबाद, गोरखपुर, बरेली, आगरा और मेरठ मंडलों में सामान्य से एक से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक तापमान दर्ज किया गया है।

सपा के बहकावे में नहीं आएं दलित: मायावती

लखनऊ, वार्ता

राणा सांगा के खिलाफ समाजवादी पार्टी नेता रामजीलाल सुमन के विवादित बयान को लेकर गरमाई सियासत के बीच बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती ने दलितों को आगाह किया है कि वह सपा के बहकावे में न आएं और दूसरों के इतिहास पर टीका-टिप्पणी करने की बजाय अपने समाज के संतो महापुरुषों के संघर्ष के बारे में बात करें।

मायावती ने गुरुवार को सोशल मीडिया हैंडल एक्स के जरिए कहा कि अन्य पार्टियों की तरह आएदिन सपा द्वारा भी पार्टी के खासकर दलित लोगों को आगे करके तनाव व हिंसा का माहौल पैदा करने वाले आ रहे इनके अति विवादित बयानबाजी, आरोप-प्रत्यारोप व कार्यक्रम आदि का जो दौर चल रहा है, यह इनकी घोर संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति ही प्रतीत होती है, क्योंकि सपा भी दलितों के वोटों के स्वार्थ की खातिर यहां किसी भी हद तक जा सकती है। अत: दलितों के साथ-साथ अन्य पिछड़ों व मुस्लिम समाज आदि को भी इनके किसी भी उग्र बहकावे में नहीं आकर इन्हें इस पार्टी के भी राजनीतिक हथकण्डों का शिकार होने से ज़रूर बचना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ऐसी पार्टियों से जुड़े अवसरवादी दलितों को दूसरों के इतिहास पर टीका-टिप्पणी करने की बजाय यदि वे अपने समाज के सन्तों, गुरुओं व महापुरुषों की अच्छाईयों एवं उनके संघर्ष के बारे में बताएं, तो यह उचित होगा, जिनके कारण ये लोग किसी लायक बने हैं।

संक्षिप्त समाचार

यूपी फायर सर्विस से जुड़ेंगें दो लाख युवा

लखनऊ। यूपी सरकार अब अग्निशमन विभाग के माध्यम से प्रदेश के दो लाख से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण देकर फायर सेफ्टी ऑफिसर और अग्नि सुरक्षा कर्मी के रूप में निजी भवनों में नियुक्ति का अवसर देगी। फायर सेफ्टी के क्षेत्र में यह योजना उत्तर प्रदेश को देश में पहला राज्य बना देगी, जहां युवाओं को विशेष प्रशिक्षण देकर निजी क्षेत्र में रोजगार का अवसर दिया जाएगा। फायर विभाग की एडीजी पद्मजा चौहान ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर कार्ययोजना तैयार की गई है। इसमें तय किया गया है कि सिक्योरिटी गार्ड की तरह अब मॉल, हॉस्पिटल, मल्टीप्लेक्स, ऊंची इमारतें और बड़े औद्योगिक भवनों में फायर सेफ्टी ऑफिसर और अग्नि सुरक्षा कर्मियों की तैनाती अनिवार्य होगी। इसके लिए इच्छुक युवाओं को 1 से 4 हफ्ते तक का प्रशिक्षण दिया जाएगा। सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने वाले युवाओं को विभाग द्वारा प्रमाण पत्र दिया जाएगा, जिससे उन्हें निजी संस्थानों में नौकरी मिल सकेगी। फायर सेफ्टी ऑफिसर बनने के लिए कम से कम 18 वर्ष आयु और निर्धारित योग्यता होनी चाहिए।

फारूक पर दुलत के खुलासे से हैरान नहीं हूं: महबूबा

श्रीनगर। पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने गुरुवार को कहा कि वह रॉ के पूर्व प्रमुख एएस दुलत के इस खुलासे से हैरान नहीं हैं नेकां के संरक्षक फारूक अब्दुल्ला ने निजी तौर पर अनुच्छेद 370 को हटाने का समर्थन किया था और यहां तक कि अगर उन्हें विश्वास में लिया जाए, तो इस प्रक्रिया में मदद करने की इच्छा भी जताई थी। मुफ्ती ने श्रीनगर में कार्यकर्ताओं के सम्मेलन के मौके पर संवाददाताओं से कहा कि दुलत साहब लंबे समय से नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक परिवार के सदस्य की तरह करीब रहे हैं। आज वह लिखते हैं कि फारूक साहब अनुच्छेद 370 को हटाने पर चर्चा चाहते थे और विधानसभा के माध्यम से इसे हटाने के लिए भी तैयार थे। यह पहली बार नहीं है। दावा किया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला समेत वरिष्ठ नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं ने 2014 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से कथित तौर पर देर रात की बैठकों के दौरान मुलाकात की थी, ताकि बीज. पी से पीडीपी की बजाय बल्कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ सरकार बनाने का आग्रह किया जा सके।

मनरेगा मजदूरी नहीं बढ़ाना अधिकार पर आघात

नई दिल्ली, वार्ता

श्रमिकों के अधिकारों पर कुल्हाड़ी चला रही सरकार: खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि मनरेगा श्रमिकों की मजदूरी नहीं बढ़ाना कामगारों के साथ अन्याय है और ऐसा नहीं करके मोदी सरकार अपनी श्रमिक विरोधी नीति के कारण मनरेगा श्रमिकों के अधिकारों पर कुठाराघात कर रही है। खड़गे ने कहा कि ऐसा लगता है कि जनविरोधी मोदी सरकार ने मनरेगा की मजदूरी बढ़ाने से इनकार कर दिया है। ये मनरेगा श्रमिकों के अधिकारों पर कुल्हाड़ी चलाना है।

हाल ही में संयुक्त संसदीय समिति ने मनरेगा श्रमिकों की रोज़ाना मजदूरी को 400 रुपए करने की सिफारिश की थी। वर्ष 2023 में बनी अमरजीत सिन्हा की उच्च स्तरीय समिति ने भी मजदूरी बढ़ाने और मनरेगा का बजट बढ़ाने का सुझाव दिया था। पर गरीब विरोधी मोदी सरकार, एक के बाद एक मनरेगा मज़दूरों पर जुल्म ढ़ाने पर उतारू है। करीब सात करोड़ पंजीकृत वर्करों को मनरेगा से आधार आधारित भुगतान की शर्त लगा बाहर करना हो या फिर 10 सालों में मनरेगा बजट का पूरे बजट के हिस्से में सब से कम आवंटन करना हो, मोदी सरकार ने मनरेगा पर लगातार चोट मारने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मनरेगा-हमारे देश के सबसे गरीब परिवारों के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा लाया रोजगार की गारंटी का अधिकार है। हम अपनी दो मांगों पर अडिग हैं।

खड़गे ने कर्नाटक जाति सर्वेक्षण से खुद को अलग किया

कलबुर्गी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को कर्नाटक में जाति सर्वेक्षण को लेकर चल रहे विवाद से खुद को अलग करते हुए कहा कि यह मामला राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। कर्नाटक में जाति सर्वेक्षण को लेकर चल रहे विवाद के बारे में पूछे जाने पर खड़गे ने यहां संवाददाताओं से कहा कि यह राज्य सरकार पर छोड़ दिया गया है। हर राज्य में, वे अपने हिसाब से फैसला करेंगे। मैंने रिपोर्ट नहीं देखी है या यह भी नहीं देखा है कि कैबिनेट में इस पर क्या चर्चा हुई।

हर पीड़ित के चेहरे पर मुस्कान लाना सरकार का ध्येय: योगी

सुबह दस बजे से जनसमस्या सुनें अफसर

लखनऊ, वार्ता

जिला स्तर पर समस्या का समाधान किया जाए जो समस्या जिला स्तर की नहीं उसे ही प्रदेश स्तर पर भेजा जाए: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि हर पीड़ित को न्याय दिला कर उसके चेहरे पर मुस्कान लाना ही उनकी सरकार का मुख्य उद्देश्य है। अपने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' आयोजन के दौरान योगी ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 125 से अधिक पीड़ितों से मुलाकात की और सभी के पास जाकर उनकी समस्याएं सुनीं।

उन्होंने समस्यायों के निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा हर पीड़ित को न्याय दिलाकर चेहरे पर मुस्कान लाना ही सरकार का ध्येय है। जनता दरबार में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, पेंशन, सड़क निर्माण समेत अनेक मामले आए, जिस पर प्रार्थना पत्र लेकर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया। जनता दरबार में चंदौली से आए दो युवकों को मुख्यमंत्री ने इलेक्ट्रॉनिक चार्जिंग वॉकिंग स्टिक भी दी। साथ ही अभिभावकों के साथ पहुंचे बच्चों को पुचकारा, गोद में लेकर खिलाया और चॉकलेट भी दी। योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सुबह 10 बजे से सभी अधिकारी कार्यालय में बैठें और जनशिकायतों को सुनें। स्थानीय शिकायतों का समाधान जनपद स्तर पर ही कराया जाए। जो समस्याएं शासन स्तर से निस्तारित होनी हैं, उन्हें ही यहां भेजी जाए। समस्याओं का निस्तारण सरकार की विशेष प्राथमिकता है। अफसरों से कहा कि पीड़ितों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान त्वरित और संतुष्टिपरक तरीके से कराना सुनिश्चित कराएं। जनता दरबार में चंदौली से दो दिव्यांग युवक भी अपनी समस्या लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उनकी समस्याएं सुनीं, फिर अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री चंदौली के राजेश व चंद्रशेखर को इलेक्ट्रॉनिक चार्जिंग वॉकिंग स्टिक प्रदान की। इस दौरान कुछ पीड़ितों के साथ बच्चे भी आए थे, जिन्हें देख मुख्यमंत्री ने दुलारा-पुचकारा, गोद में लेकर खिलाया और चॉकलेट भी दी। मुख्यमंत्री ने जनता दरबार में मौजूद शासन के वरिष्ठ अधिकारियों को जनता की शिकायतों का प्रार्थना पत्र सौंपते हुए इसके समय से निस्तारण के निर्देश दिए। पुलिस से जुड़ीं शिकायतों के निस्तारण के लिए डीजीपी को निर्देशित किया, तो वहीं राजस्व संबंधी मामलों में कार्रवाई के लिए राजस्व परिषद के अध्यक्ष को कहा। मुख्यमंत्री ने सभी पीड़ितों को आश्वस्त किया कि उनके प्रार्थना पत्रों पर उचित कार्रवाई कर समस्या का समाधान किया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) एसपी गोयल, प्रमुख सचिव (गृह/मुख्यमंत्री) संजय प्रसाद, पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार, राजस्व परिषद के अध्यक्ष अनिल कुमार समेत कई आलाधिकारी भी मौजूद रहे।

गोरखुर को 1500 करोड़ रुपये की सौगात देंगे

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को गोरखपुर को करीब 1500 करोड़ रुपए की लागत वाली 147 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। वह 438 करोड़ 38 लाख 7 हजार रुपए की 52 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और 1060 करोड़ 98 लाख 83 हजार रुपए की 95 परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। यह समारोह मानबेला में होगा। लोकार्पण और शिलान्यास की अनेक ऐसी परियोजनाएं हैं, जिनसे जिले की रोड कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई मिलेगी। इनमें एक महत्वपूर्ण फोरलेन का प्रोजेक्ट भी शामिल है। अमृत कार्यक्रम के अंतर्गत सीवरेज की 233 करोड़ 89 लाख रुपए से अधिक की सीवरेज परियोजना का लोकार्पण होना है। ढांचागत बुनियादी सुविधाओं की अनेक परियोजनाओं की श्रृंखला में जिले के बांसगांव क्षेत्र को मुख्यमंत्री के हाथों 50 बेड के संयुक्त चिकित्सालय का भी उपहार मिलेगा। मुख्यमंत्री मेडिकल कॉलेज के ट्रॉमा सेंटर को अपग्रेड करने के कार्य और जिला अस्पताल के विस्तार कार्य का भी शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री पर्यटन विकास की कई परियोजनाओं का भी शिलान्यास करेंगे।

आज यूपी दंगा और अराजकता मुक्त

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने भारत की अनेकता में एकता का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज देश का हर कोना यूपी से जुड़ना चाहता है। सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश, देश का सबसे बड़ा राज्य है। यूपी, भारत की आस्था का केंद्र बिंदु भी है। पूरा भारत या अगर मैं कहूं कि वृहत्तर भारत, तो वह जीवन में एक बार यूपी आने का इच्छुक होता है। सीएम ने कहा कि पूरा भारत खुद को यूपी से जोड़ने की कोशिश करता है। कोई तो बात रही होगी, अनायास तो यह नहीं होगा। देश में कहीं भी रहने वाले लोग खुद को यूपी से जोड़ते हैं। आप पूर्व में जाएंगे तो हर व्यक्ति यह देखता है कि माता रुक्मणि पूरब से ही गईं और भगवान श्रीकृष्ण के साथ ब्याही गईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप पश्चिम के लोगों से देखेंगे, तो वह लोग इस बात से यूपी के साथ जुड़ने को इच्छुक होते हैं कि यहां से कृष्ण द्वारका में आए थे। अगर आप देखेंगे दक्षिण में, तो वहां लोग यह मानकर चलते हैं कि बजरंग बली उसी कर्नाटक में पैदा हुए थे और हनुमानगढ़ी अयोध्या में पूजे जाते हैं।

अर्थ व्यापार

चौतरफा लिवाली से बाजार में तेजी बरकरार

मुंबई, वार्ता

अमेरिका और चीन के बीच आयात शुल्क (टैरिफ) को लेकर चल रही जवाबी कार्रवाई से वैश्विक स्तर पर व्यापार युद्ध की आशंका के बावजूद भारत के टैरिफ से अपेक्षाकृत कम प्रभावित होने की बदौलत स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली से आज शेयर बाजार लगातार चौथे दिन उछल गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1508.91 अंक अर्थात 1.96 प्रतिशत की तेजी के साथ तेरह कारोबारी सत्र के बाद 78 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 78,553.20 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 414.45 अंक यानी 1.77 प्रतिशत की छलांग लगाकर 23851. 65 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.56 प्रतिशत मजबूत होकर 41,980.48 अंक और स्मॉलकैप 0.52 प्रतिशत चढ़कर 47,946.66 अंक हो गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4106 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2427 में लिवाली जबकि 1522 में बिकवाली हुई, वहीं 157 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कुल 2977 कंपनियों के शेयर कारोबार के लिए रखे गए, जिनमें से 1847 में तेजी जबकि 1047 में गिरावट हुई, वहीं 83 में टिकाव रहा। बाजार विश्लेषकों के अनुसार वैश्विक बाजारों में जारी उतार-चढ़ाव और व्यापार युद्ध की आशंकाओं के बीच भारत का हालिया बेहतर प्रदर्शन बाजार विशेषज्ञों के लिए चौंकाने वाला, लेकिन उत्साहजनक रहा है। इस वर्ष 2 अप्रैल के बाद से जब प्रमुख वैश्विक बाजार नुकसान झेल रहे हैं, भारत उन गिने-चुने बड़े बाजारों में शामिल है जिसने न सिर्फ अपने नुकसान की भरपाई की, बल्कि 2 अप्रैल से पहले के स्तर से ऊपर बंद होकर निवेशकों का भरोसा भी कायम रखा। इस मजबूती के पीछे दो प्रमुख वजहें बताई जा रही हैं। पहला भारत एक घरेलू खपत आधारित अर्थव्यवस्था है, जिससे यह टैरिफ संकट जैसे बाहरी झटकों से अपेक्षाकृत कम प्रभावित होता है। चीन या अमे. रिका जैसे देशों के मुकाबले भारत की अर्थव्यवस्था का निर्यात पर कम निर्भर होना वैश्विक झटकों के दौरान इसे एक सुरक्षित विकल्प बनाता है।

इंफ़ोसिस की चौथी तिमाही के मुनाफे में 11.7 प्रतिशत की गिरावट

मुंबई। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी आईटी सेवा निर्यातक इंफ़ोसिस लिमिटेड का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में सकल शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 7,969 करोड़ रुपए के मुकाबले 11.7 प्रतिशत घटकर 7,033 करोड़ रुपए पर आ गया। कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में उसे 7,033 करोड़ रुपए का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही के 7,969 करोड़ रुपए से 11.7 प्रतिशत कम है। इस अवधि में उसका कुल राजस्व 37,923 करोड़ रुपए के मुकाबले 7.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 40,925 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। उसका परिचालन व्यय 3,554 करोड़ रुपए से 6.2 प्रतिशत बढ़कर 3,775 करोड़ रुपए हो गया।

खाद्य तेलों में रहा टिकाव, चावल हुआ महंगा

नई दिल्ली, वार्ता

विदेशी बाजार में गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर आवक और उठाव बराबर रहने से आज दिल्ली थोक जिस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा, जबकि चावल महंगा हो गया, वहीं अन्य जिसों के भाव स्थिर रहे। तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 20 रिंगिट उतरकर 4187 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.02 सेंट फिसलकर 47.46 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। दाल-दलहन: दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रहे। अनाज : अनाज मंडी में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान चावल दो रुपए प्रति क्विंटल महंगा हो गया, वहीं गेहूं के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे:- दाल-दलहन: चना 5750-5850, दाल चना 6750-6850, मसूर काली 7550-7650, मूंग दाल 9550-9650, उड़द दाल 9000-9100, अरहर दाल 8500-8600 रुपए प्रति क्विंटल रहे। अनाज: (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-3050 रुपए और चावल 3450-3550 रुपए प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़: चीनी एस. 4280-4380, चीनी एम. 4400-4500, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4250-4350 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए। खाद्य तेल: सरसों तेल 15385 रुपए, मूंगफली तेल 19047 रुपए, सूरजमुखी तेल 16703 रुपए, सोया रिफाइंड 14835 रुपए, पाम ऑयल 13187 रुपए और वनस्पति तेल 16484 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा है।

उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारा बना देश में रक्षा विनिर्माण का प्रमुख केन्द्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा 2018 में स्थापित और विकसित उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारा (यूपीडीआईसी) राज्य को रक्षा और एयरोस्पेस विनिर्माण के प्रमुख केंद्र में स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। छह नोड्स कानपुर, झांसी, लखनऊ, अलीगढ़, आगरा और चित्रकूट में रणनीतिक रूप से फैला यह गलियारा रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विनिर्माण क्षमताओं को मजबूत करने के लक्ष्य को पूरा करता है।

यूपीडा की 19 मार्च की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार यूपीडीआईसी को अब तक 28 हजार 761.88 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। परियोजना के लिए अधिग्रहित की गई करीब 2001 हेक्टेयर भूमि में से 923.24 हेक्टेयर उद्योगों को आवंटित की गई है। वर्तमान में, 57 कंपनियों को रक्षा गलियारे के छह नोड्स में भूमि आवंटित की गई है। अधिकृत सूत्रों ने बताया कि कई प्रमुख कंपनियों ने वाणिज्यिक उत्पादन भी शुरू कर दिया है, जिनमें प्रमुख अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी एकीकृत गोला-बारूद सुविधा स्थापित करने के लिए कानपुर में 1,500 करोड़ रुपए का निवेश किया है। अमितेक इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड (330 करोड़) और वेरी. विन डिफेंस प्राइवेट लिमिटेड (65 करोड़) अब अलीगढ़ में चालू हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, सैटेलाइट सिस्टम और छोटे हथियारों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

इसके अलावा कानपुर में आधुनिक मैटेरियल एंड साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड (35 करोड़) और ए-आर पॉलिमर्स प्राइवेट लिमिटेड (48 करोड़) रक्षा वस्त्र और बैलिस्टिक-ग्रेड पॉलिमर सामग्री का उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कॉरिडोर की सफलता का श्रेय औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने, कौशल विकास को बढ़ाने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई प्रमुख पहलों को जाता है। 24 जनवरी को लॉन्च की गई यूपी एएंडडी यूनिट रोजगार प्रोत्साहन नीति 2024 का उद्देश्य रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों में रोजगार सृजन में तेजी लाना है। इसके अतिरिक्त 400 करोड़ रूपए की लागत वाली रक्षा परीक्षण अवसंरचना योजना (डीटीआईएस) कानपुर और लखनऊ में उन्नत परीक्षण सुविधाओं का मार्ग प्रशस्त कर रही है।

वाराणसी गैंगरेप की जांच करेगी एसआईटी: पीसी

वाराणसी, वार्ता

एफआईआर में 23 दरिंदों के नाम, पीड़िता ने कोर्ट में बताए सिर्फ 9, 14 गायब

पुलिस कमिश्नर ने गैंगरेप मामले में एसआईटी जांच के आदेश दिए हैं। पत्रकार वार्ता के दौरान पुलिस कमिशनर ने बताया कि आरोपियों के परिजनों के बाद ये फैसला लिया गया है। पुलिस कमिश्नर को परिजनों ने कुछ वीडियो और इंस्टाग्राम चैट भी उपलब्ध कराए हैं। आरोपियों के परिजनों द्वारा उपलब्ध कराए गए वीडियो और इंस्टाग्राम चैट के आधार पर यह फैसला लिया गया है। जांच के दायरे में पीड़िता के इंस्टाग्राम पोस्ट, घटना के समय उसकी गतिविधियां और एफआईआर में नामजद आरोपियों की संख्या में अंतर जैसे कई संदिग्ध पहलू शामिल हैं। एसआईटी एक महीने में अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने बताया कि इस मामले में कुछ ऐसे बिंदु हैं, जिनकी जांच जरूरी है। डीसीपी क्राइम के नेतृत्व में एसआईटी टीम एक महीने के अंदर रिपोर्ट पेश करेगी। इस मामले का पीएम मोदी के संज्ञान लेने के बाद वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट सक्रिय हो गया है। वाराणसी के कई इलाकों में अवैध बार, कफै और रेस्टोरेंट पर लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल का कहना है कि 29 मार्च से 4 अप्रैल के बीच युवती ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कई फोटोग्राफ पोस्ट किए हैं। सीसीटीवी फुटेज से भी ये बात बिल्कुल साफ है कि इस अवधि में युवती कई ऐसी जगहों पर अकेले थी, जहां वो चाहती तो पुलिस से मदद ले सकती थी। उनका कहना है कि इस मामले में कई बातें संदिग्ध हैं, लिहाजा इस मामले में एसआईटी जांच के आदेश दिए गए हैं। पुलिस कमिश्नर का कहना है कि 29 मार्च से 4 अप्रैल के बीच युवती कई ऐसी जगहों पर अकेले थी, जहां वो चाहती, तो पुलिस की मदद ले सकती थी। लेकिन, उसने ऐसा नहीं किय। इसी अवधि में युवती ने इंस्टाग्राम पर अपने फोटो पोस्ट किए, कैसे? एफआईआर में 12 नामजद और 11 अज्ञात कुल 23 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज था, लेकिन युवती ने कोर्ट में सिर्फ 9 लोगों के ही नाम क्यों लिए? ये जांच का विषय है।

छात्रा ने कॉलेज के गेट पर की आत्महत्या की कोशिश

कानपुर। जनपद के चौबेपुर में एक नर्सिंग कॉलेज की छात्रा ने फीस विवाद और परीक्षा देने से रोके जाने के कारण आत्महत्या करने की कोशिश की। कॉलेज ने निर्धारित शुल्क से अधिक पैसे मांगे थे और छात्रा का परीक्षा फॉर्म नहीं भरा गया। तीन दिन पहले हुए विवाद के बावजूद उसे परीक्षा देने से रोका गया, जिससे आहत होकर उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने छात्रा को बचा लिया और मामले की जांच कर रही है। यह चौंकाने वाली घटना गुरुवार सुबह सामने आई, जब छात्रा कॉलेज गेट पर पेट्रोल की बोतल लेकर पहुंच गई। छात्रा मूल रूप से डुडवा जमौली गांव की निवासी है। छात्रा का आरोप है कि प्रबंधन ने निर्धारित शुल्क से 2000 रुपये अधिक की मांग की थी।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
— HEALTH WITH CARE —
हैल्थ प्लस सिरप
खून की कमी, भूख ना लगना, विटामिन व हार्मोन्स की कमी, शारीरिक दुर्बलता, गर्भवती महिला, दूध का कम बनना, लीवर व पेट की समस्याओं में उपयोगी
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

अयोध्या की तर्ज पर नैमिषारण्य भी विकास के पथ पर अग्रसर

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। सीतापुर में गोमती तट पर बसी 88 हजार ऋषि-मुनियों की पावन तपोभूमि नैमिषारण्य का विकास अयोध्या की तर्ज पर किया जा रहा है। इसके विकास को लेकर वर्ष 2023 में महात्मा गांधी की जयंती के एक दिन पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वहां के संतों से मुलाकात की थी।

उसी समय उन्होंने घोषणा की थी कि तीर्थ क्षेत्र नैमिष के विकास में धन की कमी नहीं होने दी जाएगी। पूरे क्षेत्र का कायाकल्प कुछ इस तरह होगा कि धर्म एवं अध्यात्म की यह धरती पर्यटन के केंद्र के रूप में भी उभरे। मुख्यमंत्री ने तो यहां तक कहा था कि मेरा प्रयास यह होगा कि नैमिष का विकास अयोध्या से भी बेहतर हो। नैमिषारण्य तीर्थ परिषद के गठन के पीछे योगी सरकार की मंशा इस तीर्थ स्थल के नियोजित विकास की रही है। इसके तहत नैमिषारण्य तीर्थ क्षेत्र में नए घाट का निर्माण होगा। यह घाट राजघाट और दशाश्वमेध घाट के बीच होगा। पुराने घाटों का भी जीर्णोद्धार, सौंदईकरण होना है। इनमें से कई काम हो चुके हैं और कुछ पर काम जारी है। मुख्यमंत्री का मानना है कि जैसे अयोध्या में पर्यटकों/श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ेगी वैसे-वैसे नैमिषारण्य का भी आकर्षण बढ़ेगा। यूं भी हर हिंदू ऋषियों की इस तपोस्थली में आना चाहता है। लखनऊ से पास होने और सनातन धर्म में आस्था रखने वालों की भावना के अनुरूप उसका विकास बहुत पहले हो जाना चाहिए था। अयोध्या और काशी के कायाकल्प और पर्यटकों की रुचि देखते हुए अब यह जरूरी हो गया है। इसीलिए एक ओर योगी सरकार अयोध्या को सजाने एवं संवारने के साथ वहां एक नव्य अयोध्या बना रही है। उसी तरह नैमिषारण्य में भी वैदिक सिटी बन रही है। नए घाट के निर्माण और पुराने घाटों के सुंद. रीकरण के साथ सड़कों का भी चौड़ीकरण हो रहा है। ललिता देवी और भूतेश्वरनाथ जैसे प्रमुख मंदिरों के अलावा अन्य मंदिरों और ऋषि-मुनियों से जुड़े प्रमुख स्थलों और पर्यटकों की सुविधा एवं सुरक्षा के मद्देनजर इनके लिए जरूरी बुनियादी सुविधाओं का भी विकास होगा। स्थानीय संतों की मंशा के अनुसार आधुनिकता के साथ प्राचीनता का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। नैमिषारण्य शीघ्र ही प्रदेश की राजधानी और अन्य प्रमुख धार्मिक शहरों, खासकर अयोध्या एवं वाराणसी से हेलीकॉप्टर सेवा से जुड़ जाएगा। ठाकुरनगर रुद्रावर्त धाम मार्ग के किनारे नौ करोड़ रुपये की लागत से हेलीपोर्ट बनकर तैयार है। यहां एक साथ तीन हेलीकॉप्टर्स की लैंडिंग हो सकती है। औपचारिकताएं पूरी होने के बाद इसकी सेवाएं उपलब्ध होने लगेंगी। रेल और सड़क कनेक्टिविटी को भी और बेहतर बनाया जाएगा। सीतापुर जिले में स्थित नैमिषारण्य एक पवित्र तीर्थ स्थल है। कहा जाता है कि यहीं पर महापुराण लिखे गए और यहीं पर पहली बार सत्यनारायण की कथा की गई थी। इस धाम का इतिहास रामायण से भी जुड़ा है। यहीं पर भगवान श्रीराम ने अश्वमेध यज्ञ पूरा किया था। इस जगह का संबंध महर्षि वाल्मीकि, लव-कुश से भी रहा है। साथ ही महाभारत काल में युधिष्ठिर और अर्जुन भी यहां आए थे। नैमिषारण्य की यात्रा के बिना चार धाम की यात्रा भी अधूरी मानी जाती है।

दलित वोटों की होड़ में गरमाई सियासत
मायावती का सपा पर तीखा प्रहार

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर दलित वोटों को लेकर घमासान मचा है। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने समाजवादी पार्टी पर ज़ोरदार हमला बोला है। अपने ताज़ा एक्स (पूर्व ट्विटर) पोस्ट्स के ज़रिए उन्होंने सपा को दलितों के नाम पर घोर संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति करने वाला दल करार दिया है। एक्स पर अपने तीन सिलसिलेवार ट्वीट्स में मायावती ने जो बातें उठाई हैं, वे सिर्फ एक राजनीतिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि यूपी की बदलती सियासी तस्वीर का आईना हैं। मायावती ने कह हसपा द्वारा खासकर दलितों को आगे करके तनाव व हिंसा का माहौल पैदा करने की कोशिश, उसकी वोट बैंक की भूख को दर्शाता है। यहां मायावती का निशाना सपा के दलित नेता रामजीलाल सुमन के राणा सांगा विरोधी बयान पर सपा और भाजपा के बीच छिडी सियासी जंग को लेकर लगाया गया है।

मायावती के अनुसार सपा नेताओं की बयानबाज़ी, आरोप-प्रत्यारोप और सड़कों पर कार्यक्रमों के ज़रिए दलितों को उकसाने का जो क्रम चल रहा है, वह घोर संकीर्ण स्वार्थ की राजनीति है। उत्तर प्रदेश में दलित वोट बैंक लंबे समय तक बसपा की ताक़त रहा है। लेकिन 2014 के बाद से दलित वोटों का बिखराव हुआ है कृ कुछ भाजपा की ओर खिंचे, कुछ क्षेत्रीय दलों की तरफ़। इस स्थिति में सपा ने कोशिश की है कि वह दलितों को अपने पक्ष में कर सके,

खासकर यादव-मुस्लिम समीकरण के साथ एक नया मयाद गठजोड़ बना सके। मायावती ने इसी बिंदु को निशाने पर लेते हुए कहा कि सपा, दलितों के वोटों के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। उन्होंने दलितों के साथ-साथ पिछड़े व मुस्लिम समाज को भी सावधान किया कि वे सपा की 'बहकावे की राजनीति' का शिकार न बनें। अपने तीसरे ट्वीट में मायावती ने वैचारिक आलोचना की है । उन्होंने कहा कि अगर ये दल अपने समाज के संतों, गुरुओं और महापुरुषों की अच्छाइयों और संघर्षों की चर्चा करें, तो यह जूयादा उचित होगा, बजाय दूसरों पर आरोप लगाने के। यह टिप्पणी सपा द्वारा बसपा पर लगातार किए जा रहे हमलों की प्रतिक्रिया भी मानी जा रही है। बीते कुछ महीनों में सपा नेताओं ने बसपा की निष्क्रियता और भाजपा से कथित मिलीभगत के आरोप लगाए हैं। आज अपरान्ह एक्स पर ही अपने एक अन्य ट्वीट् में मायावती ने प्रदेश में दलितों की सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की है।उन्होंने आगरा का उदाहरण दिया जहां सामंती दबंगों ने दलितों पर हमला किया है । उन्होंने कहा कि अन्य जनपदों में भी एसी तमाम घटनाएं हो रही है । उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार पद आरोप लगाया कि वह दलितों के साथ न्याय नहीं कर पा रही है । उन्होंने दलित वर्ग को याद दिलाने की को. शिश की है कि जब तक वे सत्ता में रही एसी घटनाओं पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही करके उन पर अंकुश लगाया जाता रहा। इधर सियासत की जमीनी लडाई को देखें तो 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद से यूपी में राजनीतिक दलों ने ज़मीनी पकड़ मज़बूत करने के लिए जातीय समीकरणों पर विशेष ध्यान देना शुरू कर दिया है। भाजपा अपने 'सबका साथ' अभियान के तहत दलितों और पिछड़ों को साधने की कोशिश में है, जबकि सपा ने भी अपनी रणनीति में बदलाव किया है।ऐसे में मायावती का ताजा हमला यह संकेत देता है कि वह मैदान से बाहर नहीं हैं, बल्कि अपने 'कोर वोट बैंक' को बचाने और सक्रिय करने के लिए आक्रामक मोड में लौट रही हैं।लेकिन यहां फिर वही सवाल ,दलितों की सियासी भूमिका को तय कौन करेगा ?यह लड़ाई केवल वोटों की नहीं, दलित चेतना की भी है। कौन उनके संघर्षों की सच्ची आवाज़ बनेगा कृ जो उनके इतिहास को सहेजकर आगे ले जाए या जो महज़ उनके वोटों के ज़रिए सत्ता की सीढ़ी चढ़े ?मायावती के ट्वीट इसी सवाल को फिर से उठाते हैं। दलितों की राजनीतिक जागरूकता, संगठित चेतना और भविष्य की दिशा में यह बहस ज़रूरी भी है ।

वरिष्ठ पत्रकार के पुत्र के निधन पर जताया शोक

सीतापुर। वरिष्ठ पत्रकार स्वदेश गुप्त के पुत्र स्पर्श का आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन से जहां पत्रकार परिवार को गहरा सदमा पहुंचा है, वहीं पत्रकारों ने भी शोक जताया है। बताया जा रहा है कि स्पर्श बुखार से पीड़ित थे। इलाज के दौरान उनका हार्ट अटैक आ गया। इससे 22 वर्षीय स्पर्श की मौत हो गई। घटना से वरिष्ठ पत्रकार सुदेश गुप्ता का पूरा परिवार बेहद दुखी है। घटना को लेकर भाजपा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष व पत्रकार अचिन मेहरोत्रा, उपजा जिला अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल, संरक्षक राहुल मिश्रा, महामंत्री अशोक यादव, वरिष्ठ पत्रकार अनिल बिवकर्मा, सन्दीप श्रीवास्तव, रविन्द्र तिवारी, सुनील शर्मा, अमित शुक्ला, विनीत पांडेय, पुलकित शर्मा, अवनीश मिश्रा, रविन्द्र सक्सेना, अनवार, अनुज सक्सेना, संजय मिश्रा, विक्रम सिंह आदि ने गहरा शोक जताया है।

डंपर की टक्कर से मासूम की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

शाह टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले के मनकापुर कोतवाली क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 6 वर्षीय मासूम बालिका की मौत हो गई। मनकापुर गांव की रहने वाली आरुही अपने माता-पिता के साथ रुदापुर समय माता मंदिर दर्शन के लिए आई थी।

हादसा मनकापुर-नवाबगंज मार्ग पर मंदिर के पास हुआ। नवाबगंज से मनकापुर की ओर आ रहे एक डंपर ने बालिका को रौंद दिया। घटना में बालिका की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने डंपर चालक को पकड़कर

पुलिस को सूचना दी। मनकापुर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। पंचायतनामा की कार्रवाई के बाद

■ लोगों ने ड्राइवर को पकड़कर पुलिस को सौंपा

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने डंपर को भी अपने कब्जे में ले लिया है। मृतक के परिजनों ने डंपर चालक के विरुद्ध मनकापुर कोतवाली में लिखित तहरीर दी है। इस संबंध में थानाध्यक्ष मनोज पाठक ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। मासूम बालिका की मौत से परि. जनों में कोहराम मचा हुआ है।

वन नेशन वन-इलेक्शन जागरूकता अभियान की हुई शुरूआत

सीतापुर। विधानसभा (149) बिसवां के संयोजक रवि प्रकाश की अगुवाई में देश में एक साथ लोकसभा, विधानसभा, निकायों व पंचायतों के चुनाव हो इसको लेकर लोगों को जागरूक किया गया। उन्होंने जोर दिया कि वन नेशन-वन इलेक्शन पालिसी देश में लागू हो सके। इसी क्रम में यूपी के सीतापुर में भाजायुमो द्वारा गुरुवार को वन नेशन वन इलेक्शन अभियान की शुरुआत हो गई। वन नेशन वन इलेक्शन अभियान के जिला संयोजक एवं भाजयुमो के जिला उपाध्यक्ष अमन विक्रम सिंह ने जिले की सभी विधानसभाओं मेथइस अभियान के तहत सामाजिक संगठनों का आव्हान किया है। इस मौके पर तुषार शर्मा,भरत शुक्ला , पूर्व ग्राम प्रधान गोपी मिश्रा, सुधीर सिंह ,नागेन्द्र , रोहित शुक्ला ,दीपक गुप्ता ,नरेश , छोटू आदि मौजूद रहे।

चोरी के माल के साथ आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। थाना रेउसा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने तंबौर थाना क्षेत्र के ग्राम डेवढेडीह निवासी मनीष पुत्र हामिद को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि मनीष शातिर चोर है। पुलिस ने उसके कब्जे से 6,300/- रुपये, आभूषण चार पायल तथा एक नाक की कील बरामद की है।

इसके अलावा एक अवैध तमंचा मय कारतूस के बरामद किया है। वहीं बगैर नम्बर प्लेट की एक मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस का कहना है कि करीब पाँच माह पहले अपने साथी के साथ मिलकर आजाद नगर मे व शीर्ष टोला में घर से रुपये व जेवरात चोरी कर लिये थे। बरामद आभूषण व पैसे उसी से संबंधित हैं। चोरी के संबंध में थाना तंबौर पर अभियोग पंजीकृत है। बिना नंबर की बरामद मोटरसाइकिल को अंतर्गत एमवी एक्ट सीज किया गया है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपी थाना तंबौर का हिस्ट्रीशीटर अपराधी भी है। जिसके विरुद्ध पूर्व में भी चोरी/नकबजनी आदि जैसे अपराधों में पूर्व से करीब दो दर्जन अभियोग पंजीकृत हैं। पुलिस ने आरा. ेपी को न्यायालय में पेश किया है।

जिलाधिकारी को निर्माणाधीन ओवरब्रिज के कार्य में मिली गड़बड़ी

शाह टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने सीतापुर- लहरपुर मार्ग पर आनंदी देवी इंटर कालेज के निकट निर्माणाधीन ओवर ब्रिज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी को मार्ग निर्माण में प्रयुक्त गिट्टी और सीमेंट के अनुपात में कमी का आभास हुआ।

जिस पर उन्होंने निर्माण खंड के अधिशासी अभियंता रीमा सोनकर से मौके पर ही जवाब तलब किया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट शब्दों में चेताया कि निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या घटिया सामग्री का प्रयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह मार्ग जिले के शहरी और ग्रामीण इलाकों को जोड़ता है। जिससे आमजन की दैनिक आवा. जाही, कृषि, व्यापार और आपातकाल. ीन सेवाएं प्रभावित होती है। जिला. धिकारी ने लगभग एक किलोमीटर पैदल चलकर स्वयं सेतु और मार्ग का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने तकनीकी अधिकारियों से डिजाइन, प्रगति व सुरक्षा मानकों की जानकारी ली और पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। सौंदर्यीकरण को लेकर उन्होंने क्षतिग्रस्त डिवाइडरों की मरम्मत करते हुए उनमें उपजाऊ मिट्टी भरकर पौधारोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसे पर्यावरण संरक्षण के साथ यात्री अनुभव बेहतर बनाने का अहम उपाय बताया। बरसात को ध्यान में रखते हुए उन्होंने जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने और नालियों की समुचित सफाई कराने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए। उन्होंने कहा कि जलभराव से न केवल सड़क को नुकसान होता है, बल्कि यह दुर्घटनाओं का कारण भी बनता है। निरीक्षण के दौरान मार्ग के दोनों ओर अनियोजित निर्माणों पर भी उन्होंने कड़ी नाराज़गी जताई।

साइबर ठगी में ठगे गए रुपयों को कराया वापस

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में साइबर सेल टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए चार साईबर पीड़ितों के कुल दो लाख 43 हजार 600 रुपये वापस कराए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक निशीकांत राय व उनकी टीमकृआरक्षी सर्वेश कुमार व प्रशांत कुमारकृने यह कार्य किया। जिले में डिजिटल लेन-देन के बढ़ते उपयोग के बीच साइबर ठगी के मामले भी बढ़े हैं। पुलिस लगातार जनजागरूकता अभियान चला रही है और शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंकों से समन्वय कर रही है।

जिलाधिकारी ने किया निर्माणाधीन सरकारी अस्पताल का निरीक्षण

सीतापुर। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने सीतापुर के राजकीय बालिका इंटर कालेज के निकट निर्माणाधीन 50 शै"या युक्त आधुनिक अस्पताल के कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता, संरचना की योजना (लेआउट) तथा निर्माण सामग्री के उपयोग की बारीकी से जांच की।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य पूर्ण रूप से मानकों के अनुरूप एवं उच्च गुणवत्ता के साथ किया जाए। उन्होंने कहा कि अस्पताल के निर्माण से जिले के नागरिकों को स्थानीय स्तर पर ही सर्वसुविधायुक्त चिकित्सा सेवाएं मिल सकेंगी, जिससे गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए निजी अस्पतालों या महानगरों पर निर्भरता कम होगी।

निर्माणाधीन अस्पताल में 50 बिस्तरों की सुविधा के साथ-साथ आधुनिक आईसीयू, आक्सीजन आपूर्ति, विद्युत व्यवस्था, एवं सुव्यवस्थित पार्किंग और इंटरलाकिंग मार्ग जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जिलाधिकारी ने कार्य की नियमित निगरानी करने एवं तय समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह अस्पताल न केवल जनपदवा. सियों को राहत देगा, बल्कि जिला अस्पताल पर लगातार बढ़ रहे दबाव को भी कम करेगा। यह परियोजना जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को एक नई ऊंचाई प्रदान करने में सहायक होगी। निरीक्षण के अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर अभिनव कुमार यादव, कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित अधिक. ारी उपस्थित रहे।

गैंगस्टर एक्ट में दो इनामी बदमाश धरे गए

सीतापुर। कोतवाली महोली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने मिश्रित कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गेंगलापुर निवासी सोनू सिंह उर्फ सानू यादव पुत्र शिवचरण सिंह तथा जसवंत पुत्र सियाराम को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि दोनों शातिर अपराधी हैं। दोनों पर गैंगस्टर एक्ट का केस दर्ज है। उसी मामले में दोनों फरार चल रहे थे। दोनों की गिरफ्तारी पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित था। इनके विरुद्ध पूर्व में भी लूट जैसे अपराध में अभियोग पंजीकृत हैं।

जिलाधिकारी ने की चकबंदी कार्यों की समीक्षा

शाह टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। कलेक्टर सभागार में जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने गुरुवार को चकबंदी अधिकारियों के साथ एक बैठक की। बैठक में चकबंदी कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिले में चल रहे चकबंदी कार्यों को लेकर जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने निर्देशित किया कि चकबंदी प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए। पारदर्शिता बनाए रखते हुए किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन गाँवों में चकबंदी का कार्य लंबित है, वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्य प्रारंभ किया जाए। भूमि विवादों, अभिलेखीय त्रुटियों तथा किसानों की आपत्तियों का समाधान तेजी से करने पर भी बल दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि फील्ड स्तर पर अधिकारी सक्रिय रहें और किसानों से संवाद बनाकर बिवासपूर्वक कार्य करें।

दादी के दाह संस्कार में गया किशोर सरयू में डूबा

गोंडा। जिले के नवाबगंज थानाक्षेत्र में दादी के दाह संस्कार में शामिल होने गया 13 वर्षीय किशोर सरयू नदी में डूब गया। सूचना पर अयोध्या तथा नवाबगंज पुलिस मौके पर पहुंच कर तलाश में जुटी। थाना क्षेत्र के कटरा भोगचंद गांव निवासी हरेश कुमार का 13 वर्षीय लड़का अपनी दादी विमला देवी उम्र करीब 65 वर्ष पत्नी रामकुमार के के दाह संस्कार में बृहस्पतिवार की दोपहर में दाह महेशपुर गांव के फोरलेन सरयू पुल के नीचे सरयू नदी के किनारे लेकर गए। जहां पर दाह संस्कार करने के बाद सभी लोग सरयू नदी में स्नान कर घर वापस आ गए। लेकिन दाह संस्कार में गए रामकुमार कुमार का नाती व हरेश कुमार कुमार का लड़का हिमांशु घर नहीं पहुंचा तब परिजन उसे ढूंढ़ते हुए सरयू नदी के किनारे पहुंचे तो उसका कपड़ा नदी के किनारे रखा हुआ मिला।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 21, स्टेशन रोड, शाह टावर लखनऊ-226001 (उप्र) से प्रकाशित।

सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎ 0522-4041004
मुख्यालयः
फोन-0131-2970013
RNI No. UPHIN/2009/31463
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

उत्तर रेलवे
ई-ऑक्शन सूचना
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना।

एडमिन यूनिट / जोन	लखनऊ-उ.रे.-मण्डल-वाणिज्य / उ.रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	20402-SLR-F2-LKO-BSB-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	05.05.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	05.05.2025 at 12:30 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14235-SLR-F1-BSB-BE-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	05.05.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	05.05.2025 at 12:40 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	12237-SLR-F1-BSB-JAT-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	05.05.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	05.05.2025 at 12:50 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	12231-SLR-F2-LKO-CDG-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	05.05.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	05.05.2025 at 13:00 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E- Auction Module of www.ireps.gov.in

1134/25
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
ई-ऑक्शन सूचना
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक / फ्रेट, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बंधित सूचना।

एडमिन यूनिट / जोन		लखनऊ.उ.रे.मण्डल-वाणिज्य / उ.रे.	
नीलामी सूची सं./लौट सं.		PnU-LKO-BSB-WRL-34-22-2 (Pay and Use-Lounges/Waiting/Retiring/Cloak Rooms)	
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	17.04.2025	नीलामी प्रारंभ तिथि (समस्त लौट)	02.05.2025 को 12:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	02.05.2025 को 12:30 बजे	नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।		E-Auction Module of www.ireps.gov.in	

1142/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
खुली निविदा सूचना (ई-निविदा)
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्न लिखित कार्य हेतु ई-निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक **08.05.2025** को **15:00** बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुवल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेगें, यदि कोई मैनुवल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

निविदा सूचना संख्या	04002025 दिनांक 16.04.2025	निविदा संख्या	04-Sr.DEN-II-LKO/2025-26
कार्य का नाम	रायबरेली-उपरेटिया खंड (कुंदनगंज-रायबरेली) में सुरक्षा बाड़ (जैसे आरसीसी दीवार, एंटी क्रैश बैरियर आदि) के प्रावधान के लिए संतुलित कार्य किया जाना है।		
अनुमानित लागत	₹ 9,32,93,668.25	धरोहर राशि	₹ 6,16,500.00
कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 06 माह	निविदा डालने का प्रारम्भ	₹ 24.04.2025
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	08.05.2025 को 15:00 बजे	वेबसाइट	www.ireps.gov.in

नोटः 1. निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है।
1125/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
ई-ऑक्शन सूचना
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-उ.रे.-मण्डल-वाणिज्य-उ.रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14229-SLR-F1-PYGS-YNRK-22-3 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	01.05.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	06.05.2025 at 12:30 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	20402-SLR-F1-LKO-BSB-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	01.05.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	01.05.2025 at 12:40 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	12237-SLR-F1-BSB-JAT-23-2 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	01.05.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	01.05.2025 at 12:50 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	20401-SLR-F2-BSB-LKO-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	01.05.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	01.05.2025 at 13:00 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	20413-SLR-F2-BSB-INDB-22-3 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	01.05.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	01.05.2025 at 13:10 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14262-SLR-F2-LKO-GAYA-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	01.05.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	01.05.2025 at 13:20 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	14013-SLR-F2-SLN-ANVT-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	01.05.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	01.05.2025 at 13:30 hrs.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	12237-SLR-F2-BSB-JAT-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	01.05.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	01.05.2025 at 13:40 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1131/2025

उत्तर रेलवे
ई-ऑक्शन सूचना
वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बंधित सूचना।

एडमिन यूनिट / जोन	लखनऊ-उ०रे०-मण्डल-वाणिज्य / उ०रे०
नीलामी सूची सं० / लॉट सं०	12419-SLR-F2-LKO-NDLS-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30.04.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	30.04.2025 at 12:30 hrs.
नीलामी सूची सं० / लॉट सं०	19402-SLR-F2-LKO-SBIB-24-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30.04.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	30.04.2025 at 12:40 hrs.
नीलामी सूची सं० / लॉट सं०	14207-SLR-F2-MBDP-DLI-24-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30.04.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	30.04.2025 at 12:50 hrs.
नीलामी सूची सं० / लॉट सं०	20415-SLR-F2-BSB-INDB-22-3 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30.04.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	30.04.2025 at 13:00 hrs.
नीलामी सूची सं० / लॉट सं०	14205-SLR-F2-AYC-DLI-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30.04.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	30.04.2025 at 13:10 hrs.
नीलामी सूची सं० / लॉट सं०	22614-SLR-F2-AYC-RMM-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30.04.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	30.04.2025 at 13:20 hrs.
नीलामी सूची सं० / लॉट सं०	22104-SLR-F2-AYC-LTT-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30.04.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	30.04.2025 at 13:30 hrs.
नीलामी सूची सं० / लॉट सं०	22178-22177-VP-1-BSB-CSMT-25-4 (Parcel-Parcel Van)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	16.04.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30.04.2025 at 12:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	30.04.2025 at 13:40 hrs.
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

No.: C/SLR Leasing contract-2019/KS Date:- 16.04.2025 1128/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अम्बेडकर पार्क के पिलर तोड़ने पर भड़के

आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। अंबेडकर पार्क की बाउंड्री को शरारती तत्व द्वारा गिराये जाने से दलित समाज के लोगों में भारी रोष फैल गया। हंगामा कर प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी कर इस कार्य को अंजाम देने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव सोहरका में शरारती तत्वों द्वारा गांव के बाहरी छोर पर स्थित अंबेडकर पार्क की बाउंड्री के चारों ओर लगे पिलरों को तोड़ दिया गया। सुबह होने पर जब पार्क के पिलरों को दलित समाज के लोगों ने टूटा हुआ देखा तो उनमें रोष फैल गया। कुछ देर में वहां पर भारी भीड़ जमा हो गई। संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के बॉर्डर पर पहले गांव धीमरखेड़ी में बोर्ड पर गंदगी लगाई गई। उसके बाद गांव मनौटा में अंबेडकर के झंडे को

फाड़ दिया गया। अभी इन घटनाओं को दलित समाज के लोग भूले भी नहीं थे। गांव सोहरका में अंबेडकर पार्क की बाउंड्री में लगे पिलरों को बीती रात शरारती तत्वों ने गिरा दिया गया। इन घटनाओं को लेकर दलित समाज के लोगों में भारी रोष फैला हुआ है। कोतवाली क्षेत्र के गाँवो में हो रही ऐसी घटनाओं से जहां दलित संगठन सक्रिय हो रहे हैं। वहीं प्रशासन को भी ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए उपाय करने होंगे। सोहरका के दलित समाज के लोगों का कहना है कि 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती मनाते समय पुलिस को बुलाकर उन्हें कार्यक्रम करने से रोकने गया था। दलित समाज के लोगों ने हंगामा काटते हुए नारेबाजी कर जोरदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर लाले, राजपाल सिंह, मुरारीलाल, जसपाल सिंह, बनारसी, निर्दोष, अमरपाल, मनोज, गुड्डू, करन सिंह, संतोष, महेंद्र सिंह मौजूद थे।

हसनपुर। अम्बेडकर जयंती पर कार्यक्रम को संबोधित करते कांठ विधायक कमाल अख्तर।

समूह के माध्यम से आत्मीय संबंध बनाएं महिलाएं

बढ़ो गगन की ओर पुस्तक का विमोचन

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि समूह के माध्यम से महिलाएं सशक्त बन रही हैं। साथ बैठकर चर्चा करने से जो संबंध आपस में बनते हैं वह वीडियो काल पर संभव नहीं हैं।

कलेक्ट्रेट सभागार में बेटी बढ़ो, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत नारी सशक्तिकरण पर लेखक डा. दीपक अग्रवाल की पुस्तक बढ़ो गगन की ओर का विमोचन डीएम निधि गुप्ता वत्स, चेयरमैन श्रीमति शशि जैन, गुरूकुल महाविद्यालय चोटीपुरा की प्राचार्या डा. सुमेधा, सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्र ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित व पुष्प अर्पित कर किया गया। डीएम ने कहा कि आत्मीय संबंध बनाने के लिए आपस में चर्चा जरूरी है। डा. सुमेधा ने कहा कि निश्चित रूप से बढ़ो गगन की ओर पुस्तक का लेखन छात्र छात्राओं को आगे बढ़ने को प्रेरित करता है। चेयरमैन शशि जैन ने कहा कि यह पुस्तक महिलाओं के संघर्ष की कहानी है। डा. अल्का अग्रवाल, डा. रचना शर्मा, सविता अग्रवाल, रजत सिंह, नीरज कौर, कमलेश सिंह, अंजू रानी, दीपा अग्रवाल, हितेश चौधरी, चारू शर्मा, नीतू सिंह, बबीता, रजनी, ज्योति मौजूद रहे।

गर्मी के तल्ख तेवर ने छुटाए पसीने

डीएम से स्कूलों का समय परिवर्तन की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

अमरोहा। गर्मी के तीखे होते तेवरों का बच्चों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर को देखते हुए प्रदेश महिला शिक्षक संघ ने सरक. ारी स्कूलों के समय परिवर्तन की मांग उठाई है। डीएम को संगठन की पदाधिकारियों ने ज्ञापन सौंपकर समय परिवर्तन का अनुरोध किया है।

गुरुवार को महिला शिक्षक संघ की पदाधिकारी जिला अध्यक्ष नीतू सिंह के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर एकत्रित हुए यहां जिलाधिकारी निधि गुप्ता को स्कूल का समय परिवर्तित कराने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। नीतू सिंह ने कहा इस समय तेज धूप एवं हीट-वेव के कारण जनजीवन प्रभावित है। वर्तमान में विद्यालयों समय प्रात: 8:00 से दोपहर 2:00 तक है। दोपहर में 12:00 बजे के बाद अत्यधिक गर्मी हो जाती है। अत्यधिक धूप एवं हीट-वेव के प्रकोप के कारण ग्रामीण क्षेत्र में पढ़ने वाले बच्चों एवं दूर दराज के क्षेत्र में कार्यरत शिक्षकों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। जिससे बच्चे बीमार पड़ रहे हैं। संगठन ने मांग की है परिषदीय विद्यालयों की समयावधि प्रात: 7:30 वजे से दोपहर 12:30 वजे तक की जाए। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नीतू सिंह, रेनू बड्डा, मंजरी कौशिक, रजनी रानी, सोनल गुप्ता, प्रीति शर्मा आदि उपस्थित रही

अम्बेडकर के संविधान को खत्म करना चाहती भाजपा

जनता को मुद्दों से भटका रही मोदी सरकार

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। भारतीय जनता पार्टी बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर द्वारा लिखे गये संविधान को खत्म कर देना चाहती है। युवा बेरोजगार हो चुके है। उनको नौकरियां नहीं दी जा रही है।

गुरुवार को नगर के एक बैंकट हॉल में अंबेडकर जयंती पर आयोजित स्वाभिमान स्वमान समारोह में बोलते हुए कांठ विधायक कमाल अख्तर ने कहा भाजपा सरकार ने युवाओं को भटकाने के लिए वर्ल्ड कप, चैंपियन कप, एशिया कप, फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित कर करवाये हैं ताकि युवा इसमें उलझे रहे। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने हमें संविधान में बराबर की हिस्सेदारी दी है। भारतीय जनता पार्टी संविधान के हिसाब से काम करना तो दूर बल्कि उसे खत्म कर देना चाहती है। समाज के सभी लोग 2027 में भारतीय जनता पार्टी को हरवाने में जुट जाये। कहा कि बाबा साहब की मूर्ति को खंडित किया जा रहा है। समाजवादी पार्टी बाबा साहब के संविधान पर चलकर देश की सेवा करने का काम कर रही है। जनता को मुद्दों से भटकाने के लिए कभी औरंगजेब तो कभी हुमायूं का मुद्दा भाजपा खड़ा करने का काम कर रही है। हिंदुस्तान का सलमान हमेशा देश का वफादार रहा है। इस मौके पर प्रदेश सचिव आरिफ अख्तर, डॉ नरेश कुमार, जफर जुरीद, चंद्रपाल सिंह सैनी, नवल कुमार, अखिलेश जाटव, बदर कुरैशी, साजिद खान, शाहनवाज अंसारी, जावेद, चौधरी इंशाल्लाह, यतींद्र शंकर गौड़, पवन अग्रवाल, जैनुल आबेदीन आदि मौजूद थे

सीडीओ के औचक निरीक्षण में खुली विकास भवन की पोल

विकास भवन में 17 कर्मी मिले गैरहाजिर

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। सीडीओ ने विकास भवन का औचक निरीक्षण किया। जिसमें 17 कर्मचारी कार्यालय से नदारद रहे। सभी से मानदेय रोकने की चेतावनी देते स्पष्टीकरण मांगा गया है।

गुरूवार को सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्र ने विकास भवन का औचक निरीक्षण किया। जिसमें 17 कर्मचारी अनुपस्थित मिले। पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय में वरिष्ठ सहायक राकेश कुमार, नरेन्द्र सिंह, वाहन चालक सतेन्द्र कुमार, कम्प्यूटर ऑपरेटर श्रीमति रेनू, जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में पत्रवाहक बहार आलम, सम्बद्ध ग्राम पंचायत

अधिकारी रौनक अली, डीसी प्रीति काला, लेखाकार मोहम्मद नसीम, समाज कल्याण विभाग में कम्प्यूटर आपरेटर अरशद अली, अनवर हुसैन, टेली ऑपरेटर नवनीत कुमार, वसूली सहायक शान्तनू मिश्रा, जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय में मंजू रानी, विपिन कुमार, अधीक्षण अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण कार्यालय में रोड रोलर क्लीनर चांदवीर, कौशल विकास मिशन कार्यालय में रामतीर्थ

वेतन पर रोक व कारण बताओ नोटिस जारी

अनुपस्थित रहे। सीडीओ ने सभी को कारण बताओ नोटिस जारी कर वेतन पर रोक लगाने की चेतावनी जारी की है। सरकारी कार्यालयों का बुरा हाल है। कर्मचारी समय पर कार्यालय नहीं पहुंचते। जिसका खामियाजा भोलीभालि जनता को उठाना पड़ता है। समय पर काम नहीं हो पाता। आज के निरीक्षण से साफ संकेत मिलते हैं कि सरकारी कर्मचारी काम के लिए बेहद लाप. रवाह हैं। वह हर माह सरकार से मोटा वेतन लेकर भी समय पर कार्यालय नहीं पहुंचते।

प्राथमिक विद्यालय में लटका मिला ताला

डीडीओ ने किया स्कूलों का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी ने क्षेत्र के परिषदीय स्कूलों का औचक निरीक्षण किया इस दौरान उन्हें मिल्क मोती खेड़ा में प्राथमिक विद्यालय के गेट पर ताला जड़ा हुआ मिला।

जिले में बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अलावा अन्य विभाग के अधिकारी भी बेसिक शिक्षा की व्यवस्थाएं देखने निकले हुए हैं। समय-समय पर परिषदीय स्कूलों के निरीक्षण को पहुंचकर आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे हैं। जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी ने क्षेत्र के गांव हलपुरा और मिलक मोतीखेड़ा के प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया है, मिलकमोतीखेड़ा में स्कूल पर ताला लगा हुआ मिला। हालांकि हलपुरा में निरीक्षण के दौरान उन्हें व्यवस्थाएं ठीक मिली। उन्होंने

विद्यार्थियों से सवाल जवाब भी किया। गुरुवार को जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी अचानक हलपुरा के परिषदीय विद्यालय का निरीक्षण किया। स्कूल में बच्चों से रूबरू होते हुए विद्यालय संचालन का बारीकी से निरीक्षण किया। नामांकन एवं मिड-डे-मील सहित समस्त अभिलेख देखे एवं बच्चों से जानकारी ली। स्कूल के पठन-पाठन का जायजा लेते हुए बच्चों से कई तरह के सवाल करते हुए जानकारी ली एवं बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरुक करते हुए पढ़ते रहने की सलाह दी। डीडीओ ने अध्यापकों से छात्रों के सामान्य ज्ञान एवं करेंट अफेयर्स से जुड़ी जानकारियों से अपडेट करते रहने की नसीहत दी। डीडीओ ने बताया कि उन्हें मिल्क मोती खेड़ा के प्राथमिक स्कूल का गेट बंद मिला, हलपुरा में व्यवस्थाएं दुरुस्त मिली। इससे पहले उन्होंने अमरोहा में भी दो परिषदीय स्कूलों का निरीक्षण किया जहां एक स्कूल में पीने के पानी के संबंध में समस्या सामने आई है प्राइमरी स्कूल की तरफ समरसेबिल खराब जिस कारण बच्चो को पानी की समस्या हो रही है। प्रधानाध्यापक ने बताया कि इसके लिए नगर पालिका योग को कई बार कहा गया है लेकिन समाधान नहीं हो रहा।

दो चौकी इंचार्ज समेत 293 सिपाहियों का तबाला

एसपी की कार्रवाई से मचा हड़कम्प

अमरोहा। एसपी अमित कुमार आनंद ने दो चौकी इंचार्ज व पांच दरोगा समेत 293 सिपाहियों का तबादला किया। सभी सिपाही तीन साल से एक ही थाने में तैनात थे, विभागीय नियम के मुताबिक उनकी तैनाती का समय पूरा हो चुका था। गौरतलब है कि मंगलवार रात एसपी ने अपराध पर काबू पाने में नाकाम साबित होने पर गजरौला व हसनपुर के थाना प्रभारियों को हटा दिया था। इसके अलावा कई थाना प्रभारियों को इधर से उधर भी किया था। इसके बाद से ही पुलिस विभाग में बड़ा बदलाव होने की सुगबुगाहट दिखने लगी थी। अब बुधवार रात पुलिस आफिस से जारी हुई नई तबादला सूची में एसपी ने जिले के सभी थानों में तीन साल से तैनात सिपा. हियों का कार्यक्षेत्र बदल दिया। इसके अलावा अमरोहा देहात थाने से महिला दरा. गा विजेता तोमर को महिला थाना गजरौला भेजा। शहर कोतवाली में तैनात दरोगा सुधीर कुमार को न्यायालय सुरक्षा में तैनात किया। कचहरी चौकी प्रभारी साहब सिंह को रज्जाक चौकी का प्रभारी बनाया। रज्जाक चौकी प्रभारी पुष्पेंद्र राठी को कचहरी चौकी का प्रभारी नियुक्त किया। वहीं, दरोगा निशांत राठी का एक दिन पहले में हसनपुर कोतवाली में एसएसआई के पद पर किया गया तबादला रद्द करके उन्हें क्राइम ब्रांच भेज दिया।

सीएम और डीएम को पत्राचार करेंगे जिला स्तर के पदाधिकारी

भाजपा नेताओं के फोन भी नहीं उठाते नायब तहसीलदार

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। मुख्यमंत्री लगातार अधिकारियों को निर्देश दे रहे हैं कि वह जनता की समस्याओं के प्रति गंभीरता दिखाए और जनता के फोन उठाएं। अगर किसी कार्य में व्यस्तता के चलते फोन न उठा पाएं तो समय मिलने पर कॉल बैक जरुर करें। मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी निधि गुप्ता के सख्त निर्देशों के बाद भी कुछ अधिकारी व कर्मचारी अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव नहीं ला रहे हैं।

जिले में अधिकारियों द्वारा भाजपा नेताओं और जनप्रतिनिधियों का फोन ना उठाने मामले लगातार सामने आ रहे है। पूर्व में भी भाजपा के जनप्रतिनिधि और पदाधिकारी समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों पर ऐसे आरोप लगाते रहे हैं। ताजा मामला यह है मंडी धनौरा तहसील मुख्यालय पर गजरौला क्षेत्र की जिम्मेदारी देख रहे हैं नायब तहस. ीलदार राजपाल सिंह आमजन तो छोड़िए जिला स्तर के (पदाधिकारी) भाजपा नेताओं के भी फोन उठाना मुनासिब नहीं समझते। नायब तहसीलदार के

जनता के फोन उठाने में अधिकारी नहीं दिखा रहे गंभीरता

इस रवैये से नाराज भाजपा के जिला स्तरीय पदाधिकारी ने जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री को पत्राचार करने की बात कही है। उनका कहना है कि शासन के स्पष्ट निर्देश है कि अधिकारी आमजन की समस्या सुने और फोन भी रिसीव करे लेकिन नायब तहसीलदार का ये रवैया सही नही है। भाजपा के जिला स्तरीय एक पदाधिकारी का कहना है कि उन्हें पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं और आमजन की शिकायत मिल रही थी कि नायब तहसीलदार राजपाल सिंह अधिकांश समय कार्यालय में नहीं रहते हैं और दूरभाष पर संपर्क करने का प्रयास किया जाता है तो फोन नहीं उठाते। इसको लेकर उन्होंने भी संपर्क करने का प्रयास किया तो उनका भी फोन रिसीव नहीं हुआ। और ना ही उनका कोई कॉल वापस आया जिससे प्रतीत होता है कि नायब तहसीलदार आमजन की समस्याओ पर कितना ध्यान देते हैं। जिला स्तरीय पदाधिकारी ने कहा कि नायब तहसीलदार का यह रवैया सही नहीं है इसके लिए वह जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री को पत्राचार करेंगे। इस बाबत शाह टाइम्स संवाददाता ने भी नायब तहसीलदार राजपाल सिंह से संपर्क करने का प्रयास किया तो फोन रिसीव नही हुआ।

बेटे ने प्रेमिका संग पिता को बेरहमी से पीटा

रिपोर्ट दर्ज कराने को पीड़ित ने दी तहरीर

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। नाबालिक बेटे के साथ प्रेम प्रसंग के चलते घर छोड़कर आयी विवाहिता का विरोध करना युवक के पिता को भारी पड़ गया। महिला व पुत्र ने जमकर पिटाई कर उसे लहूलुहान कर दिया। पुलिस को तहरीर दे दी गई है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव तो रुखालू निवासी मुकेश का पुत्र शिवा क्षेत्र के ही गांव निवासी एक विवाहिता को प्रेम प्रसंग के चलते भागकर अपने साथ घर ले आया था। जब मुकेश को बेटे की इस हरकत के बारे में पता चला तो उसने हंगामा खड़ा कर दिया। मुक. ेश का कहना था कि उसके बेटे शिवा की उम्र कम है वह नाबालिक है। मुकेश ने विवाहिता से साफ कह दिया कि वह अपने पति के पास चली जाये। यहां उसका कोई काम नहीं है। यह सुनकर शिवा व प्रेम प्रसंग के चलते फरार होकर आई महिला आग बबूला हो गई तथा उन्होंने मुकेश को पड़ककर लात घुसे बरसाते हुए जमीन पर गिरा दिया तथा लाठी डंडों से उसकी पिटाई कर उसे लहूलुहान कर दिया। चीख पुकार सुनकर ग्रामीणों नववव जैसे तैसे कर मुकेश को उनके चंगुल से बचाया। घायल मुकेश ने पुलिस को तेरी दे दी है।

हर समय जाम लगने से जनता परेशान, 20 अप्रैल तक रजिस्ट्रेशन कराने का समय

मेन रोड छोड़ बाजारों में दौड़ा रहे ई-रिक्शा

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। चैकिंग के डर से ई-रिक्शा चालकों ने अपने रूट बदल दिये है। वह मेन रोड से नहीं बल्कि बाजार में होकर यात्रियों को उनकी मंजिल तक पहुंचा रहे है। जिससे हर साल जाम की स्थिति बनी रहती है। लोगों को भारी परेशानी हो रही है।

जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने पूर्व में यातायात व पुलिस अधिकारियों को बैठक के दौरान निर्देश दिये थे कि नगर में वही ई-रिक्शा चलेंगे जिनके रजिस्ट्रेशन होंगे। उनके निर्देश पर पुलिस ने कई स्थानों पर ई-रिक्शा की चैकिंग शुरू कर दी। जिसका डर चालकों के दिल में बैठ गया है। हालत यह है कि मैन रोड पर केवल वही ई-रिक्शा दौड़ रहे है जिनके रजिस्ट्रेशन है। अन्य ई-रिक्शा के चालक बाजारों के रास्ते होकर यात्रियों को ढो रहे है। इसका प्रमुख कारण यह है कि यहां उन्हें चैकिंग का डर नहीं रहता। पुराने मंगल बाजार से लेकर नौबत खाने में हर समय जाम के हालात बने रहते है। क्योंकि अधिकांश ई-रिक्शा यहीं से चलाये जा रहे है। इसके अलावा जामा मजिस्द, कुरैशी की चौपाल, जट बाजार, गुजरी, नौबत खाना, कोट चौराहा, जट बाजार, कोतवाली, बड़ा बाजार आदि में भी जाम की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। जनता को परेशानी उठानी पड़ रही है। हालांकि जिलाधिकारी ने 20 अप्रैल तक इन ई-रिक्शा चालकों को रजिस्ट्रेशन का समय दिया है। परन्तु अभी तक नाम मात्र के ही रजिस्ट्रेशन कराये गये है।

स्कूली बच्चों की भी जान से खिलवाड़

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। दर्जनों ई-रिशा स्कूली बच्चों को भी ढोने का काम करते है। वह मानक से अधिक बच्चों को इसमें बैठाते है। इससे उनकी आमदनी बढ़ती है परन्तु बच्चों की जान हर समय जोखिम में रहती है। कई बार हादसे हो चुके है। परन्तु ई-रिक्शा संचालकों पर कार्रवाई नहीं की जाती है। परिजन व स्कूल प्रबंधतंत्र भी इस तरफ अपनी जिम्मेदारी भूल जाते है। अभिभावकों को भी अपने बच्चों की जरा भी परवाह नहीं है। ई-रिशा में न तो आग बुझाने का उपकरण होते है न हो प्रथम उपचार है।

हजारों में संख्या, रजिस्ट्रेशन नाममात्र

अमरोहा। नगर में हजारों की संख्या में ई-रिक्शा चलाये जा रहे है। शहर ही नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों से भी आकर लोग इस धंधे में लगे है। यहीं कारण है कि संकरी सड़कों पर हर समय इनसे जाम लगा रहे है। पूर्व में कई सामाजिक व व्यापारी संगठनों ने डीएम व एसपी को ज्ञापन सौंप इस समस्या को दूर करने की मांग की थी। परन्तु कुछ दिन की सख्ती के बाद स्थिति फिर जस की तस हो जाती है। इस समस्या को दूर करने के लिये गंभीरता से पहल करने की जरूरत है। प्रतिदिन नगर में दर्जनों नये ई-रिक्शा निकाले जा रहे है।

अमरोहा। नगर में ई रिक्शा के कारण लगे जाम का दृश्य। (फाइल फोटो)

यूपी सरकार आज करवाएगी हेरिटेज वॉक

वाराणसी, लखनऊ, प्रयागराज, झांसी और आगरा जा सकेंगे प्रतिभागी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। विश्व धरोहर दिवस अवसर पर 18 अप्रैल को यूपी राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड की ओर से प्रदेश के पांच प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों-वाराणसी, लखनऊ, प्रयागराज, झांसी और आगरा में विशेष हेरिटेज वॉक का आयोजन किया जा रहा है।

यह जानकारी उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। मंत्री ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य आम लोगों, विशेषकर युवाओं को राज्य की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना है। हेरिटेज वॉक के माध्यम से प्रतिभागियों को इन शहरों की गौरवशाली विरासत, स्थापत्य कला और सांस्कृतिक महत्व से परिचित कराया जाएगा। कार्यक्रम में स्थानीय गाइड, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और पारंपरिक व्यंजनों का भी समावेश किया गया है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि 18 अप्रैल को यूपीएसटीडीसी की अपटूअर्स ट्रैवल डिविजन द्वारा हेरिटेज वॉक का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों को विशेष रूप से प्रशिक्षित गाइड ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी देंगे। इस भ्रमण के दौरान पर्यटक न केवल प्रदेश की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत से रूबरू होंगे, बल्कि उन्हें स्थानीय लोक कला, संस्कृति, व्यंजन और हस्तशिल्प की विविधता का अनुभव भी मिलेगा।

कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को जन-जन तक पहुंचाना है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर हेरिटेज वॉक के आयोजन के लिए विशेष पैकेज तैयार किए गए हैं। हेरिटेज वॉक के दौरान प्रतिभागियों को ट्रांसपोर्ट, गाइड सेवा, प्रवेश शुल्क, नाश्ता आदि की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। यह वॉक लगभग ढाई से तीन घंटे की होगी। पैकेज शुल्क के लिए आगरा- 899 रुपए प्रति पर्यटक, वाराणसी- 475 रुपए प्रति पर्यटक, झांसी- 850 रुपए प्रति पर्यटक, प्रयागराज- 500 रुपए प्रति पर्यटक, लखनऊ- 800 रुपए प्रति पर्यटक है। उन्होंने बताया कि शुल्क में जीएसटी शामिल है। पैकेज की बुकिंग यूपीएसटीडीसी की वेबसाइट से होगी। उत्तर प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से विकास करने वाला राज्य है। अभी हम घरेलू पर्यटन में देश में पहले स्थान पर हैं, विदेशी पर्यटन में भी यह उपलब्धि हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए पर्यटन स्थलों और पर्यटक सुविधाओं का निरंतर विकास किया जा रहा है। ताकि अधिक से अधिक सैलानियों को आकर्षित किया जा सके।

जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अमेठी। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन के प्रोजेक्ट कोआर्डिनेटर गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि आज बाल विवाह के रोकथाम के लिए मलिक मोहम्मद भारती इंटर कालेज जायस में जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन। बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक समस्या है, जिसमें कम उम्र के बच्चों की शादी कर दी जाती है यह समस्या विशेष रूप से विकासशील देशों में पाई जाती है, जहां लड़कियों को अक्सर कम उम्र में शादी के लिए मजबूर किया जाता है बाल विवाह के नुकसान भी हैं वह बालक/बालिकाएं शिक्षा से वंचित हो जाती हैं स्वास्थ्य की समस्याएं पैदा हो जाती हैं मानसिक और भावनात्मक तनाव रहता है अधिकारों का हनन होता है भविष्य की संभावनाओं का नुकसान होता है, इसीलिए सरकार द्वारा लड़कियों के विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं लड़कों के लिए 21 वर्ष निर्धारित की गई है, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष दिनेश तिवारी जी ने बताया कि बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत बाल विवाह अपराध माना जाता है ।

अवैध असलहों के साथ दो गिरफ्तार

सीतापुर। कोतवाली बिसवां पुलिस टीम अलग-अलग स्थान पर छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने बिसवां कोतवाली क्षेत्र की ग्राम चंदन महमूदपुर निवासी रिजवान पुत्र मंसूर तथा कम्हरिया कटेसर निवासी धीरज गुप्ता पुत्र स्वर्गीय राजाराम गुप्ता को गिरफ्तार। पुलिस ने उनके कब्जे से दो अवैध तमंचे और कारतूसे बरामद की है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ बिसवां कोतवाली में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। आरोपियों को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया है।

चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार

सीतापुर। शहर कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शहर के उजागर लाल इंटर कालेज के निकट नाकेबंदी की और चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मुंशीगंज निवासी सोनू उर्फ भानु रस्तोगी पुत्र हरिश्चंद्र सोनी उर्फ हरिश्चंद्र को गिरफ्तार किया।

जबरन बैनाम के मामले में कई पर एफआईआर दर्ज

गोंडा। जिले के उमरी बेगमगंज थाना क्षेत्र के गगरौली पूरे गोड़ियन पुरवा निवासी एक व्यक्ति व उसके बेटे को किडनैप कर बैटरी रिक्शा चालक से ज़बरदस्ती बैनामा करवाने के मामले में भट्टा मालिक और सरकारी अध्यापक अनूप सिंह और अन्य के विरुद्ध पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। दो हफ्तों की जांच के बाद उमरी बेगमगंज थाने में मुकदमा पंजीकृत किया गया है।उमरी बेगमगंज थाना क्षेत्र के गगरौली पूरे गोड़ियन पुरवा निवासी अनिल कुमार निषाद पुत्र रामअवध निषाद ने दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा है कि दिनाक 20/03/2025 की रात्रि 10 बजे अनूप सिंह, अजय प्रताप सिंह, सुनील सिंह पुत्रगण तेजबहादुर सिंह, आदर्श सिंह पुत्र अजय प्रताप सिंह, अनूप सिंह के ठेकेदार लेखराज निवासी अमदही पूरे अहलाद पुरवा थाना उमरीबेगमगंज सभी विपक्षीगणों ने मिलकर उसका अपहरण कर अपने निवास स्थान पर बंधक बनाकर मारने पीटने लगे व भद्दी-भद्दी गाली देने लगे। उसके हिस्से का एक बीघा भूमि का बैनामा करने के लिए डराने धमकाने व जान से मार डालने की धमकी देने लगे। जब उसका पुत्र विनोद ढूंढ़ता हुआ मौके पर पहुंचा तो उसे भी बंधक बना लिया। पूरी रात विपक्षीगण उसे व उसके पुत्र को मारते पीटते रहे व तरह- तरह की यातनाएं देते रहे। दिनांक 21/03/25 को उसके पुत्र जो कि विपक्षी गणों के कैद में था, उसको पेट्रोल डालकर जला देने की धमकी देकर डरा धमकाकर उसके लड़के को बन्दुक की नोक पर उसका एक बीघा भूमि को बैनामा करा लिया। विपक्षीगण अत्यन्त दबंग गिरोहबन्द व राजनैतिक पहुंच वाले हैं। जिस कारण विपक्षीगण लगातार जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़ित व उसका परिवार सहमा हुआ है और अपना घर छोड़ने को मजबूर है।

सीसीटीएनएस कोर्स पूर्ण, प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह ने 11 से 17 अप्रैल तक आयोजित 7 दिवसीय सीसीटीएनएस कैप्सूल कोर्स के समापन अवसर पर प्रतिभागी पुलिसकर्मियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। इस दौरान महिला आरक्षी शबनाज को सर्वोच्च अंक पाने पर सम्मानित किया गया। कोर्स के दौरान डिस्ट्रिक्ट कोआर्डिनेटर मनीष वर्मा ने प्रतिभागियों को ई-साक्ष्य एप, ई-सम्मन पोर्टल, साइबर क्राइम और आईजीआरएस से जुड़ी जानकारी दी। कार्यक्रम में सीओ नगर राजकमल, फहद अली, अनिल मोहन शुक्ला, पीआरओ प्रवीण सिंह समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

चौदह शहरों में चलाई वातानुकूलित बसें

अमेठी। प्रदेश के सभी विकास प्राधिकरणों में भव्य कंवेन्शन सेंटर निर्माणाधीन है। नगर निगम लखनऊ व गाजियाबाद द्वारा म्युनिसिपल बाण्ड जारी किया गया है।प्रदेश के 14 शहरों में 740 वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें संचालित की गई है। 8,99,634 व्यक्तिगत तथा 69,381 सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण कराते हुए सभी स्थानीय निकायों को ओ0डी0एफ0 घोषित कराने में सफलता प्राप्त की गई है। गरीबों की मलिन बस्तियों के पुनर्वास हेतु मलिन बस्ती पुनर्विकास नीति-2021 लागू की गई है। दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत के अन्तर्गत 431 छोटी नगर पंचायतों /नगर पालिकाओं में आधारभूत सुविधाओं हेतु रु. 1025 करोड़ निर्गत किये गये है। प्रदेश के सभी नगरों में सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबन्धित किया गया है। नगरों में जनशिकायतों के निवारण हेतु 1533 टोल फी हेल्पलाइन नम्बर जारी किया गया है। नगरों में जन्म-मृत्यु के पंजीकरण की आनलाइन व्यवस्था की गई है तथा सम्पत्ति कर/म्यूटेशन की भी आनलाइन व्यवस्था की गई है। प्रदेश की हरीतिमा एवं पर्यावरण की स्वच्छता बनाये रखने के लिए व्यापक जन सहभागिता से प्रदेश में 2017-18 से 2024-25 तक 204.65 करोड़ पौध रोपण किया गया।

किसान के बेटे की सर्प दंश से मौत

सिंहपुर अमेठी। ग्राम पंचायत अंतर्गत भगत पुरवा गांव में बुधवार की बीती रात एक किसान के बेटे की सर्प दंश से मौत होने की खबर सामने आई है बताया ने जाता है कि किसान राजकुमार यादव के गेहूं के फसल की कटाई मड़ाई थ्रेसर से खेतों में की जा रही थी राजकुमार यादव के बेटा भी गेहूं की मड़ाई में लगा हुआ था पूरा परिवार यही खेतों में किसानी में लगा हुआ था राज. कुमार के अठारह वर्षीय बेटा मोनू खेत से घर के लिए गेहूं की बोरियां लाने के लिए घर घर के खेत से जैसे ही निकला की खेत की मेड़ के बीच नाली में बैठे जहरीले सांप ने मोनू को डस लिया मोनू को चक्कर आने लगा तो परिजनों ने आनन-फानन में मौके पर गेहूं की मड़ाई थ्रेसर सब बंद कर दिया और सिंहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए ले गये परिजनों का आरोप है सिंह. पुर सीएचसी में कोई भी इलाज नहीं किया गया न ही इंजेक्शन लगाया परिजै ने सिंहपुर अस्पताल के चिकित्सा कमी बताकर चिकित्सक डा. अनूप कुमार आर्य की कार्यशैली पर नाराजगी जताई है पीड़ित परिवार का कहना है कि सिंहपुर सीएचसी के चिकित्सक द्वारा सरकारी अस्पताल लोधवरिया के लिए रिफर कर दिया जहां चिकित्सकों ने हालात गंभीर देख मोनू को रायबरेली के लिए रिफर किया जहां रास्ते में मोनू ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने मोनू का अंतिम संस्कार कर दिया ।

प्रतिभागियों को दिए गए पुरस्कार

सीतापुर। पार्वती विद्या मंदिर जूनियर हाई स्कूल कसमंडा में गुरुवार को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां छात्र छात्राओं के लिए बृजेंद्र कुमार सक्सेना पुष्कर की याद में पुष्कर सेवा संस्थान की तरफ से वर्ष दो हजार चौबीस पच्चीस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें वाद विवाद और श्लोक दोहा आदि का प्रस्तुतीकरण किया गया । पुरस्कार हेतु विजयी बच्चों का चयन किया गया। बच्चों के मध्य एक क्विज का आयोजन किया गया। विजेताओं को शिक्षा स्वास्थ्य जागरूकता के संदेश के साथ स्पाट गिफ्ट दिया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के कक्षा छह सात और आठ के बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को संस्थान की तरफ से प्रशस्ति पत्र व नकद पुरस्कार दिया गया।साथ ही खेल को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की तरफ से विद्यालय के बच्चों को फुटबाल भी दिया गया। कार्यक्रम के आयोजक रश्मेंद्र सक्सेना ने जानकारी देते हुए बताया कि अपने बड़े भाई बृजेंद्र कुमार सक्सेना पुष्कर की याद में बच्चों को प्रोत्साहित करने हेतु वर्ष दो हजार तेईस से इस प्रतियोगिता का प्रतिवर्ष आयोजन किया जाता है। संस्थान की तरफ से पांच अनाथ बच्चों को स्कूल बैग भी दिए गए।

सरकार ने कल्याणकारी योजनाओं से नागरिकों को किया लाभान्वित

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमेठी। प्रदेश सरकार ने नगरों में सभी मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं सहित अमेठी। प्रदेश में बढ़ते हुए नगरीकरण के दृष्टिगत प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने सभी नगरीय सुविधाओं के ख्र्ष्टिगत प्रदेश में 125 नये नगर निकायों का गठन किया है, साथ ही बड़े नगरों अयोध्या, मथुरा-वृन्दावन एवं शाहजहांपुर में नये नगर निगम का गठन किया है।

सभी नगर निकायों में मूलभूत सुविधाओं के ख्र्ष्टिगत निर्माण/विकास कार्य कराये जा रहे है। प्रदेश के नगरों में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अन्तर्गत 17 लाख 70 हजार आवासों का निर्माण कराया गया है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अन्तर्गत प्रदेश में रेहड़ी/पटरी/ठेला लगाने वाले 19.72 लाख स्ट्रीट वेन्डर्स को ऋण वितरित किया गया है। उत्तर प्रदेश 18 सेफ सिटी, 17 स्मार्ट सिटी वाला देश का एकमात्र राज्य है। स्मार्ट सिटी योजना के अन्तर्गत सभी 17 नगर निगमों में सड़क नाला/नाली, प्रकाश ब्रिज, पेयजल, जल निकासी सीवर लाइन आदि हेतु 10 हजार 300 करोड़ से अधिक की 757 परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अन्तर्गत लगभग 09 लाख व्यक्तिगत तथा 69 हजार से अधिक सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण कराते हुए सभी नगरीय निकायों को ओडीएफ घोषित कराने में सफलता प्राप्त की गयी है। प्रदेश के शहरों को बाढ़ की समस्या एवं जलभराव से मुक्ति हेतु अर्बन फ्लड एवं स्टार्म वाटर ड्रेनेज योजना प्रारम्भ की गई है। जनपद मुख्यालय के 58 नगर निकाय को स्मार्ट सिटी की तर्ज पर विकसित करने की योजना संचालित की गई है।

प्रदेश के बड़े शहर कानपुर, मेरठ, मथुरा के इंफ्रास्ट्रक्चर को प्रयागराज की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रीजनल रैपिड ट्राजिट सिस्टम का दिल्ली -गाजियाबाद मेरठ कारिडार संचालित है। कारिडार का निर्माण जून, 2025 तक पूरा किये जाने का अनुमान है।

मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट स्कीम द्धअर्बनत्र्ञ के अन्तर्गत 800 करोड रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। नगरों में अमृत योजना 2.0 के अन्तर्गत अब तक लगभग 39 लाख घरों को पेयजल कनेक्शन उपलब्ध कराये गये हैं। प्रदेश में स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत 10 स्मार्ट सिटीज में इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेन्टर एवं इन्टेलीजेंट ट्रैफिक मैनजमेंट सिस्टम क्रियाशील है। राज्य स्मार्ट सिटी योजना में अयोध्या, फिरोजाबाद, गोरखपुर, गाजियाबाद, मथुरा-वृन्दावन, मेरठ व शाहजहांपुर का स्मार्ट सिटी के रूप में विकास किया गया है।

राष्ट्रीय स्तर पर स्मार्ट सिटी रैंकिंग में आगरा व वाराणसी प्रथम 10 शहरों में सम्मिलित हैं। अमृत योजना में स्वीकृत 723 परियोजनाओं में से 556 पूर्ण हो गयी है। इसके अन्तर्गत 9.20 लाख घरों में जलापूर्ति एवं 8.60 लाख घरों में सीवरेज संयोजन किया गया है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर, आगरा में मेट्रो रेल सेवा प्रारम्भ हो गयी है तथा गोरखपुर के लिए डी.पी.आर. तैयार है। देश की पहली आर.आर.टी.एस. 'नमो भारत' का संचालन भी उत्तर प्रदेश में प्रारम्भ हो गया है। राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 के गंगा टाउन कैटेगरी के अन्तर्गत नगर निगम, वाराणसी को प्रथम स्थान तथा प्रयागराज को द्वितीय स्थान के साथ-साथ नोएडा को स्टेट क्लीन सिटी का अवार्ड प्राप्त हुआ है।

एक नजर

सरकार भूगर्भ जल रिचार्ज हेतु चेकडैम तालाबों का करा रही है निर्माण

अमेठी । जल और जीवन एक-दूसरे के पूरक हैं। जहां जल है वहां जीवन है। यदि जल नहीं तो जीवन नहीं। जल से ही जीव-जन्तु, पेड़-पौधों आदि की उत्पत्ति एवं विकास होता है। आज बढ़ती हुई जनसंख्या एवं औद्योगीकरण के कारण भूजल का दोहन अधिक हो रहा है। भूगर्भ जल के स्तर में धीरे-धीरे कमी आ रही है। प्रदेश में गिरते भूगर्भ जल स्तर में सुधार तथा भूगर्भ जल के नियोजित विकास एवं प्रबंधन के साथ भूजल से सम्बंधित समस्याओं के अध्ययन एवं भूजल संरक्षण हेतु जन जागरूकता के लिए 05 योजनाएं यथा-भूगर्भ जल सर्वेक्षण का विकास, आंकलन एवं गुदृढ़ीकरण, शासकीय भवनों पर रूफटाप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना, भूजल संसाधनों की गुणवत्ता का अनुश्रवण एवं मैपिंग, भूजल जन-जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार तथा राज्य भूजल भवन की स्थापना तथा नये पीजोमीटर की स्थापना की नवीन योजनायें प्रस्तावित हैं। प्रदेश में भूजल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण, प्रबन्धन एवं विनियमन के ख्र्ष्टिगत उद्गप्रद्व भूगर्भ जल द्धप्रबन्धन एवं विनियमनत्र्ञ अधिनियम-2019 लागू किया गया है। प्रदेश सरकार भूजल के गिरते स्तर को सामान्य लाने के लिए सम्बंधित क्षेत्रों में वर्षा जल को रोकने के लिए बन्धियां/चेकडैम, बांध, तालाब, पोखरों आदि का निर्माण कराकर जलस्तर बढ़ाने की योजनाएं संचालित की हैं। घरों तथा शासकीय भवनों में रूफटाप रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की योजना संचालित है। जिसके अन्तर्गत शासकीय भवनों एवं निजी घरों के छतों से आने वाले वर्षा के पानी को खोदे गये गड्ढों/हार्वेस्टिंग प्रणाली में एकत्रित कर भूगर्भजल रिचार्ज में अभिवृद्धि की जा रही है।

पांच सौ स्थानों पर बनाए गए चैकडम

अमेठी। प्रदेश के डार्क घोषित विकास खण्डों में सरकार द्वारा बंधियां, चेकडैम, तालाबों का निर्माण कराया जा रहा है। भूगर्भ जल रिचार्ज में अभिवृद्धि हेतु स्थानीय नदी, नालों, एवं वर्षा के जलबहाव वाले स्थलों पर चेकडैम बनाकर वर्षा जल को रोकते हुए भूगर्भ जल स्तर को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश में अब तक विभिन्न नदियों, नालों आदि पर 500 से अधिक चेकडैम बनाये गये हैं।प्रदेश सरकार द्वारा वर्षा जल संचयन एवं भूजल संवर्द्धन के अन्तर्गत क्रिटिकल तथा अतिदोहित चयनित विकास खण्डों में भूजल संवर्द्धन, सिंचाई, मछली पालन, पशुओं के लिए पीने का पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने आदि कार्यों हेतु तालाबों का निर्माण/जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। तालाबों के पुनर्विकास एवं प्रबंधन हेतु 01 हे0 से 05 हेक्टेयर क्षेत्रफल तक के तालाबों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2019-20 में 47.60 करोड़ रुपये व्यय करते हुए 118 तालाबों का निर्माण कराया है तथा वित्तीय वर्ष 2020-21 में 48 करोड़ रूद्द व्यय करते हुए अब तक 117 तालाबों का निर्माण/जीर्णोद्धार कराया गया है। वर्ष 2021-22 में 45 तालाबों का जीर्णोद्धार/निर्माण करते हुए 11.44 करोड़ रुपये व्यय किये गये है।

भजनों पर झूमे श्रद्धालु

कमरौली अमेठी। औद्योगिक क्षेत्र जगदीशपुर मे बुधवार को देर रात साई भजन संध्या का 16वा वार्षिक आयोजन हुआ जिसमे साईं बाबा की पालकी निकाली गयी जो साई पार्क से निकलकर रोड नम्बर एक व नशेमन होटल के पास से होते हुए साई पार्क पहुची। शिरडी के प्रमुख पुजारी अमित देशमुख द्वारा साई आरती कराई गयी। साईं दरबार मे साई बाबा के अलावा गणेश, शंकर, दुर्गा, बृह्मा, खाटू श्याम, हनुमान आदि देवताओ के दर्शन भक्तो ने किया। लकी राज झाकी मे गणेश, शंकर, माँ दुर्गा, साई बाबा के रूप मे प्रस्तुति दी गयी। भजन गायक पीहू, मयंक व अनुष्का मिश्र द्वारा साई के गुणगान किया गया, संस्था द्वारा क्षेत्र के विशिष्ट लोगो का चयन करके उन्हें अंगवस्त्र व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया , भंडारा मे हजारो लोगों ने भर पेट भोजन किया कार्यक्रम मे मौजूद जगदीशपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक सुरेश कुमार पासी, गौरीगंज विधायक राकेश प्रताप सिंह ने साईं बाबा दरबार में सुसज्जित झांकी के दर्शन किए डाक्टर प्रदीप तिवारी, डाक्टर एम के त्रिपाठी, डाक्टर अमित, डाक्टर एस के पाठक, डाक्टर हिमांशु बघेल, डाक्टर सुनील मौर्य, राणा हरनाम सिंह, प्रधान नासिर,श्वेता सिंह, डाक्टर नवीन सिन्हा, नितिन सिन्हा, प्रशांत पांडेय, बृजेश पाल, पीयूष श्रीवास्तव, रेनु, डाक्टर नायाब खान, शिरोमणि यादव, मान सिंह राठौर, इं संजय सिंह, एस बी सिंह, ए के सिंह, डाक्टर सुधीर वर्मा अधीक्षक, संजय शुक्ला, डाक्टर ए के सरकार, जग नारायण, राम हेतवैश्य, शैलेश श्रीवास्तव, रमेश श्रीवास्तव, दयाशंकर गुप्ता,सहित हजारो की भक्तो की भीड़ रही। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार मोहम्मद तौफीक ने किया।

दहेज उत्पीड़न में पति सहित चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

ठाकुरद्वारा। दहेज में पांच लाख रुपये की मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया। वह मायके में आकर रहने लगी तो आरोपी गांव में आ पहुंचे और जबरन कार में डालने का प्रयास किया। उसकी तहरीर पर पुलिस ने पति समेत चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। कोतवाली के ग्राम गोपीवाला निवासी नेहा पत्नी अजय कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर कहा कि उसका पति मोहित कुमार, जेठ मनोज कुमार, जेठानी रूबी, ससुर राजकुमार निवासी थाना लक्सर जनपद हरिद्वार उत्तराखंड शादी के बाद से दहेज को लेकर प्रताड़ित करते हैं।

गोवंशीय पशुओं गैंगस्टर एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

ठाकुरद्वारा। कोतवाली पुलिस ने गोवंशीय पशुओं की हत्या कर उनका मांस बेचने के आरोपी बदमाशों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। कोतवाली क्षेत्र के गांव भायपुर निवासी योगेंद्र उर्फ बब्बू पुत्र झबरा गोवंशीय पशुओं की हत्या कर जिनके मांस बेचने का काम करने के ताकि अपने लिए सुख सुविधा जुटा सके। उनके इस कृत्य से सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की संभावना है। तस्लीम इस गिरोह का सरगना बताया गया था जिसपर कोतवाली पुलिस के उपनिरीक्षक जितेन्द्र मीणा कुलदीप कुमार ललित कुमार महिला उपनिरीक्षक अंजली रानी कॉस्टेबल ज्ञानेंद्र कुमार द्वारा योगेन्द्र उर्फ बब्बू पुत्र झबरा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

अलीना को हाईकोर्ट स्टेनों के पद पर चयनित होने पर समारोह पूर्वक सम्मानित

ठाकुरद्वारा। हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के उपलक्ष में आयोजित संगोष्ठी में ब्लॉक प्रमुख पति वीर सिंह सैनी एवं खंड विकास अधिकारी चौतन्य कुमार पाठक ने अलीना को हाईकोर्ट स्टेनों के पद पर चयनित होने पर सम्मानित किया। अलीना सरकारी स्कूल

(उच्च प्राथमिक विद्यालय अब्दुल्लापुर लेदा) की भूतपूर्व छात्रा रही है । एक सरकारी स्कूल से पढ़ाई कर के उपलब्धि प्राप्त करने से गाँव में खुशी का माहौल है ,और ग्राम वासियो में सरकारी विद्यालय के प्रति एक विश्वास जगा है । सरकारी विद्यालय से अपनी प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर नौकरी प्राप्त करने से गांव वासी तथा सभी बच्चे बहुत अधिक प्रेरित हैं यह उच्च प्राथमिक विद्यालय अब्दुल्लापुर लेदा के लिए एक अत्यंत सम्मान का विषय है ।संगोष्ठी के दौरान मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष द्वारा बाबा भीमराव अंबेडकर जीके जीवन परिचय एवं संविधान पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया तथा पिछडे एवं वंचित वर्ग को शिक्षा से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया । इस दौरान पीयूष शर्मा , सोनिया चौहान, प्रधान पति वीर सिंह उर्फ विरू आदि मौजूद रहे।

यातायात सुरक्षा चेकिंग के दौरान शराब पीकर ट्रक चालक से वसूला 10 हजार का जुर्माना

ठाकुरद्वारा। पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देशन में पुलिस अधीक्षक यातायात के निर्देश पर ठाकुरद्वारा पर तिकोनिया चौराहे पर सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा सेफ्टी मिशन के अंतर्गत जीडी गोयंका पब्लिक स्कूल की बस में सुरक्षा से संबंधित फर्स्ट एड बॉक्स ओर सुरक्षा संबंधित उपकरणों को चेक किया गया , तथा छात्रों , चालक, परिचालक को इसके महत्व के बारे में जानकारी दी गई स मुरादाबाद से काशीपुर चलने वाली प्राइवेट बसों में चालक व परिचालक तथा आम नागरिकों को यातायात के नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया । तथा शराब पीकर वाहन चलाने वाले ट्रक चालक से १० हजार रुपये का जुर्माना वसुला गया ।

आईएफटीएम में संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हुआ रंगोली प्रति0 का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक एवं एक्टिविटी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में भरतीय संविधान के **75** वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ''हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान'' थीम पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संविधान न केवल भारत के लोकतंत्र का आधार है, प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों द्वारा संविधान के सम्बन्ध में सुसज्जित व रंग-बिरंगी रंगोली बनाकर अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित करते हुए सभी का मन मोह लिया। इस प्रतियोगिता में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर बी.एस.सी.- बीएड के विद्यार्थियों राजकमल, विशाखा, प्रतिभा ने प्रथम, पॉलीटेक्निक के कंप्यूटर साइंस विभाग के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों संध्या, संजीव कुमार, विवेक कुमार, तृप्ति सिद्धू ने द्वितीय, पॉलीटेक्निक के कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रथम वर्ष के छात्र शेखर कुमार ने तृतीय एवं पॉलीटेक्निक के कंप्यूटर साइंस विभाग के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों कमल कुमार, हर्षित शर्मा, अंशु, मुस्कान, शिवा ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

इस मौके पर कार्यक्रम के संयोजक व यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के निदेशक प्रो. वैभव त्रिवेदी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों की रचनात्मकता को बढ़ाने का काम करते हैं। वहीं प्रतियोगिता की सह संयोजिका प्रो. नीलू त्रिवेदी ने संविधान के **75** वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर सभी प्रतियोगियों का उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के

सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत लाभदायी सिद्ध होते हैं। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में कार्यक्रम समन्वयक श्री संजीव कुमार सिंह समेत फैकल्टी मैम्बर्स डॉ. शिल्पी पाल, श्री आशीष नगिला, डॉ. माधवी गुप्ता एवं सुश्री छवि गुप्ता का विशेष योगदान रहा। इस अवसर यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के विभागध्यक्ष डॉ. पुनीत खन्ना, अंकुर जैन, मयंक भारद्वाज, महावीर सिंह रावत आदि शिक्षकगण उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में विश्व. विद्यालय के विभिन्न स्कूलों एवं यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के **82** छात्र-छात्राओं ने अत्यंत रूचि के साथ प्रतिभाग किया।

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जयंती पर ब्लॉक सभागार में बाबा साहब के जीवन चरित्र पर डाला प्रकाश

शाह टइम्स संवाददाता

बिलारी। नगर के ब्लॉक सभागार में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पर **15** दिवसीय कार्यक्रम के तहत कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें बाबा साहब के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला गया। गुरुवार को हुए कार्यक्रम के दौरान हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान की गाइडलाइन के तहत ब्लॉक सभागार में क्षेत्र पंचायत स्तर पर संविधान निर्माण की प्रक्रिया, मौलिक अधिकार, अनुच्छेद **51** के तहत उल्लिखित नागरिक, कर्तव्य अधिकतम संशोधन के बारे में जानकारी दी गई। बैठक में अनेकों शिक्षक भी मौजूद रहेँ एसडीएम

विनय कुमार सिंह ने बाबा साहब के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला और संविधान के अनुच्छेद **51** का वर्णन भी किया। कार्यक्रम में आरपी विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के ,प्रधानाचार्य राजीव कुमार शर्मा प्रवक्ता राम रतन इंटर कॉलेज ठाकुर पुष्पेंद्र सिंह आदि भी मौजूद रहे। उन्होंने बाबा साहब पर विचार भी प्रकट किया। कार्यक्रम में भाजपा के जिला महामंत्री चंद्रपाल सैनी, खंड शिक्षा अधिकारी अजहरे आलम, फरहत अली के अलावा स्कूली छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहे।

तेज रफ्तार से आ रही बाइक की आपस मे टकराई

सुरजननगर। चौकी क्षेत्र के फीका पुल पर तेज रफ्तार विपरीत दिशा से आ रही दो बाइको की टक्कर हो गई जिसमे बिजनोर जिले के जटपुरा गांव के अमन पुत्र दिनेश कुमार ओर स्योहारा के निवासी मोह शानू पुत्र रियाजुद्दीन के काफी चोटे आई यह हादसा फीका पुल पर हुआ और ग्रामीणों की मदद से सुरजननगर पुलिस ओर घायलों के मोबाईल नम्बर पर घर बालो को सूचना दी गई जिससे मोके पर पहुँची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से दोनों को पास के चिकित्सक के पास ले जाया गया जहाँ पर घायल शानू के मलहम पट्टी कर दी गई वही अमन पुत्र दिनेश कुमार की हालत गंभीर होने के कारण चिकित्सक ने हायर सेंटर रेफर कर दिया गया यहाँ बता दे कि अमन के चाचा की आज रात बिजनोर जिले के गांव जटपुरा से शेरकोट बारात जा रही थी अमन अपने चाचा की शादी में जाने के लिए सुरजननगर से आवश्यक समान लेने आया था ।

लापरवाही की शिकायत होने के बाद जागा डाक विभाग,जांच पड़ताल करने पुराने डाकघर पहुंची टीम

पंचू गोपाल,शाह टाइम्स

ओरछी। डाक विभाग की लाप. रवाही के चलते कई सालों से सिसरका डाकघर पर जरुरी कागज जैसे रजिस्ट्री, आधारकार्ड व बैंकों के कागज नहीं वांटे गए थे द्य जिसकी शिकायत पूर्व प्रधान के द्वारा डाक विभाग को देने के 27 दिन बाद डाक विभाग हो होश आया तब जाकर पूर्व में रहे डाकघर पर टीम ने पहुच कर अपनी जांच पड़ताल शुरू की है जिसमे एक कट्टे में सैकड़ो की तादाद में काफी डाक मौके पर पाई गई है । थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के में सिसरका पुराने डाकघर पर सैकड़ो की तादाद में कुछ जरूरी कागजो का ढेर लगा। हुआ पड़ा है

पूर्व में रहे डाक घर पर कट्टे में पिछले कई सालों से जरुरी डाक पड़ी है जो अभी तक नहीं बांटी गई है, बताया जाता है लोगों की डाक रजिस्ट्री तीन या चार दिनों में उनके घर तक पहुच जानी चाहिए लेकिन सिसरका डाकघर में ढेर लगे हुए पड़े हैं डाक विभाग अधिकारियों के लम्बी लापरवाही के चलते डाक बटवाने का जिम्मा नहीं उठाया गया था। इसकी शिकायत गांव के पूर्व प्रधान नरेंद्र सिंह ने डाक विभाग को लिखित रूप से 19/ 3/ 2025 को डाक विभाग रजिस्ट्री द्वारा भेजा गया था। उसमे बताया गया है पूर्व में मेरे मकान पर डाक विभाग का ब्रांच था। अब पोस्ट मास्टर द्वारा गांव में दूसरी जगह ब्रांच खोला गया है लोगों के काफी जरुरी कागज रखे हुए है। कई बार कहने के बावजूद भी आज तक वो कागज नहीं बांटे गए है । और आरोप लगाते हुए बताया गया है आधार कार्ड पर नंबर लगाने के नाम पर सौ रूपये वसूलते हैं तथा बच्चों का आधार कार्ड बनवाने वालों से तीन-तीन सौ रुपए की वसूली की जाती है डाक विभाग में खाता खुलवाने के नाम पर दो-तीन सौ रुपए लेते हैं । जांच को आये जय प्रकाश सिंह मेल ओवर शेयर अधिकारी बिसौली कैमरे के सामने बोलने से बचते नजर आये और जब उनसे फोन करके जानक. ारी लेनी चाही तो तीन-चार बार उनका फोन नहीं उठाया गया।

समधन समधी संग फुर्र, बेटी के ससुर संग भागी मां

सुनील कश्यप, शाह टाइम्स

बदायूं। दातागंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में अलीगढ़ की तरह ही मामला प्रकाश में आया है, लोग चटकारे लेकर गाना गा रहे हैं।

कि समधन तेरी घोड़ी चने के खेत में, वाक्या है एक मां अपनी बेटी के ससुर के संग भाग गई। सारी मान-मर्यादा ताक पर रखकर। अब पति ने कोतवाली पुलिस से पत्नी बरामदगी की गुहार लगाई है। बताते हैं कि दातागंज के एक गांव निवासी की पत्नी अपनी बेटी के ससुर के साथ भाग गई। बताते हैं कि बेटी की शादी बदांयू के एक मोहल्ला निवासी युवक के साथ की थी।

इसी दरम्यान समधी समधन एक दूसरे के नजदीक आ गये ओर बीते दिवस घर से मान-मर्यादा ताक पर रख रफूचक्कर हो गये। पीड़ित ने पुलिस से पत्नी की बरामदगी की गुहार लगाई है। इंस्पेक्टर गोरव बिश्नोई ने बताया कि तहरीर मिली है कार्रवाई की जा रही है।

चेकिंग अभियान चलाकर इंस्पेक्टर हरेंद्र सिंह ने परखी बैंकों की सुरक्षा व्यवस्था

शाह टाइम्स संवाददाता

बिसौली। इंस्पेक्टर हरेंद्र सिंह ने विभिन्न बैंकों में चेकिंग अभियान चलाया। इसमें मुख्य रूप से बैंकों में लगे सीसीटीवी कैमरे को चेक किया और अलार्म सिस्टम को भी परखा गया। बैंकों के बाहर मौजूद संदिग्धों से पूछताछ की गई और बिना वजह मौजूद न रहने की हिदायत दी गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह के निर्देशन में कोतवाल

हरेंद्र सिंह ने पुलिस बल के साथ चेकिंग के दौरान बैंकों में लगे सुरक्षा उपकरणों, सीसीटीवी कैमरों, अलार्म आदि को भी चेक किया और सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को चेक कर जरूरी दिशा निर्देश दिए। इंस्पेक्टर हरेंद्र सिंह ने बताया कि लगातार बैंकों में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

और साथ ही बैंक उपभोक्ताओं को किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े उसी के संबंध में चेकिंग की जा रही है। पुलिस की बैंकों में चेकिंग के दौरान लोगों में हड़कंप मचा रहा।

खेत में लगा पांच बीघा गेहूं का ढेर जलकर राख, किसान का हुआ हजारों का नुकसान

- **किसान ने लेखपाल से की मुआवजे की मांग**

शाह टाइम्स संवाददाता

कुंवरगांव। थाना क्षेत्र के गांव बनग. वां में एक किसान के खेत में लगा गेहूं का ढेर जलकर राख हो गया ग्रामीणों ने आग बुझाने का भरपूर प्रयास किया लेकिन तब तक पूरा ढेर जलकर राख हो गया ।

मिली जानकारी के अनुसार बनगवां निवासी किसान रामभजन पुत्र हरी सिंह ने अपने पांच बीघा गेहूं की फसल काटकर निकलवाने के लिए खेत में इकट्ठी

कर दी थी किसान का कहना है कि बृहस्पतिवार सुबह लगभग दस बजे खेत में काम कर रहे मजदूर बीरेंद्र की पत्नी रोटी लेकर खेत पर पहुंची उसके साथ उसकी छोटी बच्ची थी जहां छोटी बच्ची ने पिता की रखी बीड़ी माचिस उठा ली और माचिस लेकर इकट्ठी गेहूं की फसल के पास पहुंचकर आग जला दी।देखते ही देखते ढेर ने आग पकड़ ली ।आग लपटें उठती देख आसपास के खेतों में गेहूं की फसल काट रहे अन्य किसान भाग खड़े हुए और दूबैल चलाकर पानी से आग पर काबू पाने के लिए लोगों ने भरसक प्रयास किया घटना की सूचना डायल 112 पुलिस को दी गई मौके पर पुलिस भी पहुंची,लेकिन तब तक गेहूं का पूरा ढेर जलकर राख हो गया ।आग लगने से किसान का हजारों का नुकसान हुआ है।उसने लेखपाल को सूचना देकर मुआवजे की मांग की है।। जानकारी के अनुसार किसान और मजदूर में समझौता हो गया मजदूर किसान के गेहूं देगा । इस संबंध में प्रधान जमशेद का कहना कि छोटी बच्ची ने आग लगा दी थी अब किसान और मजदूर दोनों में समझौता हो गया है।

उरैना गांव में किसानों ने कराई अपने खेतों की ई फॉर्मर रजिस्ट्री

शाह टाइम्स संवाददाता

वजीरगंज। जनपद बदायूं के विकासखंड वजीरगंज क्षेत्र के ग्राम पंचायत उरैना में किसानों ने पंचायत भवन उरैना पर पहुंचकर अपने खेतों की ई फॉर्मर रजिस्ट्री कराई। किसान भाइयों ने सरकार की इस पहल का स्वागत किया है । कि सरकार ने गांव गांव में कैंप लगाकर ई फार्मर रजिस्ट्री करने का संकल्प लिया है ।

लेखपाल रिकीं सिंह वाथम ने बैठक में बताया कि जिन किसानों की ई फॉर्मर रजिस्ट्री नहीं हुई है । उन लोगों के लिए सम्मान निधि नहीं मिल पाएगी ।अत: सभी किसान भाई जल्दी से जल्दी अपनी ई के वाई सी करा ले। पंचायत सहायक मुस्कान सक्सेना ने कहा कि सभी किसान भाइयों, बहिनो के लिए ई फॉर्म रजिस्ट्री जरूरी है । क्योंकि इसके बिना किसान भाइयों के लिए अन्य लाभ भी नहीं मिल पाएगा । इस मौके पर ग्राम प्रधान मजाहिर अली, पंचायत सहायक मुस्कान सक्सेना, लेखपाल रिंकी बाथम, रोजगार सेवक दिनेश पाल, वीरपाल , दुल्ला खान आदि लोग मौजूद रहे । इधर ग्राम पंचायत हतरा में भी किसानों ने ई के वाई सी कराई । हतरा में लेखपाल , शोभित शर्मा , अल्तमश, अनुज कुमार सक्सेना सहित ग्राम प्रधान मौजूद रहे ।

एसडीबी पब्लिक स्कूल में किंडरगार्डन सेक्सन के बच्चों ने टिफिन शेयरिंग की एक्टिविटी

शाह टाइम्स संवाददाता

बिसौली। श्री देवराहा बाबा पब्लिक स्कूल में किंडरगार्डन सेक्सन मे शिक्षिकाए गौरी सिंह, स्वाति, सुंदरी, शालू, विनीता, कृति, अर्चना एवं मुस्कान के दिशा निर्देशन में बच्चों ने टिफिन शेयरिंग एक्टिविटी में सहभागिता की।

बच्चों ने हाथ धोकर पहले मंत्रोच्चार किया, फिर भगवान को याद करके धन्यवाद देकर लंच ना लाने वाले विद्यार्थियों को अपना भोजन, फल, पानी, मिठाई आदि शेयर किए, बच्चों ने खूब मस्ती की। इस दौरान

अधिराज, तेजस, हिमांशु, अक्षिता, कामना, आदित्य, प्रिंस, मुस्कान आदि बच्चों ने अत्यंत ही शिष्टाचार पूर्ण ढंग से भोजन किया। कक्षा एक से कक्षा 5 तक के विद्यार्थियों में अंग्रेजी हिंदी हस्त लेखन सुलेख प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें आरव, वंश, आयुषी, आकाश, अभि, राधिका, शिखा, नैतिक, आव्या, अक्षिता, अन्व, नित्या, सपना, अंशिका, रचित अभिनव प्रतीक पथ मितांशी समृद्ध आहिल, अयान, अनुष्का, रिजवा, आयुष पाल, मिष्ठी, शौर्य आदि छात्र छात्रा क्रमांश: प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिताएं एक्टिविटी इंचार्ज शारदा बावेजा के दिशा निर्देशन में कराई गई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य मीनू बत्रा एवं निर्देशक अखिलेश वार्ष्णेय ने बच्चों के अथक प्रयासों की सराहना की एवं सभी को उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

हार्टफुलनेस संस्था ने ग्रामीणों से की अपील बच्चों का शत-प्रतिशत कराएं नामांकन

सुनील कश्यप,शाह टाइम्स

उझानी।श्री राम चंद्र मिशन, हार्टफुलनेस संस्था और भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सयुंक्त तत्वाधान में ब्लॉक अम्बियापुर के ग्राम वरनी ढकपुरा में समापन दिवस पर प्रशिक्षक अनुज सक्सेना ने ध्यान अभ्यास सत्र के साथ साथ वायोचार के निर्माण और प्रयोग के लिए सभी को प्रेरित किया। ब्लॉक जगत के ग्राम नगला बरसु. निया स्थित संविलियन विद्यालय में एकात्म शिविर का समापन सत्र

प्रशिक्षक अशोक कुमार सिंह द्वारा संचालित किया गया। ब्लॉक जगत के ग्राम रायपुर में प्रशिक्षक नीरज कुमार द्वारा प्राथमिक विद्यालय में एकात्म अभियान शिविर का शुभारंभ किया। इसके अतिरिक्त प्रशिक्षक लाखन सिंह के नेतृत्व में ब्लॉक सालारपुर के ग्राम कासिमपुर, हुसैनपुर और दुगरैय्या के परिषदीय विद्यालयों में शिविर का शुभारंभ किया गया। सभी परिषदीय विद्यालय में छात्र छात्राओं, शिक्षक शिक्षिकाओं, एस एम सी सदस्यों, और अभिभावकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। लखन सिंह द्वारा ग्राम के सभी उपस्थित गणों को ध्यान सत्र को आयोजित करने के साथ साथ स्कूल चलो अभियान के अन्तर्गत विद्यालय को शत प्रतिशत नामांकन कराने के लिए भी प्रेरित करते हुए कहा कि सभी माता पिता का कर्तव्य है कि अपने बच्चों का समय से विद्यालय में दाखिला करायें। कार्यक्रम के सफल संचालन में स्वयंसेवक संजीव कुमार सिंह, नरेश पाल सिंह, अवनेश्वर सिंह आदि का विशेष सहयोग रहा।।

डीसीएम ने बाइक सवार दो लोगों को रौंदा,एक की मौत, एक घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

बिसौली। बुधवार देर शाम मुरादाबाद फर्रुखाबाद हाईवे पर थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के अंतर्गत सिसरका गांव के पास बाइक सवार दो लोगों को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है हम आपको बता दें कि जनपद बदायूं के थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव गनगोली निवासी जय किशन पुत्र जयपाल ,, जयप्रकाश पुत्र देवी राम दोनों एक ही बाइक पर सवार होकर औरछी चौराहे पर किसी काम से गए थे वापस लौटते वक्त मुरादाबाद फर्रुखाबाद हाईवे पर गांव सिसरका के समीप डीसीएम ने बाइक सवार दोनों लोगों को जोरदार टक्कर मार दी जिसमें दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना पर पहुंची एंबुलेंस 108 ने घायलों को बिसौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे लाकर भर्ती कराया जहां उपस्थित डॉक्टरों द्वारा जय किशन पुत्र जयपाल निवासी गनगोली थाना फैजगंज बेहटा को मृत घोषित कर दिया वहीं घायल जयप्रकाश के पैर में फ्रैक्चर होने से प्राथमिक उपचार कर बदायूं जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया वहीं घटना की सूचना पाकर घायल बा मृतक परिजन मौके पर आ पहुंचें जहां परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है ।

अधिकतर बंद ही रहता है शिक्षा के मंदिर गेट पर लटका रहता है ताला

अध्यापक समय से नहीं पहुंचते विद्यालय,अभिभावकों ने काटा हंगामा

शाह टाइम्स संवाददाता

कुंवर गांव । सालारपुर ब्लाक क्षेत्र के गांव काजीपुर के प्राथमिक विद्यालय की स्तिथि बहुत सी दयनीय है । जहां विद्यालय में प्रधानाध्यापक सहित चार लोगों का स्टाफ है जिसमें दो शिक्षामित्र व एक सहायक अध्यापक है कोई भी अध्यापक विद्यालय समय से नहीं पहुंचते हैं । ग्रामीणों के मुताबिक उनका विद्यालय पहुंचने का समय साढ़े आठ से लेकर साढ़े नौ बजे तक का है जबकि शासन से विद्यालय खुलने का समय सुबह आठ से दोपहर दो बजे तक नियमित है एक सप्ताह पहले साढे नौ बजे तक विद्यालय कोई स्टाफ नहीं पहुंचा और बच्चे स्कूल के अंदर भोजन शैड में बैग रखकर स्कूल परिसर में खेल रहे थे जहां अभिवावकों ने स्कूल पहुंचकर हंगामा काटा और अध्यापकों को फोन किया तब अध्यापक विद्यालय पहुंचे थे अभिवावकों का कहना है कि यह स्तिथि पहली बार की नहीं है हर रोज अध्यापक विद्यालय लेट आते हैं जिससे बच्चों की शिक्षा पर प्रभाव पड़ रहा है शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है । मंगलवार को भी आठ बजकर 24 मिनट तक विद्यालय के गेट पर ताला लटका रहा स्कूल के गेट पर ताला लगे होने के कारण बच्चे अपने घरों को लौट रहे थे । 8 बजकर 25 मिनट पर एक अध्यापक ने पहुंचकर विद्यालय के गेट का ताला खोला अभिवावकों ने अधिकारियों से शिकायत कर अध्यापकों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। इस संबंध में खंड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार का कहना है इस मामले में जांच कर कार्यवाही की जाएगी।

एक नजर

नि:शुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण प्राप्त करने के लिए करें आवेदन

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रणव कुमार पाठक ने सर्व साधारण को सूचित किया है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा ''कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना'' के अन्तर्गत जनपद के दिव्यांगजन को उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरण यथा-(ट्राईसाईकिल, व्हीलचेयर, बैशाखी, स्मार्ट केन, कान की मशीन, एम0आर0किट, लोप्रोसी किट इत्यादि) एवं कृत्रिम अंग (बनावटी हाथ पैर लगवाना, कैलीपर्स, जूता आदि) नि:शुल्क प्रदान किये जाते हैं। उन्होंने बताया कि दिव्यांगजन जिन्हें समान प्रयोजन व उपकरण के लिए भारत सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय निकाय से पिछले तीन वर्शों के दौरान लभान्वित नहीं किया गया हो, ऐसे दिव्यांगजन आवेदन करने के पात्र होंगे तथा किसी शैक्षणिक संस्थान के नियमित छात्रों के लिए यह सीमा एक वर्श की होगी। उन्होंने बताया कि पात्र दिव्यांगजन अपना आवेदन ऑनलाइन बेब पोर्टल www-divyangjanup-upsdc-gov-पद पर कर सकते हैं। आवेदन करने हेतु दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आय प्रमाण-पत्र (ग्रामीण क्षेत्र हेतु रू0-46080/- एवं शहरी क्षेत्र हेतु रू0-56460/- से अधिक न हो) आधार कार्ड, उपकरण/कृत्रिम अंग हेतु चिकित्साधिकारी की संस्तुति एवं एक रंगीन फोटो होना अनिवार्य है।

18 अप्रैल को मनाया जाएगा गुड फ्राइडे

कामिल खान,शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। अपर जिला मजिस्ट्रेट प्रशासन अरुण कुमार ने अवगत कराया है कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 18 अप्रैल 2025 को ईसाई समुदाय द्वारा गुड फ्राइडे का पर्व मानाया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि गुड फ्राइडे कि अवसर पर जनपद में स्थित सभी चर्चा व गिरजाघरों में मध्याहन 12.00 बजे से अपरान्ह 03.00 बजे तक विशेष प्रार्थना आयोजित की जायेगी तथा 20 अप्रैल 2025 ईस्टर सन्डे के दिन प्रात: 03.00 बजे से प्रात: 05.00 बजे तक प्रभात फेरियों निकाली जायेंगी। उन्होंने कि नगर मजिस्ट्रेट व समस्त उप जिला मजिस्ट्रेट्स को निर्देश दिए हैं कि इस पर्व के दृष्टिगत चर्चों व गिरजाघरों के आस-पास पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था तथा साफ-सफाई, पेयजलापूर्ति आदि की व्यवस्था कराना सुनिश्चित करें।

विज्ञापन के लिए संपर्क करें

कामिल खान ब्यूरो चीफ

दैनिक शाह टाइम्स समाचार पत्र बदायूं ब्रांच ऑफिस फैजगंज बेहटा वार्ड नंबर हेड ऑफिस रजी चौक ब्रह्मपुर बराबर रेक्स दवाखाना बदायूं खबरें व विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

संपर्क सूत्र - 7500110219, 9411827221

Email: mkkhan741@gmail-com

छुटभैया भाजपा नेता समेत छ: लोगों के खिलाफ एससी/एसटी व अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

कुंवर गांव। थाना कुंवर गांव क्षेत्र गांव बागरपुर में श्रवण जाति के लोगों ने एक दलित महिला को घर में घुसकर बाल पकड़ कर जमीन पर गिरा कर पीटा था । जिसकी शिकायत उसने थाना पुलिस से की थी लेकिन पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया जहां महिला ने मामले की शिकायत मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र लिखकर पोर्टल के माध्यम से की थी मुख्यमंत्री के आदेश पर गांव के छ: लोगों के खिलाफ एससी एसटी एक्ट सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ है । बागरपुर निवासी महिला लक्ष्मी पत्नी थम्मन लाल ने मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 3 अप्रैल को गांव के यादराम पुत्र जगन्नाथ ने एक फर्जी तरह से घटना बनाकर थाने में उसके पुत्र सुनील के खिलाफ चोरी की झूठी तहरीर दी थी जिसपर सुनील के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो गया थाना पुलिस सुनील को पकड़ कर थाने ले गई पुलिस को जब सच्चाई पता चली तो पुलिस ने सुनील को छोड़ दिया । लक्ष्मी का कहना है कि यादराम इस तरह से गांव में कई अन्य लोगों को झूठे मुकदमों में फंसा चुका है । दलित महिला विधवा व गरीब है उसके पति की मृत्यु पूर्व में हो चुकी है । घटना 11 अप्रेल शाम करीब 6 बजे की है दलित महिला अपने घर पर थी जहां तभी गांव के यादराम पुत्र जगन्नाथ, नवलदीप पुत्र सत्यवीर ,माधव पुत्र प्रतापभान, प्रखर पुत्र यादराम, सत्यवीर पुत्र जगन्नाथ व प्रतापभान पुत्र मोरध्वज आदि लोग लाठी डंडा लेकर घर पर चढ़ आए और सुनील को पकड़ कर पीटने लगे सुनील के शोर मचाने पर परिवार के लोगों ने मना किया तो सभी लोगों ने लक्ष्मी व परिवार की शकुंतला को बाल पकड़ कर जमीन पर गिराकर मारपीट की और जाति सूचक गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी । और सभी ने लक्ष्मी के कपड़े भी फाड़ दिए ।सभी लोग जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गये । दलित महिला अपने पुत्र सुनील के साथ थाने गई तो पुलिस ने रिपोर्ट नहीं लिखी क्योंकि यादराम का पुत्र शिवम खुद को एन एस जी का कमांडो बताकर बदायूं पुलिस पर दबाव बनाता है ।जिसके बाद लक्ष्मी ने मुख्यमंत्री को प्रार्थना लिखकर पोर्टल के माध्यम से शिकायत की । पुलिस ने मुख्यमंत्री के आदेश पर यादराम , सत्यवीर, माधव, नवलदीप, प्रतापभान, प्रखर के खिलाफ एससी एसटी एक्ट, मारपीट ,बलवा ,जान से मारने की धमकी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है । यादराम गांव में भाजपा का नेता है । मुकदमा लिखने के बाद सभी में हड़कंप मचा हुआ है ।

धारा 163 नौ जून तक रहेगी प्रभावी

कामिल खान,शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। अपर जिला मजिस्ट्रेट प्रशासन अरुण कुमार ने बताया कि अप्रैल से जून 2025 में चन्द्रशेखर जयन्ती, गुड फाईडे, ईस्टर सैटरडे, ईस्टर मण्डे, परशुराम जयन्ती, लोक नायक महाराणा प्रताप जयन्ती, बुद्ध पुर्णिमा, ज्येष्ठ अमावस्या, गंगा दशहरा, ईदुज्जुहा (बकरीद) आदि के त्यौहार मनाये जाने है। नीट-2025 प्रवेश परीक्षा, महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्व. विद्यालय परीक्षा भी प्रस्तावित है। कतिपय अराजक समाज विरोधी, शरारती, सम्प्रदायिक एवं आपराधिक प्रवृत्ति के तत्व समाज में साम्प्रदायिक, जातिगत, वर्गगत, विद्वेष तथा अफवाहें फैलाकर सामाजिक समरता, सदभाव व कानून एवं शान्ति व्यवस्था बिगाड़ने का सुनियोजित प्रयास कर सकते है। इसके दृष्टिगत सम्पूर्ण जनपद में 16 अप्रैल से 09 जून 2025 तक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 (पुरानी सी0आर0पी0सी0 1973 की धारा 144) प्रभावी रहेगी। इस आदेश की अवहेलना भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध होगा।

इच्छुक दम्पति कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी प्रणव कुमार पाठक ने सर्व साधारण को सूचित किया है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांगजन शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजनान्तर्गत दम्पत्ति में युवक के दिव्यांग होने पर रू0 15000/एवं युवती के दिव्यांग होने पर रू0 20000/एवं युवक, युवती दोनों के दिव्यांग होने पर रू0 35000/की धनराशि पुरस्कार स्वरूप उपलब्ध करायी जाती है। उन्होंने इसकी पात्रता के लिए बताया कि जिन दम्पत्तियों का विवाह वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं गत वित्तीय वर्ष 2024-25 (01 अप्रैल 2024 से अब तक) में सम्पन्न हुआ हो वह आवेदन करने के पात्र होगे। शादी के समय युवक की आयु 21 वर्ष से 45 वर्ष तथा युवती की आयु 18 वर्ष से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रदत्त दिव्यांगता प्रमाण पत्र 40 प्रतिशत या उससे अधिक। दम्पत्ति में कोई भी सदस्य आयकरदाता की श्रेणी में न हो। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के इच्छुक दम्पत्ति अपना ऑनलाइन आवेदन बेबसाइट http @ @divyangjan-upsdc-gov-पद पर तत्काल करें। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन फार्म भरते समय आवेदक को विभिन्न प्रकार के प्रपत्र अपलोड करना अनिवार्य होंगे जैसे दिव्यांगता प्रदर्शित करते हुए संयुक्त नवीनतम फोटो, सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत आय प्रमाण पत्र, आयु प्रमाण पत्र (जिसमें जन्मतिथि का अंकन हो), सक्षम अधिकारी से निर्गत दिव्यांगता प्रमाण पत्र। राष्ट्रीयकृत बैंक में दम्पत्ति का संयुक्त बैंक खाता आदि। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन किये गये आवेदन पत्र की हार्ड कापी संलग्नकों की फोटो प्रति सहित जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय कक्ष संख्या 103 विकास भवन बदायूँ में जमा करना होगा।

नवागत डीएम ने किया पदभार ग्रहण

कामिल खान,शाह टाइम्स ब्यूरो

बदायूं। जनपद बदायूं के नवागत जिलाधिकारी अवनीश कुमार राय ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर कोषागार में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि विकास योजनाओं को गति देना व आमजन की शिकायतों का प्राथमिकता पर निस्तारण सुनिश्चित कराना उनकी प्राथमिकता रहेगी। इससे पूर्व कलेक्ट्रेट आगमन पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। नवागत जिलाधिकारी अवनीश कुमार राय ने कहा कि भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति रहेगी। उन्होंने कहा कि वह आमजन व अधिकारियों, कर्मचारियों के लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने पदभार ग्रहण करने के उपरांत कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय कक्ष में अधिकारियों का परिचय लिया और उन्हें ईमानदारी व गंभीरता से अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा आमजन की शिकायतों का गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। जनपद गाजीपुर के मूल निवासी वर्ष 2014 के आईएएस अधिकारी जिलाधिकारी अवनीश कुमार राय ने इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग में बीटेक किया है। वह इससे पूर्व जनपद इटावा में जिलाधिकारी के पद पर थे। उन्होंने अपने सेवा काल में अयोध्या में सहायक मजिस्ट्रेट, फतेहपुर में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, श्रावस्ती में मुख्य विकास अधिकारी, झांसी में नगर आयुक्त नगर निगम के पद को भी सुशोभित किया है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार, एडीएम वित्त एवं राजस्व, एडीएम प्रशासन, एडीएम न्यायिक, मुख्य कोषाधिकारी गौरव चौधरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अमरोहा। कार्यालय में फोटोग्राफरों से हुई लूट का खुलासा करते पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द।

फोटोग्राफरों से हुई लूट का खुलासा

बाल अपचारी समेत चार बदमाश गिरफ्तार, माल बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

सैदनगली। तीन फोटोग्राफरों से हुई लूट का खुलासा करते पुलिस ने बाल अपचारी समेत तीन चार बदमाशों को गिरफ्तार कर लूट का खुलासा किया। उनके कब्जे से तीन लाख 50 हजार रूपये का माल बरामद हुआ है। एसपी ने लूट का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को 25 हजार रूपये का नकद पुरस्कार दिया है।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द ने लूट का खुलासा करते बताया कि 12 अप्रैल को तीरथ पुत्र देवकरन निवासी गांव श्यामपुरी, मुकेश पुत्र रामौतार निवासी गंगाचोली, विशाल, पुत्र महीपाल निवासी भैंसरोली व महावीर पुत्र चन्द्रभान निवासी डाकोवाली कोतवाली हसनपुर से बदमाशों ने दो बैग जिनमें एक ड्रोन कैमरा, डिजिल कैमरा, वीडियो कैमरा, दो मोबाइल लूट लिये थे। इस घटना को अंजाम मनजीत पुत्र अजयपाल निवासी गांव भीमा सुल्तानपुर, अभिषेक पुत्र सुरेन्द्र सिंह निवासी गांव सोहतगढ़ी, सचिन पुत्र बाबूराम निवासी गांव कासमपुर व एक बाल अपराची ने अंजाम दिया था। लूटे गये सामान की कुल कीमत लाखों में थी। एसपी ने घटना के खुलासे के लिए थाना पुलिस व एसओजी टीम को लगाया था। बुरावली रोड पर निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस वे पुल पर चैकिंग के दौरान टीम ने दो बाइकों पर सवार पांच व्यक्तियों को रोककर गिरफ्तार किया। जिनमें से एक छूटकर जंगल की ओर भाग गया। जब सख्ती से इनसे पूछताछ की गयी तो उन्होंने फोटोग्राफर से

खुलासा करने वाली पुलिस टीम को एसपी ने दिया 25 हजार का नकद पुरस्कार

हुई लूट को कुबूल किया। इनकी निशानदेही पर लूटा गया सामान भी बरामद कर लिया गया है। जबकि दो तमंचे, पांच जिंदा कारतूस, दो बाइकें भी बरामद हुई है। फरार अभियुक्त आदित्य पुत्र जितेन्द्र निवासी गांव सोहतगढ़ी थाना सैदनगली की तलाश की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम एसओ सैदनगली दिनेश कुमार शर्मा, दरोगा सतवीर सिंह, पवन कुमार, कांस्टेबिल अंकित मलिक, गौरव तोमर, हिलाल, विनय कुमार, शिवा जबकि एसओजी टीम में एसआई विजेन्द्र प्रभात मलिक, विकास सहरावत, गौरव शर्मा, वाजिद अली, अंकुर, कृष्णवीर, लवी चौधरी, राकेश, आशीष कुमार, कमल, विपिन कुमार शामिल थे। एसपी ने टीम को 25 हजार के पुरस्कार से सम्मानित किया।

एक ही परिवार के नौ लोगों को उम्रकैद

किसान की हत्या में तीन बाल अपचारियों को दस-दस साल की सजा

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। किसान की लाठी-डंडों और सरियों से पीटकर हत्या करने से जुड़ी वारदात में अदालत ने एक परिवार के नौ लोगों को उम्रकैद तो वहीं तीन बाल अपचारी को दस-दस साल कैद की सजा सुनाई। दोषियों पर 5.89 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया। वहीं, मारपीट के दूसरे मुकदमे में दूसरे परिवार से नौ लोगों को पांच-पांच साल कैद की सजा सुनाते हुए सभी पर 99 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया। सभी दोषी आपस में तहेरे-चचेरे भाई और रिश्तेदारों के अलावा उनके बच्चे हैं। मंगलवार को दोनों मुकदमों में अदालत ने 21 लोगों को दोषी ठहराते हुए न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया था।

डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव फराशपुरा की 9 जुलाई 2020 की है। यहां रहने वाले किसान बाबूराम का अपने सगे भतीजे बलवीर से रास्ते में दीवार को लेकर विवाद चल रहा था। घटना वाले दिन सुबह में बाबूराम अपने परिवार के लोगों के साथ घर में मौजूद थे। उसी दौरान भतीजे बलवीर ने अपने परिवार के लोगों और साथियों के साथ मिलकर उनके घर पर धावा बोल दिया था। लाठी-डंडों और सरियों से किए गए हमले में बाबूराम गंभीर घायल हो गए थे, मौके पर ही तड़पकर उनकी मौत हो गई थी।

मारपीट के दूसरे मामले में परिवार के नौ लोगों को पांच-पांच साल की कैद, 99 हजार का जुर्माना

आरोपियों ने किसान बाबूराम के बचाव में आए उमेश, रचना, रामचंद्र, राधेश्याम, सुमित्रा व शिवचंद की भी बेरहमी से पिटाई थी। झगड़े की सूचना पर गांव पहुंची पुलिस ने बमुश्किल बिगड़ते हालात संभालते हुए घायलों का अस्पताल में भर्ती कराया था, वहीं चीख-पुकार से गांव में हड़कंप मच गया था। परिजनों ने पुलिस को घेरते हुए जमकर हंगामा किया था। मामले में बाबूराम के बेटे राधेश्याम की तहरीर पर पुलिस ने पवन, चमन सिंह, उभन उर्फ विपुल, बलवीर, चंद्रपाल सिंह, मोहित, देवेंद्र, विकास, रोहित, सतीश, अजब सिंह, विनोद व कमलकांत समेत 16 लोगों के खिलाफ हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने बाद में इन सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर चालान कर दिया था। वहीं, हत्यारोपी बलवीर पक्ष की ओर से इस मामले में अदालत की शरण लेते हुए परिवाद दाखिल किया था। मामले में बाबूराम की ओर से उमेश सिंह, राजेश उर्फ राधेश्याम, दिनेश सिंह, दीपक, रचित, अमित, रामचंद्र, मोहित व शिवचंद्र को आरोपी बनाया गया था। केस की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट प्रथम हेमलता त्यागी की अदालत में चल रही थी। मंगलवार को अदालत ने किसान की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में मोहित, विकास, चमन, रोहित, उभन उर्फ विपुल, देवेंद्र, पवन, चंद्रपाल व बलवीर सिंह समेत 12 लोगों को दोषी माना था। इनमें तीन बाल अपचारी भी शामिल हैं वहीं बीमार होने के कारण अस्पताल में भर्ती हत्यारोपी चंद्रपाल सिंह अदालत में पेश नहीं हुआ था। वहीं, दूसरे पक्ष से मारपीट से जुड़े मामले में अदालत ने नौ लोगों में उमेश सिंह, राजेश उर्फ राधेश्याम, रचित, दिनेश सिंह, रामचंद्र, दीपक, शिवचंद्र, मोहित व अमित को दोषी करार दिया था। अदालत के आदेश पर सभी दोषियों को न्यायिक अभिरक्षा में लेते हुए जेल भेज दिया गया गया था। अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे विशेष लोक अभियोजक रतनलाल लोधी ने बताया कि गुरुवार को अदालत में सजा के प्रश्न सुनवाई हुई। किसान की पीट-पीटकर हत्या करने में दोषी विकास, चमन, पवन, उभन, चंद्रपाल सिंह, बलवीर सिंह, देवेंद्र, मोहित व रोहित को उम्रकैद की सजा सुनाते हुए 5.89 लाख का अर्थदंड लगाया। जबकि, हत्या के अभियोग में तीन बाल अपचारी को दस-दस साल कैद की सजा सुनाते हुए 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। वहीं, दूसरे पक्ष से मारपीट के मामले में राजेश उर्फ राधेश्याम, उमेश, दिनेश सिंह, रचित, दीपक, रामचंद्र, शिवचंद्र, मोहित व अमित को पांच-पांच साल की कैद व कुल 99 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई

समलैगिंग संबंध बनाने वाले अधेड़ को दौड़ाकर पीटा

मौहल्ले के लोगों ने रंगेहाथ पकड़ा, गंभीर हालत में मुरादाबाद भर्ती

शाह टाइम्स संवाददाता

नौगांवा सादात। युवकों के साथ समलैगिंग संबंध बनाने वाले अधेड़ को भीड़ ने पीट पीटकर अधमरा कर दिया। जिसे गंभीर हालत में मुरादाबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बुधवार रात की यह घटना नौगावां सादात बस्ती के एक मोहल्ले की है। बताया जा रहा है कि यहां रहने वाले एक अधेड़ की हरकतें शुरू से गलत रही हैं। वह युवकों को अपने साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए उकसाता है, उनके साथ अश्लील हरकतें करता हैं। जिसके चलते वह पूरी बस्ती में बदनाम है। उसकी इन्हीं हरकतों को लेकर मोहल्ले में कई बार हंगामा भी हो चुका है। अब बुधवार रात उसने बहाने से मोहल्ले के रहने वाले एक युवक को अपने घर में बुला लिया और उसके साथ आपत्तिजनक हरकतें करने लगा। इस बात की भनक लगने पर मोहल्ले के लोग उसके घर के बाहर जमा हो गए। उन्होंने घर के भीतर घुसकर दोनों को आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया। लोगों ने युवक को वहां से भगा दिया लेकिन बाद में अधेड़ की जमकर पिटाई कर अपना गुस्सा निकाला। घर से खींचते हुए बाहर ले आए और फिर सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटकर अधमरा कर दिया। जानकारी मिलने पर पहुंचे परिजनों ने घायल अधेड़ को अमरो. हा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया लेकिन हालत गंभीर देखते हुए डाक्टर ने प्राथमिक उपचार देकर रेफर कर दिया। इसके बाद देर रात में परिजनों ने अधेड़ को मुरादाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती कराया

ढोलक कारखाने में आग से लाखों का माल जला

शार्ट सर्किट से हुआ हादसा

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। ढोलक कारखाने में शार्ट सर्किट से लगी आग के कारण लाखों रूपये का माल जलकर राख हो गया। सूचना देने के बाद भी समय पर फायर बिग्रेड की गाड़ी नहीं पहुंची। मुश्किल से आग पर काबू पाया गया।

शहर के मोहल्ला तकिया मोतीशाह में मोहम्मद कासिम का परिवार रहता है। उनके बेटे मोहम्मद आशिक का मोहल्ले में ही कारखाना है। जिसमें ढोलक तैयार की जाती हैं। बुधवार रात कारीगर रोजाना की तरह कारखाना बंद कर घर चले गए थे। करीब नौ बजे अचानक हुए शार्ट सर्किट से निकली चिंगारी से कारखाने में आग लग गई। जिसने देखते ही देखते कारखाने का अपनी चपेट में लिया और पूरा परिसर लपटों में घिर गया। सूचना मिलते ही आशिक परिजनों और रिश्तेदरों को लेकर मौके पर पहुंचे, स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया गया लेकिन भीतर रखी लकड़ी और बुरादा होने के कारण लपटों के भड़कने के साथ मोहल्ले में भगदड़ के हालात बन गए। सूचना देने के बावजूद देर से पहुंची दमकल टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से बमुश्किल आग पर काबू पाया लेकिन तब तक कारखाने के भीतर रखीं बनी-अधबनी ढोलके और अन्य कच्चा-पक्का माल जलकर राख हो चुका था। अग्निकांड में लाखों रुपयों का नुकसान होने की बात कही जा रही है।

अमरोहा। कलेक्ट्रेट में भाकियू के धरने को संबोधित करते राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी।

फसल और नसल पर वार कर रही भाजपा

भाकियू किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आंदोलन को चेताया

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। भाकियू संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार फसल व नस्ल पर चोट पहुंचा रही है। यदि किसानों का उत्पीड़न बंद नहीं किया गया तो बड़ा आंदोलन शुरू किया जायेगा।

कलेक्ट्रेट में राहुल सिद्धू के नेतृत्व में भाकियू किसान मोर्चा की पंचायत हुई। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार किसानों को धान की फसल नहीं बोने दे रही। यदि कोई किसान इसे लगाता है तो वह उसे बर्बाद कर रही है। सरकार पूरी तरह हिटलरशाही पर उतारू है। यदि इस पर रोक नहीं लगी तो किसान बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे। प्राइवेट स्कूल संचालक अभिभावकों से अवैध वसूली कर रहे हैं और प्रशासन खामोश है। दिल्ली से अमरोहा आने वाली डग्गामार बसों में कर चोरी का सामान लाया जा रहा है। चकबंदी विभाग किसानों का शोषण कर रहा है जबकि गन्ने का भुगतान समय पर नहीं किया जा रहा। पंचायत में विजयवीर सिंह, अरूण सिद्धू, सीपी सिंह, ओपी सिंह, नरेन्द्र चौहान, मयंक, कामिल चौधरी देवेन्द्र सिंह, अमित चीमा, विकास चौधरी, नितिन, सलीम, इकबाल, संज्ञा, पाटिल चौधरी मौजूद रहे।

बिजली न मिलने से खफा लोगों ने किया प्रदर्शन

नगर के मोहल्ला जलालनगर का मामला

शाह टाइम्स संवाददाता

गजरौला। नगर के मोहल्ला जलालनगर के लोगों ने बिजली न मिलने पर रोष जाहिर करते हुए प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि पिछले काफी समय से बिजली की मांग की जा रही है पर मांग पूरी न हो रही। गुरुवार को दुपहर 01 बजे मोहल्लेवासी इकट्ठा हुए और उन्होंने बिजली आपूर्ति चालू करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि सात साल से यहां पर परिवार के साथ रहते हैं, लेकिन अभी तक बिजली विभाग ने बिजली आपूर्ति नहीं दी है। जिसकी वजह से भीषण गर्मी में काफी दिक्कत और परेशानी होती है। वहीं इस संबंध में गजरौला अधिशासी अधिकारी नीरज कुमार ने बताया है कि जिन कॉलोनी को प्रॉपर्टी डीलर ने काटा है, उन कॉलोनीयो में बिजली आपूर्ति बिना एस्टीमेट जमा किए नहीं दी जाती है, लेकिन फिर भी शिकायत मिलने पर जांच कराई जाएगी। इस अवसर पर सभासद सरताज अहमद उर्फ कलुआ, मोहम्मद नौशाद शेख, दिलशाद हुसैन, शमशाद अली, आजम अली, शरद, राहुल, महेश शर्मा, भज्जन, इरशाद आदि मौजूद रहे।

मनरेगा की मजदूरी व रोजगार सेवकों को सात माह से मानदेय नहीं

शाह टाइम्स संवाददाता,

गजरौला। ग्राम रोजगार सेवक संगठन की बैठक में मनरेगा मजदूरों की पिछले 05 माह की मजदूरी और रोजगार सेवकों का पिछले सात 07 माह का मानदेय प्राप्त न होने पर रोष व्यक्त किया गया, साथ ही समस्या के निवारण के लिये खण्ड विकास अधिकारी को संबोधित ज्ञापन भी सौंपा गया। बैठक को संबोधित करते हुए ब्लॉकाध्यक्ष भगत सिंह कश्यप ने कहा कि पिछले 05 माह से मनरेगा मजदूरों का मानदेय न मिलने के कारण मजदूर काम पर आने में भी आनीकानी कर रहे हैं, इस कारण पंचायतों में मनरेगा का कार्य भी प्रभावित हो रहा है। इसी के साथ ही उन्होंने रोजगार सेवकों का पिछले 07 माह का मानदेय न मिलने पर भी रोष व्यक्त किया गया। कहा कि मानदेय न मिलने के कारण रोजगार सेवकों के सामने परिवार के लालन पालन की समस्या हो रही है। वे अपने बच्चों की फीस आदि भी जमा नहीं कर पा रहे हैं तो वहीं अन्य जनजीवन की आवश्यकता पूरी करने में भी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। बैठक के बाद खंड विकास अधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपकर समस्या के निदान की मांग की गई। इस मौके पर ब्लॉक महामंत्री आस मौहम्मद, राकेश कुमार, सोनम, अनिल कुमार, जगत सिंह, गोविंद कुमार, सिकंदर सिंह, धनेश कुमार आदि मौजूद रहे।

रोजगार सेवक संगठन की बैठक करके सौंपा ज्ञापन

सच्चिदानंद महाराज के निधन पर शोक

शाह टाइम्स संवाददाता

रहरा। संक्रमिक बीमारी से जूझ रहे सच्चिदानंद सरस्वती महाराज का निधन हो गया। जिससे उनके अनुयायियों में शोक की लहर दौड़ गयी। अन्तिम दर्शन के लिए भीड़ उमड़ रही। लोगों ने उन्हें भावभिनी श्रद्धांजलि भी दी। आश्रम प्रांगण में ही महाराज को समाधि दी गयी।

गांव चंदनपुर स्थित बाबा प्रेमदास आश्रम हनुमान कुटी में सच्चिदानंद महाराज रहते थे। वह काफी समय से संक्रमिक बीमारी से पीड़ित थे। बुधवार की रात करीब एक बजे महाराज ने अन्तिम सांस ली। गुरूवार को दोपहर दो बजे आश्रम प्रांगण में महाराज को समाधि दी गयी।

पत्नी को तलाश करने की गुहार

शाह टाइम्स ब्यूरो

जोया। युवक की पत्नी बिना बताए घर से चली गयी। पति ने रिपोर्ट दर्ज कर उसे बरामद करने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार अजय पुत्र राजेश सिंह निवासी डिडौली ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उसकी पत्नी 15 अप्रैल को रात्रि के समय बिना किसी को कुछ बताए घर से चली गयी। कई जगह उसे तलाश किया गया परन्तु अभी तक उसका कोई सुराग नही लगा है। पीड़ित ने पत्नी को बरामद करने की गुहार लगायी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी है। उधर महिला के गायब होने से परिजन परेशान है तथा वह रिश्तेदा. रियों में भी उसकी तलाश कर रहे हैं।

लड़कियों के डांस का दूसरा वीडियो हुआ वायरल, जांच में जुटी पुलिस

अम्बेडकर जयंती के कार्यक्रम में अश्लील डांस

शाह टाइम्स संवाददाता

मंडी धनौरा। अंबेडकर जयंती के नाम पर आयोजित कार्यक्रम में अश्ल. ेलता का दूसरा वीडियो सामने आया है, जिसने एक बार फिर सवालों के घेरे में आयोजकों को लाकर खड़ा किया है। ताजा वायरल वीडियो में मंच पर लड़कियां अश्लील डांस करती दिखाई दे रही हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जिस मंच पर यह कार्यक्रम हो रहा है इससे पहले मंडी धनौरा थाना क्षेत्र के गांव शेरपुर से ऐसा ही एक वीडियो सामने आया था, जिसमें संस्कृति कार्यक्रम की आड़ में लड़कियों से डांस कराया गया। वीडियो वायरल होने के बावजूद पुलिस प्रशासन ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। ताजा मामला गुरुवार को सामने आया है, जहां अखिल भारतीय अंबेडकर युवा संघ द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा में मंच पर ठुमकों का माहौल बना रहा। यह वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे स्थानीय लोगों और बुद्धिजीवियों में नाराजगी देखने को मिल रही है। अब सवाल यह उठ रहा है कि श्रद्धांजलि सभाओं के नाम पर यह फूहड़ता कब तक बर्दाश्त की जाएगी और क्या प्रशासन ऐसे आयोजनों पर सख्ती से रोक लगाएगा। थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने वायरल वीडियो की जांच की बात कही।

भाजपा के पिंजरे मे ईडी सीबीआई कैद: धर्मेन्द्र देव गुप्ता

सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई से कांग्रेसियों मे उबाल

■ काली पट्टी और हाथों मे तख्तियां लेकर किया विरोध प्रदर्शन

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। कांग्रेस नेताओं ने धमोरा मे कांग्रेस के कैम्प कार्यालय के बाहर ईडी और सीबीआई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

कांग्रेस नेताओं ने सीने पर काली पट्टी बाँधकर और हाथों में तख्तियां लेकर ईडी और सीबीआई के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मोदी सरकार के इस्तीफे की माँग की। पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र देव गुप्ता ने कहा ईडी की इस बोगस चार्जशीट ने एक बार फिर साबित कर दिया कि नरेंद्र मोदी डरपोक हैं वो डरते हैं राहुल गांधी और सोनिया गांधी की हिम्मत, उनके सच, उनके हौसले और उनकी न्यायप्रियता से, मोदी सरकार के 12 साल से चल रहे इस फर्जी केस में एक चार्जशीट दाखिल करके आप क्या हासिल कर लेंगे, वो और लोग होते हैं जो आपकी गीदड़ धमकियों से डर जाते होंगे। यह गांधी हैं शेर के कलेजे वाले लोग जो इस देश के लिए, लोगों के हक के लिए आपकी विफलताओं और पूँजीपतियों के साथ आपकी साठ-गाँठ की कलई लगातार खोलते रहेंगे। आपकी घिनौनी बदले की राजनीति ने इस देश का बहुत नुकसान किया है लेकिन आप ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स को हथियार बनाके जो इस देश के विपक्ष खासतौर से कांग्रेस के खिलाफ षड्यंत्र कर रहे हैं वो देश का हर नागरिक जानता है। मनी लाउंड्री का चार्ज एक ऐसे केस में लगा है जहाँ पर एक पैसा का लेनदेन नहीं हुआ, कोई प्रॉपर्टी ट्रांसफर नहीं हुई, किसी की कोई आमदनी नहीं होगी, कोई डिविडेंड नहीं होगा क्योंकि यह सेक्शन 25 की एक नोट फॉर प्रॉफिट कंपनी का मामला है यह आपका नैतिक और दिमागी दिवालियापन दिखाता है। और साथ में आपका डर भी इस देश का प्रधानमंत्री डरता है, बहुत डरता है। इस मौके पर नोमान खां, महेंद्रपाल यदुवंशी, हसीब खां, दामोदर सिँह गंगवार, चमन शाह, रईस अल्वी, नसरुद्दीन, सोनू लोधी, नाजिम सैफी, राजेश मौर्य, शंभू अरुण गंगवार, फरहान खां,रेहान खान, डॉक्टर तस्लीम खान, राज. कुमार लोधी, भारत सिंह कश्यप, करन सिंह यादव, टेकचंद यादव, बादाम सिंह लोधी, अनवर खां, अनिल लोधी, रामकुमार लोधी, शमशेर अली, अली रजा, जयवीर सिँह, आदि मौजूद रहे

जल संरक्षण के लिए जनपद की विभिन्न ग्राम पंचायतों की 15 नदी, तालाब और नालों का किया जा रहा जीर्णोद्धार

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। गर्मी के मौसम में जल संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्षा जल का संग्रहण और भूजल स्तर को बढ़ाना जल की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी उद्देश्य से जनपद की विभिन्न ग्राम पंचायतों में मनरेगा एवं कन्वर्जेंस के माध्यम से 15 नदी, झील, तालाबों और नालों की खुदाई व जीर्णोद्धार के कार्य कराये जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त अन्य ग्राम पंचायत में भी जल संरक्षण के लिए आवश्यक कार्य कराए जाने हेतु भूमि को चिंहित किया जा रहा है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए मुख्य विकास अधिकारी नंदकिशोर कलाल ने बताया कि विकास खंड स्वार में 04, शाहबाद में 03, बिलासपुर में 02, सैदनगर में 05 तथा विकास खंड मिलक में 01 नदी, झील व तालाबों को चिन्हित कर उनकी खुदाई व जीर्णोद्धार का कार्य कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विकास खंड मिलक में विलुप्त हो रही नाहल नदी के पुनर्जीवित/जीर्णोद्धार का भी कार्य कराया जा रहा है। नहर नदी विकासखंड मिलक की ग्राम पंचायत नगला उदई से निकलकर करीब 28 गांवों से होकर जाने वाली लगभग 30 किमी० लम्बी नदी है, जो मीरगंज (बरेली) में खण्डिया नदी में जाकर मिलती है। वर्तमान में विलुप्त हो चुकी इस नदी की भूमि पर ग्रामीणों द्वारा

अतिक्रमण कर लिया गया था, जिसे कब्जा मुक्त कराते हुए नदी को पुनर्जीवित किया जा रहा है। इसी प्रकार विकास खण्ड सैदनगर की ग्राम पंचायत पाईन्दानगर में जल संचयन हेतु रिचार्ज सॉफ्ट एवं चौगजा नाले का जीर्णोद्धार का कार्य कराया जा रहा है। इसमें 16 रिचार्ज शाफ्ट वैल का निर्माण कराया जा रहा है, जिसमें से 10 रिचार्ज शाफ्ट वैल का कार्य पूर्ण होने की स्थिति में है तथा अन्य पर कार्य प्रगति पर है। ग्राम पंचायत नगला गणेश में जुल्फेकार के खेत के पास 04 बीघा तालाब का जीर्णोद्वार कार्य कराया जा रहा है, जिसमें आस-पास के कुछ ग्रामवा. सियों द्वारा कूड़ा डालकर अवैध कब्जा कर लिया था, जिससे तालाब के आस-पास गन्दगी थी। तालाब निर्माण से जल संचयन एवं जल संरक्षण के साथ-साथ भू-गर्भ जल का स्तर भी बढ़ेगा। इसके अतिरिक्त विकास खण्ड स्वार की ग्राम पंचायत जालपुर एवं लाम्बाखेड़ा में 01 हे. से अधिक भूमि पर तालाब खुदाई का कार्य कराया जा रहा है। ग्राम पंचायत हसनपुर उत्तरी, लाडपुर सेमरा, खुशहालपुर, हमीरपुर उत्तरी, मानपुर उत्तरी ग्राम पंचायतों से गुजरने वाली नईया नदी के जीर्णोद्वार/ खुदाई किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी जोगिन्दर सिंह के निर्देशन में विकास खण्ड शाहबाद की ग्राम पंचायत अनवा में और हिम्मतपुर में तालाब खुदान/जीर्णोद्धार का कार्य मनरेगा/ग्राम निधि योजनान्तर्गत कराया जा रहा है। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत नादरगंज में गाआ सं. 121ए 255ए 375 एवं खंजीपुरा में गाटा सं. 192 पर नदी/नाला खुदान कार्य मनरेगा योजनान्तर्गत कराया जा रहा है। जिसकी कुल लम्बाई लगभग 4 किमी. है, जिस पर प्रत्येक 200 मी. पर जल संचयन हेतु मनरेगा से रिचार्ज सॉफ्ट बनाये गये हैं। इस कार्य से आगामी वर्षा काल के दौरान जल संचयन एवं जल संरक्षण किया जायेगा। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि इस कार्य से एक ओर बाढ़ के पानी से ग्राम पंचायतों को बचाया जायेगा, वहीं दूसरी ओर वर्षा जल का उचित प्रबंधन कर रिचार्ज सॉफ्ट के माध्यम से जल स्तर को बढ़ाने का कार्य किया जायेगा।

लघु उद्योग भारती की कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक आयोजित

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। 16 अप्रैल को ओपल होटल में लघु उद्योग भारती की कार्यकारिणी सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में 25 अप्रैल को होने वाली 31वीं वर्षगांठ और इकाई रामपुर के विस्थापन समारोह की रूपरेखा तैयार की गई। संगठन के अध्यक्ष दीपक गोयल ने सभी सदस्यों को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए निवेदन किया। उन्होंने कहा कि सभी सदस्य कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लें और इसे सफल बनाने में अपना योगदान दें। 25 अप्रैल को होने वाले इस कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती की 31वीं वर्षगांठ और इकाई रामपुर के विस्थापन समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह

कार्यक्रम संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा और इसमें शामिल होने वाले सभी सदस्यों के लिए एक यादगार अनुभव होगा। बैठक में संगठन के वरिष्ठ मार्गदर्शक और सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें एसके गुप्ता, नीरज अग्रवाल, विपिन गुप्ता, वीरेंद्र जिंदल, अमित कपूर, सरदार हरी. जंदर सिंह, प्रदीप गुप्ता, विकास दीक्षित, विपुल गुप्ता, दीपक जिंदल, सरदार गुरमुख सिंह, सुमित अग्रवाल, तरुण अग्रवाल, अमित अग्रवाल, निखिल गर्ग, सत्यम गोयल, सचिव शलभ गोयल और कोषाध्यक्ष हरीश गोयल प्रमुख थे।

डा.चन्द्रप्रकाश शर्मा भारत रत्न गौरव सम्मान से पुरस्कृत

शाह टाइम्स ब्यूरो

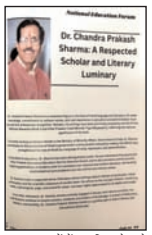

रामपुर। देश की नामचीन हस्तियों के बीच डा. चन्द्रप्रकाश शर्मा को भारत की राजधानी दिल्ली के कोन्शटीटूयशन क्लब आफ इंडिया के सभागार में हिन्दी भाषा में उनके उत्कृष्ट लेखन व साहित्य के क्षेत्र में उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के दृष्टिगत कलकत्ता की प्रख्यात संस्था नेशनल एजूकेशन फोरम द्वारा तालियों की गड़गड़ाहट के बीच वरिष्ठ आईएएस ज्योति कलश व संस्था की ज्वाइंट सेक्रेटरी डॉ . गीतांजलि मुखर्जी द्वारा भारत रत्न गौरव सम्मान-2025 देकर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर डॉ.चन्द्र को पटका पहनाकर भारत गौरव सम्मान का बैज लगाकर

मैडल व गोल्डन कलर के वेलन रुपी खोल में प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिक्षा, साहित्य व विविध क्षेत्रों की महान विभूतियों के बीच डा.चन्द्रप्रकाश शर्मा का परिचय कराते हुए बताया गया कि आपके 200 से अधिक सम्पादकीय आलेख प्रतिष्ठित

समाचार-पत्रों में प्रकाशित हो चुके हैं और एक लेख की प्रशंसा देश के प्रधानमंत्री मोदी और उ.प्र.के मुख्यमंत्री योगी ने भी की है। 1992 से सतत् आकाशवाणी से आपकी वार्ताए प्रसारित हो रहीं हैं। आप दूरदर्शन कवि और शोध लेखक हैं डॉ.चन्द्र अपने लेखों में आध्यात्मिकता व भारतीय दर्शन को वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ सरल भाषा में स्पष्टता के साथ विवेचित करते हैं जो उनके लेखों का वैशिष्ट्य है।

नेशनल एजूकेशन फोरम की पत्रिका बियान्ड दी क्लासरूम्स: अनटोल्ड स्टोरीज के पृष्ठ 64 पर आपकी विशेषताओं, गुणों व क्षमताओं का फोटो सहित विशद वर्णन किया गया है जो डॉ.चन्द्र को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाता है।

सेवानिवृत शिक्षकों के अनुभवों से लाभ उठाएं : मुन्ने

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। जिला विद्यालय निरीक्षक मुन्ने अली ने कहा कि एक शिक्षक कभी रिटायर नहीं होता। उन्होंने कहा कि हमें सेवानिवृत शिक्षकों के अनुभवों से लाभ उठाना चाहिए। गुरुवार को वह सेवानिवृत हुए शिक्षकों के सम्मान में आयोजित विदाई समारोह में बोल रहे थे।

इस दौरान सेवानिवृत हुए शिक्षकों को शॉल ओढ़ाकर एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। गुरुवार को राजकीय मुर्तजा इंटर कॉलेज में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते जिला विद्यालय निरीक्षक ने कहा कि शिक्षकों पर समाज को दिशा देने एवं शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। वे बालकों में मालवीय मूल्यों का विकास करने का काम करते हैं। बड़ों का आदर करना सिखाते हैं। बच्चों में छुपी प्रतिभाओं को बाहर निकालने का काम करते हैं। बच्चों के सर्वांगीण विकास में

अपनी महती भूमिका निभाते हैं। शिक्षक समाज को एक दिशा देने का कार्य करते हैं। एक पढ़े लिखे समाज का निर्माण करने का काम भी शिक्षक करते हैं। इस दौरान उन्होंने सेवानिवृत हुए शिक्षकों के अनुभवों से लाभ उठाने का आह्वान किया। मुख्यालय बीइओ स्वदीप कनौजिया ने कहा कि शिक्षक देश के भविष्य का निर्माण करने का काम करते हैं।

सैदनगर ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी मदन लाल वर्मा ने कहा कि सेवानिवृत हुए शिक्षकों ने समाज में जो शिक्षा की अलख जगाई है। उसे बहुत रोकना नहीं हैं, बल्कि बहुत आगे ले जाना है। इस दौरान सेवानिवृत हुए सैदनगर ब्लॉक के कंपोजिट स्कूल खिमोतिया बख्ती के शिक्षक सदीद अहमद, कंपोजिट विद्यालय पैगा की प्रधानाध्यापिका सरिता देवी, प्राथमिक विद्यालय मुरसैना की शिक्षक रुखसाना परवीन, काशीपुर आंगा की शिक्षक शबाना परवीन एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय केसरपुर प्रधानाध्यापक आमिर खां को शॉल ओढ़ाकर एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उनके उज्ज्वल भविष्य एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना की गई। कार्यक्रम को कॉलेज प्रधानाचार्य योगेंद्र पाल सिंह, डा. केदारनाथ, सिद्दीक अहमद, लेखा अधिकारी विकास खंडेलवाल, अनीसा लतीफ, जिलामंत्री चरन सिंह ने संबोधित किया। इस अवसर पर मौलाना रहमत अली, राम बहादुर सिंह, मोहम्मद मुस्तफा, अरशद अली, मो. अकरम, अमर पाल सिंह, शबनम आरा, शमा परवीन, सुषमा तोमर, आलिया, सीमा गौहर, वैशाली गुप्ता, शबीना मंसूरी, आसमा परवीन मौजूद रहे। संचालन डा. सरफराज अहमद ने किया।

मुख्यमंत्री गन्ना कृषक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनर के प्रशिक्षण सत्र का हुआ समापन

मास्टर ट्रेनर किसानों को प्रशिक्षण देने के लिए तैयार

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। शासन की मंशा व गन्ना आयुक्त के निर्देशन में मुख्यमंत्री गन्ना कृषक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन जनपद रामपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र धमौरा में किया गया।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण सत्र के समापन दिवस पर कृषि विज्ञान केंद्र धमोरा के वैज्ञानिक नरेंद्र सिंह द्वारा गन्ना की प्राकृतिक खेती ऑर्गेनिक खेती व गन्ने में विभिन्न रोग व कीटों से बचाव व उन रोग व कीटों की पहचान के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक जितेंद्र कुमार यादव द्वारा पेड़ी प्रबंधन स्टेबल सेविंग मल्चिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र में प्रशिक्षण की दक्षता व अभिव्यक्ति की क्षमता के आधार पर मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षित किया गया, जिससे कृषकों को उनके द्वारा

तकनीकी ज्ञान का बेहतर लाभ दिलाया जा सके और किसानों की आमदनी व उत्पादकता को बढ़ाया जा सके। जिलाधिकारी जोगिन्दर सिंह की प्रेरणा और मार्गदर्शन में जिला गन्ना अधिकारी शैलेश कुमार द्वारा मास्टर ट्रेनर को न्याय पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण देने हेतु व प्रगतिशील कृषकों के परिक्षेत्र पर भ्रमण कराकर गन्ना क्षेत्रफल व उत्पादन बढ़ाने हेतु निर्देशित किया गया।

नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग सख्त

बिना रूट परमिट वाहन संचालन करने व क्षमता से अधिक यात्री बैठने पर 04 बस सीज, वाहन टैक्स जमा न करने वाली 02 बसों पर चालान की कार्रवाई

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। आमजनमानस की सुविधा, सुरक्षा व सुगमता के लिए जनपद रामपुर में परिवहन विभाग व यातायात पुलिस की टीम द्वारा लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई कर जा रही है।

वरिष्ठ सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी राजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह के निर्देश पर परिवहन व पुलिस विभाग ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ सख्ती बरती है।

उन्होंने बताया कि गुरुवार सुबह 3:30 बजे शाहबाद से सैफनी, बिलारी होते हुए दिल्ली जाने वाले रास्ते पर रूट परमिट के विरुद्ध बस का संचालन करने और क्षमता से अधिक यात्री बस में बैठाने पर कार्रवाई की गयी, जिसके अंतर्गत 04 बसों को मंडी व राणा शुगर मिल में सीज किया गया।

इसके अतिरिक्त उन्होंने बताया कि वाहन टैक्स जमा न करने वाली 02 बसों पर चालान की कार्रवाई की गयी। एआरटीओ ने वाहन स्वामियों से स्पष्ट रूप से कहा है कि जिनके वाहन का टैक्स बकाया है तत्काल

जमा कर दें, ताकि वाहन चालान और सीज की कार्रवाई से बच सकें। एआरटीओ ने बताया कि वाहन स्वामी नियमानुसार अपने वाहन की फिटनेश आदि समय से कराना चाहिए और टैक्स भी जमा कर देना चाहिए। ऐसा करने से वाहन स्वामी विभागीय कार्यवाहियों से मुक्त रहेंगे। उन्होंने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा और टैक्स जमा न करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई जारी रहेगी।

जो भी वाहन टैक्स बकाया या बिना फिटनेस के चलते हुए पाये जायेंगे, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

ओरल हेल्थ जागरूकता कार्यक्रम के लिए विशेष कैंप का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। राष्ट्रीय ओरल हेल्थ कार्यक्रम के अंतर्गत मनाए जा रहे विशेष पखवाड़े में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसपी सिंह के दिशा निर्देशन में तथा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.डी. के. वर्मा की अध्यक्षता में जिला चिकित्सालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सबसे पहले ओरल हेल्थ जागरूकता कार्यक्रम के लिए एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में जिला चिकित्सालय में आने वाले रोगियों व तामारदारों को मुंह की स्वच्छता एवं देखभाल के बारे में जागरूक किया गया तथा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अस्पताल के समस्त डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ एवं अन्य लोगों को मुंह की स्वच्छता एवं जन जागरूकता के लिए शपथ दिलाई गयी। इस दौरान डॉ. जितेंद्र सिंह, डॉ. शहजाद हसन खान एवं डॉ. हिबा मौजूद रहे। जिलाधिकारी जोगिन्दर सिंह के निर्देश पर डॉ. शहजाद हसन खान जिला सलाहकार तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ द्वारा कोटपा अधिनियम के अनुपालन में जिला कलेक्ट्रेट में एक अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व सिटी मजिस्ट्रेट संदीप कुमार वर्मा द्वारा किया गया। इस अभियान में कलेक्ट्रेट परिसर में बीड़ी, सिगरेट पीने वालों पर जुर्माना किया गया। कलेक्ट परिसर में कुल 17 लोग तंबाकू उत्पाद का सेवन करते हुए पाए गए, जिनसे कुल 1230 रुपए का जुर्माना वसूला गया तथा तंबा. कू संबंधी रोगों के बारे में जानकारी दी गयी और तम्बाकू छोड़ने के उपाय भी बताए गये।

नफर वारंटी को गिरफ्तार किया

शाह टाइम्स संवाददाता

स्वार/रामपुर। पुलिस ने छापामार कार्यवाही करते हुए 1 वारंटी को गिरफ्तार कर सम्बंधित मुकदमे में विविध कार्यवाही की गई।

पुलिस अधीक्षक के आदेश पर बुधवार की रात्रि कोतवाली प्रभारी कुलदीप सिंह के निर्देश पर पुलिस द्वारा अपराधियों की धरपकड़ को लेकर चलाए गए अभियान के अंतर्गत पुलिस ने कार्यवाही करते हुए 1 वारंटी जाकिर पुत्र इसरार हुसैन निवासी मुकरम पुर को उसके मसकन से गिरफ्तार कर सम्बंधित मुकदमे में विविध कार्यवाही की गई।

गिरफ्तार करने वाली टीम में उ.नि. जितेंद्र कुमार, का.धर्मेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाई गई चंदपुरा कदीम में अम्बेडकर जयंती

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। ग्राम चंदपुरा कदीम में बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की 134 वी जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। झांकी की शुरुआत बाबा साहिब डॉ भीमराव अंबेडकर पार्क पर पूर्व प्रधान प्रत्याशी पति राम बहादुर द्वारा फीता काटकर शुभारंभ किया।

इस झांकी में समस्त ग्राम वासी वा आसपास के लोग उपस्थित रहे यह झांकी को ग्राम वासियो ने जल पान वा जगह जगह मिस्ठान वितरण स्वागत किया गया ग्राम के रास्तो से होकर झांकी डॉ .भीमराव अंबेडकर पार्क पर समाप्त हुई इस झांकी में हिन्दू मुस्लिम सभी लोग शामिल थे।

इस झांकी में बीएसपी के राम माधव सिंह सागर, पूर्व प्रधान पति अय्यूब खान, विजेन्द्र सिंह, हजारी लाल, भारत सिंह, धीरेन्द्र, आयुष कुमार, कविता देवी, कैलाश व समस्त ग्राम वासी उपस्थित रहे।

बरेली को पर्यटन के नक्शे पर स्थापित करने के लिए राज्य सरकार कटिबद्ध: जयवीर सिंह

■ जनपद बरेली में नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत आने वाले मंदिरों एवं स्थलों के विकास हेतु 6676.21 लाख रुपये की लागत की 13 परियोजनाएं स्वीकृत

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। नाथ नगरी बरेली में पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को आकर्षित करने के लिए पर्यटन विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6676.21 लाख रुपये की 13 परियोजनाओं की मंजूरी प्रदान की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य इस जनपद में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बुनियादी सुविधायें सुलभ कराना है। इसके साथ ही प्राचीन मंदिरों, नाथ कॉरिडोर आदि का पर्यटन विकास करना है।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। बताया कि इनमें नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत अलखनाथ मंदिर का 1167 लाख रुपये की लागत से पर्यटन विकास कार्य, तुलसीमठ का 971 लाख रुपये से पर्यटन विकास कार्य, तापेश्वरनाथ मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 836.9 लाख रुपये, नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत त्रिवटीनाथ मंदिर के पर्यटन विकास हेतु 655.6 लाख रुपये तथा नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत पशुपतिनाथ मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 298.9 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत धोपेश्वरनाथ मंदिर के पर्यटन विकास हेतु 771.7 लाख रुपये, कॉवड़ यात्रा स्थलों के विकास के लिए 401.9 लाख रुपये, नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत साइनेज की स्थापना आदि के लिए 497.7 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। यह समस्त कार्य आयुक्त बरेली मण्डल के प्रस्ताव पर स्वीकृत किये गये हैं। बरेली अपने मंदिर समूहों के लिए विख्यात है। यहां भारी संख्या में श्रद्धालुओं का आना जाना लगा रहता है। राज्य सरकार श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर अवस्थापना सुविधा देने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने ने बताया कि विधायक डा. एमपी आर्य के प्रस्ताव पर विधानसभा नवाबगंज में भगवान शिव मंदिर के पर्यटन विकास हेतु 108.6 लाख रुपये, डा. राघवेन्द्र शर्मा विधायक बिथरी चैनपुर में रामगंगा घाट के किनारे लेटे हुए हनुमान जी का पर्यटन विकास हेतु 93.61 लाख रुपये, डा. डीसी वर्मा विधायक मीरगंज विधानसभा में स्थित मंदिर के पर्यटन विकास हेतु 108.9 लाख रुपये तथा कुंवर महराज सिंह सदस्य विधान परिषद के प्रस्ताव पर भोजीपुरा में प्राचीन शिव मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 181.5 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

मण्डी में आने वाले किसानों को शुद्ध एवं पौष्टिक मिलेगा भोजन: डीएम

■ शबरी कैंटीन व यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया की नई शाखा का किया शुभारम्भ

■ मुख्यमंत्री कृषक उपहार योजना के अन्तर्गत दो किसानों को निशुल्क ट्रैक्टर किया वितरण

■ जिलाधिकारी ने मण्डी परिसर में स्थापित गेहूं क्रय केन्द्रों का किया निरीक्षण और किसानों को उचित ससमय भुगतान करने के दिए गए निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने गुरुवार को नवीन मण्डी स्थल परिसर डेलापीर में शबरी कैंटीन का शुभारम्भ किया, और कहा कि मण्डी स्थल पर आने वाले किसानों को शबरी कैंटीन के माध्यम से शुद्ध एवं पौष्टिक भोजन 25 रुपए प्लेट उपलब्ध कराया जाएगा।

उक्त के उपरांत जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री कृषक उपहार योजना के अन्तर्गत जो कृषक कृषि उपज का विक्रय करने मण्डी स्थल, उप मंडी स्थल तथा मण्डी क्षेत्र, सरकारी क्रय केंद्रों पर आते हैं को प्रवेश पर्ची एवं प्रपत्र-6 के आधार पर कृषकों रू0 5000/- मूल्य का विक्रय करने पर 01 ईनामी कूपन निर्गत किया जाता है। उक्त योजना के अन्तर्गत मण्डी समिति में चयनित किसान रघुवीर पुत्र छोटे निवासी ग्राम ढका पोस्ट अखा एवं शिव कुमार पुत्र नारायण लाल निवासी ग्राम हरेला तहसील फरीदपुर को जिलाधिकारी द्वारा निशुल्क ट्रैक्टर वितरण किया गया।

उक्त के उपरांत जिलाधिकारी ने नवीन मण्डी स्थल परिसर में यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया की नई शाखा का भी शुभारम्भ किया, और कहा कि मण्डी परिसर में आने वाले किसान व आढ़तियों एवं मंडी के दैनिक लेन-देन को सुगम बनाएगी। बैंक द्वारा सरकार प्रायोजित सभी योजनाओं का क्रियान्वयन धरातल पर किया जा रहा है, एवं कुछ विशेष योजनाओं को भी बैंक के द्वारा लाया गया है, जिसमें आढ़तियों एवं दाल और राइस मिल को सस्ती दरों पर ऋण प्रदान किया जाएगा। यह शाखा मंडी से जुड़े किसानों तथा व्यापारियों के लिए एक वन स्टॉप सेंटर की तरह कार्य करेंगी। शाखा प्रबन्धक को निर्देश दिए गए कि मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत इस बैंक शाखा को भी जोड़ा जाये। उक्त के उपरांत जिलाधिकारी ने मण्डी परिसर में स्थापित गेहूँ क्रय केन्द्र मण्डी परिषद, भारतीय खाद्य निगम तथा खाद्य एवं रसद विभाग के स्थापित क्रय केन्द्रों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी क्रय केन्द्रों को दिए गए कि लक्ष्य की शत प्रतिशत पूर्ति करते हुये किसानों को उचित ससमय भुगतान करने के भी निर्देश दिए गए। निरीक्षण के समय जानकारी ली कि यहां पर कितने गेहूं क्रय केन्द्र संचालित हैं, जिस पर डिप्टी आरएमओ द्वारा अवगत कराया गया कि 13 क्रय केन्द्र संचालित हैं। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट राजीव कुमार शुक्ल, उप निदेशक (प्रशा./विप.) मण्डी परिषद विश्वेन्द्र कुमार, सचिव मण्डी समिति संतोष कुमार, क्षेत्रीय विपणन अधिकारी कमलेश पाण्डेय, शाखा प्रबन्धक यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया सहित सम्बंधित अधिकारी आदि मौजूद थे।

शिक्षकों की तैनाती की राह देखता शीशगढ़ का राजकीय इण्टर कालेज

जिलाधिकारी के आदेश पर भी नहीं हो सकी शिक्षकों की तैनाती

शाह टाइम्स संवाददाता

शीशगढ़। सवा दो करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार खड़ा राजकीय इण्टर कालेज का भवन अब शिक्षकों की तैनाती की राह देख रहा है। शिक्षकों की तैनाती न होने से इस बार भी शैक्षिक सत्र चालू होना मुश्किल लग रहा है, जिस कारण क्षेत्र के लोगों में मायूसी है।

बताते चलें कि शीशगढ़ कस्बे के मोहल्ला अंसार नगर नई बस्ती में सपा नेता हाजी गुड्डू के प्रयासों से सपा शासनकाल वर्ष 2012-13 में राजकीय इण्टर कॉलेज के निर्माण की स्वीकृति मिली थी। सवा दो करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार खड़ा राजकीय इण्टर कालेज का भवन अब शिक्षकों की तैनाती की राह देख रहा है। शिक्षकों की तैनाती न होने से अभी तक प्रवेश प्रक्रिया तक शुरू नहीं हो सकी है। जिलाधिकारी बरेली का आदेश भी बेअसर साबित हो रहा है। जिलाधिकारी बरेली ने जिला विद्यालय निरीक्षक को कालेज में शिक्षकों की तैनाती कराकर शैक्षिक सत्र को चालू करने के निर्देश दिए थे, लेकिन जिला विद्यालय निरीक्षक ने अन्य इंटर कालेज में तैनात दो शिक्षकों को राजकीय इण्टर कालेज शीशगढ़ का अतिरिक्त कार्यभार देकर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर लिया है, लेकिन अतिरिक्त कार्यभार देने के बाद भी अभी तक प्रवेश प्रक्रिया शुरू न होना बड़ा सवाल पैदा कर रहा है।

धूल से अटा पड़ा है कालेज का भवन

राजकीय इण्टर कालेज के भवन की साफ-सफाई के लिए किसी चौकीदार की व्यवस्था तक नहीं की गई है। इंटर कालेज के फील्ड में बड़ी-बड़ी घास खड़ी है। कमरों में धूल के अंबार लगे पड़े हैं। सामने बरामदे में एक मेज व कुछ कुर्सी जिम्मेदारी का निर्वहन कर लिया गए है। कालेज की देखरेख कौन करेगा किसकी जिम्मेदारी बनती है यह भी बड़ा सवाल है।

चेयरमैन नीलोफर ने फिर लिखा डीएम को पत्र

चेयरमैन नीलोफर राजकीय इण्टर कालेज में शैक्षिक सत्र चालू कराने के लिए काफी प्रयासरत हैं। अब दूसरी बार जिलाधिकारी बरेली को चिट्ठी लिखकर शैक्षिक सत्र को चालू कराने की मांग दोहराई है। चेयरमैन ने जिलाधिकारी को प्रेषित पत्र में लिखा है कि इलाके के लोग अपने बच्चों को सस्ती और अच्छी शिक्षा दिलाने के लिए राजकीय इण्टर कालेज में शैक्षिक सत्र चालू होने के इंतजार में हैं, लेकिन विभागीय लापरवाही हावी है। कस्बे के साथ-साथ अन्य ग्रामीण इलाके के लोगों को भी बेहद मायूसी है। यह लोग शिक्षित होने का सपना संजोए बैठे हैं।

दरगाह पर हुआ तहरीक-ए-तहफ्फुज-ए-सुन्नियत की अहम बैठक का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। दरगाह-ए-आला हजरत के सज्जादानशीन व तहरीक-ए-तहफ्फुज-ए-सुन्नियत (टीटीएस) के कुलहिन्द सदर हजरत मुफ्ती मुहम्मद अहसन रजा खर्घ कादरी (अहसन मियां) की सरपरस्ती में टीटीएस के जिम्मेदारान की एक अहम् बैठक हुई। इस मौके पर मुफ्ती अहसन मियां ने अपनी इल्मी सलाहियत के साथ हाजरीन से मुखघतिब होते हुए फरमाया कि मौजूदा वक्त के फित्नों और चालाकियों के पेशे-ए-नजर हम सब पर जरूरी है कि अकीदा-ए-हक, मसलक-ए-आला हजरत पर एक राय होकर, एक मुट्ठी की तरह, फिक्र-ए-रजा को अपनी पहचान बनाते हुए दीन की खिदमत और तब्लीग (प्रचार) का फरीजा अदा करते रहें। जब बंदा अल्लाह और उसके रसूल के बताये हुए रास्तों पर चले तो अल्लाह तआला अपनी मदद से नवाजता है। मगर इस मदद को हासिल करने के लिए हमें अपनी जिंदगी को शरीअत के मुताबिक ढालना होगा, सख्ती से शरीअत की पाबंदी करनी होगी और इत्तिहाद के साथ उम्मत-ए-मुस्लिमा की भलाई के लिए काम करना होगा। आगे कहा कि आज के इस पुर-फित्न दौर में हमें अपनी इबादतगाहों, मदारिस, और औलिया-ए-कामिलीन के मुबारक आस्तानों की हिफाजत के लिए अल्लाह की बारगाह में ज्यादा से ज्यादा इबादत करनी होगी। मसा. जिद को आबाद करना होगा और दिल से तौबा करते हुए अपने आमाल की इस्लाह करनी होगी। इंशाअल्लाह जब हम सच्चे दिल से अल्लाह की तरफ रुजू करेंगे तो उस पाक जात की तरफ से मदद जरूर नाजिल होगी।

इस बैठक में मुल्क के दूसरे शहरों से उलमा-ए-किराम, मुफ्ती, कारी और मोहिब्बान-ए-आला हजरत शामिल हुए, जिनमें खवस तौर पर बदायूं से मौलाना मंजर हसन, रामपुर से मुफ्ती गुल्फाम, मुरादाबाद से कघरी इकबाल, कारी यूसुफ रजा संभली, शिकोहाबाद से मौलाना सलीम, आगरा से मौलाना मसरूर, मौलाना जिक्रुल्लाह, मौलाना जाहिद रजा, मौलाना बशीर अल-कघदरी, सलाहुद्दीन अय्यूबी, परवेज नूरी, अजमल नूरी, नासिर कुरैशी, शाहिद नूरी, औरंगजेब नूरी, ताहिर अल्वी, मंजूर रजा, हाजी शारिक नूरी, डॉ. माजिद खान, साजिद नूरी, नईम नूरी, इशरत नूरी, आले नबी, सय्यद नाजिब, सय्यद ऐजाज, जोएब, शबलू अल्वी, आरिफ रजा, मुजाहिद बेग, काशिफ सुब्हानी, सोहेल रजा, रूमान रजा, आकिब रजा, जीशान कुरैशी आदि लोग मौजूद रहे।

एक नजर

टुकटुक पलटने से बुजुर्ग की मौत बेटी हुई बदहवास, कई घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। तेज रफ्तार जा रहे ई-रिक्शा पलटने से उसमें सवार 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। टुकटुक पलटने से चालक सहित कई सवारी भी हादसे में घायल हो गए।

मृतक के भांजे डंपी ने बताया कि रहपुरा चौधरी गांव के रहने वाले मोहम्मद रजा खां गुरुवार दोपहर 3 बजे के करीब ई-रिक्शा में सवार होकर अपनी बेटी के घर लाइखेड़ा जा रहे थे। क्षेत्र के गांव टांडा सादात के करीब पहुँचने पर ई-रिक्शा पलट गया, जिससे चालक सहित तीन अन्य सवारी भी घायल हो गईं। स्थानीय लोगों की मदद से एम्बुलेंस बुलाकर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भिजवाया गया, जहां गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग मोहम्मद रजा खां की उपचार के दौरान मौत हो गई। ई-रिक्शा में बैठे यात्रियों के मामूली चोटें लगीं हैं, वे ठीक होकर घर चले गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर भीड़ जमा हो गई थी। परिजनों का कहना है कि ई-रिक्शा चालक मौके से फरार हो गया है। फिलहाल परिजनों ने लिखित तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पालिका अध्यक्ष ने सभासदों की शिकायत पर वरिष्ठ लिपिक को हटाया, डीके बने बड़े बाबू

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। सभासदों की शिकायत पर आखिरकार पालिका अध्यक्ष ने परिषद के वरिष्ठ लिपिक सुरेश चन्द्र को हटा दिया, उन्हें जहां उनके मूल पद पर भेजा गया है, वहीं धीरेन्द्र कुमार को वरिष्ठ लिपिक बनाया गया है।

विगत दिनों हुई नगर पालिका परिषद की बोर्ड की बैठक में परिषद के सभासदों ने नगर पालिका के वरिष्ठ लिपिक सुरेश चन्द्र पर कई आरोप लगाते हुए उनका पटल बदले जाने की मांग की थी, जिसपर बैठक में मौजूद सांसद छत्रपाल गंगवार, विधायक डॉक्टर एमपी आर्य ने पालिका अध्यक्ष प्रेमलता राठौर को कार्यवाही को कहा था।

गुरुवार को पालिका अध्यक्ष प्रेमलता राठौर ने परिषद के वरिष्ठ लिपिक पद पर तैनात सुरेश चन्द्र को उनके पद से हटाने के आदेश जारी कर दिए। अपने आदेशों में पालिका अध्यक्ष ने जहां परिषद के वरिष्ठ लिपिक पद पर धीरेन्द्र कुमार (डी के) को पद भार सौंपे जाने के निर्देश सुरेश चन्द्र को दिए हैं। वहीं उन्हें अपने मूल पद नायब मुहर्रिर पर भेजे जाने का फरमान जारी किया है। परिषद के बड़े बाबू का पटल बदले जाने पर शिकायत करने वाले सभासदों ने पालिका अध्यक्ष का आभार जताया है।

भाईयों को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, एक की मौत, दो घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। बहन के घर से भात पहनाकर घर लौट रहे भाईयों को अज्ञात वाहन ने टक्कर टक्कर मार दी, जिसमें तीन भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को मझगवा सीएचसी 108 एंबुलेंस के द्वारा पहुंचया गया, डॉक्टर ने एक को मृत घोषित कर दिया, दो घायलों का इलाज चल रहा है। परिजनों ने बताया कि थाना सीबीगंज क्षेत्र गांव तल्फी सराय निवासी 40 वर्षीय ओमकार यादव पुत्र सिपट्टर यादव उसका चचेरा भाई दिनेश यादव और सुरेश शर्मा नगर निवासी मोती पुत्र मूलचंद यादव तीनो लोग गांव राजपुर कला अपनी बहन कुसमा देवी के घर गए थे, कुसमा देवी के बेटे की शादी है। बुधवार की शाम को भात पहनाने के बाद ओमकार यादव, दिनेश यादव और मोती यादव मोटरसाइकिल के द्वारा रात में घर वापस आ रहे थे रास्ता में अलीगंज के पास अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी, जिसमें ओमकार यादव, दिनेश यादव और मोती यादव तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को मझगवां सरकारी अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर ने ओमकार यादव को मृत घोषित कर दिया। दिनेश यादव और मोती यादव घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। ओमकार यादव की पत्नी सोमवती और तीन लड़के हैं, परिवार में सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम को भेजा।

कैंट पुलिस ने पकड़े ट्रक चोर, फाइनेंस कंपनी को लगा चुके हैं करोड़ों का चूना

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। कैंट पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने बरेली में ट्रक चोरी और फर्जी दस्तावेज तैयार कर फाइनेंस कंपनियों से करोड़ों रुपये का क्लेम लेने वाले एक शातिर गैंग का भंडाफोड़ किया है। इस गैंग के 5 सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से 2 चोरी के ट्रक, फर्जी नंबर प्लेट और दस्तावेज बरामद किए गए हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी थाना आंवला और ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र से की गई, जहां अभियुक्त चोरी के ट्रकों की पहचान मिटाने का काम कर रहे थे। पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे ट्रकों की फर्जी चोरी की सूचना कोर्ट से लिखवाकर फाइनेंस कंपनियों से क्लेम लेते थे। फिर आरटीओ से मिलकर फर्जी रजिस्ट्रेशन नंबर जारी करवाते थे और ट्रकों को दोबारा बेचते थे। पुलिस ने घटना के संबंध में आरोपी शाकिर उर्फ भूरा मास्टर निवासी थाना कैंट, आरिफ निवासी थाना बहेड़ी, सोहेल निवासी थाना बिथरी चैनपुर, सैफउद्दीन निवासी थाना बारादरी, ईशाक अली निवासी थाना भोजीपुरा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक इस गैंग का हर सदस्य एक विशेष भूमिका निभाता था। जैसे चोरी करना, इंजन व चेसिस नंबर बदलना, झूठे मुकदमे लिखवाना, फर्जी नंबर प्लेट बनवाना और फाइल तैयार कर ट्रक बेचना। गैंग द्वारा अब तक 50 से अधिक झूठे मुकदमे दर्ज करवाकर लगभग 6 करोड़ रुपये का क्लेम लिया जा चुका है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी कोर्ट से मुकदमे लिखवाने के लिए जान-पहचान के लोगों को ड्राइवर बनाकर पेश करते थे और चोरी की झूठी रिपोर्ट दर्ज करवाते थे। एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ थाना कैंट में बीएनएस की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस कप्तान की कार्यवाही का चला हंटर

■ देवरनियां कोतवाली पर छाए गर्दिश के सितारे

■ पन्द्रह दिन के अन्दर एक दरोगा समेत पांच पुलिस कर्मी हुए सस्पेंड

शाह टाइम्स संवाददाता

देवरनियां। कोतवाली देवरनियां पुलिस के सितारे इन दिनों गर्दिश में चल रहे हैं। ईमानदारी और सख्त तेवर के लिए जाने व पहचाने जाने वाले पुलिस कप्तान अनुराग आर्य ने एक दरोगा समेत एक पुलिस कर्मी को और सस्पेंड कर दिया है। पन्द्रह दिन के अंदर पांच पुलिस कर्मियों पर निलम्बंन की कार्रवाई से हड़कंप मचा हुआ है।

जिला मुख्यालय से तीस किलो मीटर दूर बरेली-नैनीताल हाइवे किनारे स्थित कोतवाली देवरनियां में तैनात पुलिस कर्मियों पर एक के बाद एक निलम्बंन की कार्रवाई हो रही है। बरेली मेंघ मुख्यमंत्री का सुरक्षा घेरा तोड़ मंच पर पहुंचने की कोशिश करने वाली गांव वसुपुरा की महिला सुमन की निगरानी में लगार गए सिपाही निर्वेश और नमन को इस माह की शुरुआत में लापरवाही पर सस्पेंड कर दिया था। इसके बाद एक अन्य मामले में सिपाही महावीर को सस्पेंड किया गया। अब हल्का नम्बर एक में तैनात दरोगा तेजपाल सिंह और सिपाही सुरेन्द्र को एसएसपी अघ्नुराग आर्य ने सस्पेंड किया है। पन्द्रह दिन के अंदर पांच पुलिस कर्मियों पर सस्पेंड की गाज गिरने से पूरे कोतवाली को हिला दिया है। पुलिस कर्मी अब फूंक-फूंक कर कदम रख रहे हैं कि सख्त मिजाज घ्व इमानदार पुलिस कप्तान की कार्रवाई का चाबुक उन पर न चल जाए।

चुनावी रंजिश में भाजपा कार्यकर्ता पर जानलेवा हमला, हालत गंभीर

■ पूर्व प्रधान के पुत्र समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

देवरनियां। कोतवाली देवरनियां क्षेत्र की बेहद संवेदनशील कस्बा नुमा ग्राम पंचायत गिरधरपुर में प्रधानी चुनाव की पुरानी रंजिश को लेकर कुछ लोगों ने वर्तमान प्रधान के पिता व भाजपा कार्यकर्ता पर धारदार हाथियारों से जानलेवा हमला कर लहूलुहान कर दिया। घायल की हालत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस ने इस मामले में पूर्व प्रधान के पुत्र समेत पांच लोगों पर जानलेवा हमले की रिपोर्ट दर्ज की है। आरोपी अभी पुलिस पकड़ से बाहर हैं।

घायल के भाई फरहद हुसैन ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उसका छोटा भाई अफराज हुसैन भाजपा का पुराना कार्यकर्ता है, और प्रधानी का चुनाव भी लड़ चुका है। गांव के ही सद्दाम, हसीब, खतीब पुत्रगण पूर्व प्रधान मरहूम शफीक अहमद और दिलगीर, शमशीर पुत्रगण सगीर अहमद से चुनावी रंजिश चली आ रही है। आरोप है कि कुछ दिन पहले इन लोगों ने अफराज को जान से मारने की धमकी दी थी। बुधवार दोपहर जब अफराज गांव के रहमान मैरिज हॉल से खाना खाकर घर लौट रहा था, तभी उक्त पांचों लोगों ने अपने घर के सामने घेर कर अफराज पर लाठी, तलवार, तवला और सूजे से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं पर गिर गया। सूचना पर पहुंचे परिजन अफराज को अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां बरेली महानगर के एक निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

आईसीयू में भर्ती अफराज की हालत नाजुक

बताते हैं कि आईसीयू में भर्ती अफराज हुसैन की हालत चिंताजनक बनी हुई है, वह जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है।

अफराज की पुत्री है ग्राम प्रधान

गंभीर अवस्था में घायल भाजपा कार्यकर्ता अफराज हुसैन की पुत्री इस समय ग्राम प्रधान है। अफराज भी प्रधानी का चुनाव लड़ चुका है।

आरोपी पुलिस पकड़ से बाहर पुराने मामले भी दर्ज

आरोपी पुलिस पकड़ से बाहर हैं, हालांकि पुलिस लगातार दबिश दे रही है, मगर आरोपी पुलिस के हाथ नहीं लगे हैं। इंस्पेक्टर देवरनियां दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है, जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अफराज के भाई के मुताबिक उक्त पांचों आरोपी बदमाश किस्म के हैं, उनपर हत्या का प्रयास, धोखाधड़ी और 420 के मामले दर्ज हैं।

इधर इस घटना के बाद से गिरधरपुर में तनाव का महौल है।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस गांव में नजर बनाए हुए है।

जानलेवा हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी को लगातार दबिश दी जा रही है, जल्द ही आरोपी गिरफ्तार होंगे। गांव में शांति है, पुलिस की नजर बनी हुई है।

दिनेश कुमार शर्मा
इंस्पेक्टर देवरनियां

दूसरे समुदाय के साथ फरार हुई युवती को नागरिकों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। दिल्ली से दूसरे समुदाय के अपने प्रेमी के साथ नगर पहुंची युवती को नागरिकों ने संदिग्ध हालत में पकड़कर पुलिस को सौंप दिया।

कस्बे के बाईपास चौराहे पर गुरुवार की सुबह एक युवती और एक युवक को संदिग्ध हालत में घूमते हुए लोगों ने उन्हें दबोच लिया, और इसकी सूचना पुलिस को दी, मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया। कोतवाली लाकर जब युवक से पूछताछ की गई तो उसने सारी घटना पुलिस को बताई। उसने बताया कि वह दिल्ली के गोविंदपुरी थाना क्षेत्र में ओला गाड़ी चलाता है, उसके मकान के सामने ही दूसरे समुदाय की युवती से उसका प्रेम प्रसंग हो गया, और कल बुधवार की रात वह उसे लेकर यासीन नगर के रहने वाले अपने दोस्त के साथ यहां आया था। पुलिस ने युवक के साथी को भी हिरासत में ले लिया है। इंस्पेक्टर क्राइम आदेश कुमार ने बताया कि बुधवार को युवती अपने घर से ब्यूटी पार्लर जाने को कहकर गई थी, जब देर रात तक वह घर नहीं लौटी तो उसके पिता ने थाना गोविंदपुरी में पुत्री की गुमशुदगी दर्ज कराई है। युवती के परिजनों को इसकी सूचना दे दी गई है, उनके देर रात तक यहां पहुंचने की संभावना है।

हेडमास्टर ने स्कूल को बनाया इबादतगाह, भड़के हिंदू संगठन

■ क्लास रूम में नमाज पढ़ने का वीडियो वायरल

■ हिंदू संगठन ने की शिक्षक पर कार्रवाई की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। सरकारी स्कूल का शिक्षक क्लास रूम में नमाज पढ़ने की वजह से विवादों में आ गया है। हिंदू संगठन के लोगों ने वीडियो वायरल कर शिक्षक पर कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल सोशल मीडिया पर लोग दो धड़ों में बंट गए हैं। कोई शिक्षक के नमाज पढ़ने को गलत बता रहा है तो किसी के लिए इसमें कुछ भी गलत नहीं।

पूरा वीडियो बरेली के आंवला इलाके में पढ़ने वाले रसूला गांव के प्राथमिक स्कूल का है। स्कूल के अंदर दाढ़ी और टोपी वाला एक शख्स नमाज पढ़ता दिखाई दे रहा है। लोग इबादत करने वाले शख्स को तो स्कूल का प्रिंसिपल बता रहे हैं। हिंदू संगठन से जुड़े हिंमाशु पटेल ने

अधिकारियों को वीडियो एक्स पर शेयर करते हुए शिकायत की। उन्होंने लिखा कि आंवला क्षेत्र के ग्राम रसूला के प्राथमिक विद्यालय में हेडमास्टर ने नमाज पढ़ी। हेडमास्टर ने स्कूल को इबादतघर बना दिया है। हिमांशु पटेल ने ये भी बताया कि ग्रामीणों और बच्चों ने आरोप लगाया है कि हेडमास्टर पहले स्कूल के अंदर ही खुले में नमाज पढ़ते थे। लेकिन लोगों ने इसका विरोध किया तो वह कमरे के अंदर ही नमाज पढ़ने लगे। अब उन्होंने शासन प्रशासन से मामले का संज्ञान लेकर कार्रवाई की मांग की है।

कुछ लोग हेडमास्टर के समर्थन में भी खड़े हो गए हैं। हाजी नाजिम कुरैशी नाम के यूजर ने लिखा कि नमाज तो पढ़ ही सकते हैं, इससे किसी भी समुदाय को कोई परेशानी नहीं होगी।

शांति व्यवस्था बनाए रखने में मदद करें। ईश्वर का ध्यान तो कर ही सकते हैं। वहीं हरीश कुमार गंगवार ने कहा कि सरकारी स्कूल में इस तरह नमाज पढ़ना गलत है, शिक्षक पर कार्रवाई होनी चाहिए।

ममता हिंदुओं पर योजना बनाकर करा रही हैं हमला: धर्मपाल सिंह

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। यूपी सरकार के पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने पश्चिम बंगाल में हिंसा को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि पश्चिम बंगाल में हिंसा एक गंभीर विषय है। इसके लिए ममता बनर्जी जिम्मेदार हैं। वह चुन चुनकर हिन्दुओं पर योजना बनाकर हमला करा रही हैं। ताकि उन्हें मुस्लिम वोट मिले। इस समय बंगाल की हालत बेहद खराब है। इसलिए बंगाल में ममता बनर्जी के खिलाफ कार्रवाई होना चाहिए। वहीं अखिलेश यादव द्वारा पूर्व में कानून व्यवस्था पर दिए गए बयान को लेकर कहा कि अखिलेश गुंडों के सरदार हैं। सपा की सरकार में गरीबों की जमीन, मकान, खेत, संपत्ति पर कब्जा हुआ करते थे। उस समय अपराधी पुलिस की कुर्सी पर बैठा करते थे, पर योगी सरकार में अपराधी थर थर कापते हैं, आज कानून चमकता है। अपराधियों में कानून की दहसत है। अब अपराधी अपराध करना भूल गया है। बरेली के सर्किट हाउस पहुंचे मंत्री धर्मपाल सिंह ने मीडिया से बात करने से पहले अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को बताया कि बरेली के लिए सीएम का प्रस्तावित दौरा जल्द है।

सूचना

मेरी यूपी बोर्ड हाईस्कूल वर्ष 2014 अनुक्रमांक (1016446) क्रमांक संख्या (26038178) और इंटर मीडिएट वर्ष 2016 अनुक्रमांक (0886454) क्रमांक संख्या (I2912949) की मार्कशीट गुम हो गई है।

मो. तारिक पुत्र मो. यूसुफ
निवासी ग्राम राईनवादा तहसील बहेड़ी जिला बरेली

समाचार एवं विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें।
मो. इरफान मुनीम जिला प्रभारी (बरेली)
मो0-9456212547 8077380691
Email: irfanggnewslive@gmail.com

नीरज चोपड़ा की दमदार वापसी

● 84.52 मीटर दूर भाला फेंक कर दक्षिण अफ्रीका में जीता पाट इनविटेशनल ट्रैक टूर्नामेंट ●

नई दिल्ली, वार्ता। भारत के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में पाट इनविटेशनल ट्रैक प्रतियोगिता जीतकर अपने सत्र की शानदार शुरुआत की है। नीरज ने बुधवार को वर्ल्ड एथलेटिक्स कान्टिनेंटल टूर चौलेंजर प्रतियोगिता में 84.52 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर छह खिलाड़ियों के बीच चले मुकाबले में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय स्टार नीरज अफ्रीका के 25 वर्षीय डौव स्मिट से आगे रहे, जिनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 82.44 मीटर का था। नीरज का प्रदर्शन हालांकि उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर से कम था, जबकि स्मिट अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 83.29 मीटर के करीब पहुंच गए। इस प्रतियोगिता में सिर्फ दो खिलाड़ियों नीरज और स्मिट ने ही 80 मीटर की दूरी पार की। अफ्रीका के एक अन्य खिलाड़ी राबर्टसन 71.22 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे। नीरज अपने नए कोच चेक गणराज्य के जान जेलेज्नी की निगरानी में पोटचेफस्ट्रूम में अभ्यास कर रहे हैं। जेलेज्नी तीन बार के ओलंपिक चैंपियन और विश्व रिकॉर्ड धारक हैं। भारत का यह 27 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल लंबे समय तक अपने कोच रहे जर्मनी के क्लास बार्टोनिट्ज से अलग हो गए थे। वह 16 मई को दोहा डायमंड लीग में एलीट प्रतियोगिताओं में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। नीरज ने 2020 टोक्यो (स्वर्ण) व 2024 पेरिस (रजत) ओलंपिक खेलों में लगातार दो पदक जीते। नीरज का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है जो उन्होंने 2022 में हासिल किया था। वह पिछले लंबे समय से 90 मीटर का आंकड़ा छूने का प्रयास कर रहे हैं। जेलेज्नी के मार्गदर्शन में नीरज अपनी कामयाबी को एक अलग स्तर पर ले जाने की कोशिश करेंगे। 1992, 1996 और 2000 के ओलंपिक खेलों में स्वर्ण विजेता जेलेज्नी के नाम अब तक के शीर्ष दस सर्वश्रेष्ठ थ्रो में से पांच थ्रो हैं।

सौरभ कोठारी ने आईबीएसएफ विश्व बिलियड्र्स खिताब जीता

कोलकाता, वार्ता। कोलकाता के सौरव कोठारी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आईबीएसएफ विश्व बिलियड्र्स चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया है। आयरलैंड के कार्लो में खेले गए फाइनल मुकाबले में चालीस वर्षीय कोठारी ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी और दिग्गज बिलियड्र्स खिलाड़ी पंकज आडवाणी को 725-480 से हराकर विश्व बिलियड्र्स चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया। कोठारी का यह दूसरा विश्व खिताब है।

एयरपोर्ट पर धोनी ने व्हीलचेयर पर बैठी प्रशंसक के साथ ली सेल्फी

नई दिल्ली, वार्ता। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के व्यवहार ने एक बार फिर प्रशंसकों का दिल जीत लिया। एयरपोर्ट पर धोनी ने दरियादिली दिखाई और व्हीलचेयर पर बैठी एक प्रशंसक के साथ सेल्फी ली।

धोनी सुरक्षाकर्मियों के बीच से गुजर रहे थे और उनकी नजर

■ धोनी के व्यवहार ने एक बार फिर प्रशंसकों का दिल जीत लिया

प्रशंसक पर पड़ी जो उनके साथ फोटो लेना चाहती थी। धोनी थोड़ी देर के लिए रुके और प्रशंसक की तरफ गए। धोनी ने उस प्रशंसक का फोन लिया और उनके साथ सेल्फी ली। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोग माही के इस व्यवहार की काफी प्रशंसा कर रहे हैं। भारत को अपनी कप्तानी में विश्व कप दिला चुके धोनी कई बार ऐसा कर चुके हैं और प्रशंसकों के साथ उनका व्यवहार हमेशा ही सरल होता है। उन्हें अक्सर प्रशंसकों के साथ फोटो खिंचवाते देखा जाता है, खासकर अपने गृहनगर रांची में। धोनी इस वक्त आईपीएल 2025 में हिस्सा ले रहे हैं। सीएसके के नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट के शेष सत्र से बाहर हो गए हैं जिस कारण धोनी उनकी अनुपस्थिति में कमान संभाल रहे हैं। धोनी का समर्थन करने के लिए चेन्नई के घरेलू मैदान एमए चिदंब. रम स्टेडियम पर ही नहीं, बल्कि हर वेन्यू पर प्रशंसक आ रहे हैं। सोमवार को सीएसके और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच मैच के दौरान अटल विहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में भी धोनी की दीवानगी देखने को मिली थी। धोनी ने लखनऊ में अपने प्रशंसकों को निराश नहीं किया और सीएसके ने लगातार पांच मैच हारने के बाद जीत हासिल की थी। उस मैच में धोनी ने भी अच्छा प्रदर्शन किया था और 2018 सीजन के बाद पहली बार उन्हें प्लेयर आफ द मैच का पुरस्कार दिया गया था। धोनी आईपीएल इतिहास में प्लेयर आफ द मैच जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे। सीएसके का सामना अब रविवार को मुंबई से वानखेड़े स्टेडियम पर होगा।

संक्षिप्त खेल समाचार

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025: मशाल गौरव यात्रा का भव्य स्वागत

समस्तीपुर, वार्ता। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के बिहार में आयोजन के अवसर पर मशाल गौरव यात्रा आज समस्तीपुर जिले में पहुंची। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के दौरान स्थानीय प्रशासन, खेल प्रेमियों, युवाओं और आम जनता ने मशाल गौरव यात्रा का अत्यंत उमंग और उल्लास के साथ भव्य स्वागत किया। यह यात्रा खेलो इंडिया यूथ गेम्स के प्रति जनजागरण और उत्साह बढ़ाने के लिए बिहार के 38 जिलों से होकर गुजर रही है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन पहली बार बिहार में किया जा रहा है, जो 04 मई से 15 मई तक नालंदा, पटना, गया, भागलपुर, बेगूसराय में संपन्न होगा। इस आयोजन में देशभर के हजारों युवा खिलाड़ी भाग लेंगे, जो अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाएंगे। मशाल गौरव यात्रा का उद्देश्य खेलों के प्रति युवाओं में उत्साह जगाना और पूरे राज्य में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करना है। समस्तीपुर में मशाल गौरव यात्रा के स्वागत के दौरान युवाओं और खेल प्रेमियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया, जिससे इस आयोजन की सफलता की उम्मीद और भी मजबूत हुई। स्थानीय अधिकारियों ने भी इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी पूरी सक्रियता दिखाई।

वनडे क्रिकेट एक अलग तरह की चुनौती: रोहित

पचास ओवर के प्रारूप से मेरा जुड़ाव गहरा रहा है: रोहित शर्मा

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टी-20 क्रिकेट की बढ़ती साख के बीच वनडे क्रिकेट के भविष्य का समर्थन किया है।

रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क के साथ एक पाडकास्ट में बताया कि किस तरह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी अभियान के दौरान उनकी टीम को चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि वनडे क्रिकेट हमेशा से ऐसी चुनौती पेश करता है जो कोई प्रारूप नहीं देता। रोहित ने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा व्यवस्था में टी-20 क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद, वनडे क्रिकेट खेल के सबसे सम्मानित प्रारूपों में से एक बना हुआ है। उन्होंने बताया कि 50 ओवर के प्रारूप से उनका जुड़ाव गहरा है, जो एक क्रिकेटर के रूप में उनके प्रारंभिक वर्षों से जुड़ा है। रोहित ने कहा, मुझे पता है कि वनडे क्रिकेट को लेकर कई तरह की बातें की जाती हैं कि यह स्थायी है या नहीं। हम सभी लोग वनडे विश्व कप, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी देखकर ही बड़े हुए हैं और हमने ये खेल खेला भी है। वो सब मैच रोमांचक होते हैं। मुझे पता है कि वह पहले की बातें हैं क्योंकि लोग अब टी-20 क्रिकेट देख रहे हैं, लेकिन वनडे क्रिकेट की चुनौती अलग ही है। भारत ने हाल ही में रो. हित की कप्तानी में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था। रोहित ने इस दौरान पांच मैचों में 180 रन बनाए थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल मैच में 83 गेंदों पर 76 रन बनाए थे जिससे भारत खिताब अपने नाम करने में सफल रहा था।

गंभीर के कमेंट्स लीक होने के बाद बड़ी कार्रवाई

बीजीटी में हार के बाद BCCI ने कोचिंग स्टाफ को दिखाया बाहर का रास्ता

मुंबई, वार्ता। बीसीसीआई ने बार्डर गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) में टीम इंडिया की 1-3 से हार और ड्रेसिंग रूम की बातें लीक होने पर तीन कोचिंग स्टाफ को हटा दिया है। इसमें सहायक कोच अभिषेक नायर के अलावा फील्डिंग कोच टी दिलीप और ट्रेनर सोहम देसाई शामिल हैं। हालांकि बीसीसीआई की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुता. बिक नायर की जगह किसी को नियुक्त नहीं किया जाएगा, क्योंकि बल्लेबाजी कोच के तौर पर सितांशु कोटक पहले ही टीम इंडिया के साथ जुड़े हुए हैं।

वहीं, दिलीप का काम सहायक कोच रेयान टेन डेस्काटे देखेंगे। ट्रेनर सोहम देसाई की जगह ट्रेनर सोहम देसाई की जगह एड्रियन ली लेंगे, जो अभी आईपीएल में पंजाब किंग्स के साथ जुड़े हुए हैं। वे 2008 से 2019 तक ज्ञ्ज्ञ्त टीम के साथ भी थे। उन्होंने 2002 से 2003 तक टीम इंडिया के साथ भी काम किया। उनका बीसीसीआई के साथ कान्ट्रैक्ट हो गया है। दिलीप और सोहम को भारतीय टीम के साथ तीन साल से ज्यादा समय हो गया था।

जबकि अभिषेक नायर 8 महीने पहले ही टीम के साथ जुड़े थे। बीजीटी के दौरान गंभीर की ड्रेसिंग रूम में कही बात लीक हो गई थी बीजीटी के दौरान मेलबर्न टेस्ट में हार के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने खिलाड़ियों की परफार्मेंस को लेकर नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने ड्रेसिंग

रूम में लौटने के तुरंत बाद पूरी टीम से कहा कि अब बहुत हो गया। गंभीर ने खिलाड़ियों के गलत शॉट सिलेक्शन पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा कि नेचुरल गेम खेलने का बहाना बनाने वाले खिलाड़ियों को सिचुएशन के हिसाब से खेलना होगा। गंभीर की यह बात लीक हो गई थी। उसके बाद गंभीर ने कहा था कि प्लेयर्स और कोच के बीच की बातचीत ड्रेसिंग रूम तक ही सीमित रहनी चाहिए। इसे बाहर नहीं आना चाहिए। गंभीर ने ड्रेसिंग रूम में तनाव की खबरों का भी खंडन किया था और कहा कि ये केवल रिपोर्ट हैं, इसमें सच्चाई नहीं। भारत पहला टेस्ट जीता, एक ड्रा और तीन ऑस्ट्रेलिया के नाम रहे भारत बार्डर गावस्कर सीरीज 3-1 से हारा था। इस सीरीज का पहला मैच पर्थ में खेला गया था। भारत ने 295 रन से इस मैच को जीता था। उसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वापसी की और एडिलेड में खेले गए दूसरे टेस्ट में भारत को 10 विकेट से हराया। वहीं, बिस्ब्रेन में खेला गया तीसरा मुकाबला ड्रा रहा। मेलबर्न में खेले गए चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 184 रनों से हराया। सिडनी में खेला गया आखिरी मुकाबला भी ऑस्ट्रेलिया 6 विकेट से जीता। भारत के दो मुख्य बल्लेबाज रोहित और कोहली का खराब प्रदर्शन भारत के दो टॉप बैटर रोहित शर्मा और विराट कोहली टीम की सबसे बड़ी कमजोरी साबित हुए। बीजीटी में कोहली ने 9 पारियों में एक नाबाद शतक सहित 190 रन बनाए। जबकि, रोहित से 5 पारियों में मात्र 31 रन बन सके। भारतीय टीम सीरीज की 9 इनिंग में 6 बार 200 का आंकड़ा पार न कर सकी। आईपीएल मैच एनालिसिस आईपीएल में रोमांचक सुपर ओवर थ्रिलररूस्टार्क की जादुई गेंदबाजी से दिल्ली ने राजस्थान को हराया, टेबल टॉपर बनी कैपिटल्स दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रायल्स को आईपीएल के 18वें सीजन के पहले सुपर ओवर में हरा दिया।

सुरुचि-सौरभ ने मिश्रित स्पर्धा में जीता सोना

● सुरुचि और सौरभ ने स्वर्ण पदक के लिए हुए मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए चीन की जोड़ी को 17-19 से हराकर स्वर्ण पदक कब्जाया

लीमा, वार्ता। भारतीय निशानेबाज सुरुचि सिंह और सौरभ चौधरी ने आईएसएसएफ विश्वकप 2025 में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया है।

हुई स्पर्धा में सुरुचि और सौरभ ने स्वर्ण पदक के लिए हुए मुकाबले में 8-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए चीन की याओ कियानक्सुन और हू काई की जोड़ी को 17-9 से हराया। इस वर्ष आईएसएसएफ विश्वकप में सुरुचि का यह तीसरा स्वर्ण और कुल मिलाकर चौथा पदक था। उन्होंने पिछले सप्ताह ब्यूनस आयर्स में और मंगलवार को लीमा में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल निशानेबाजी स्पर्धा जीत दर्ज की थी। उन्होंने ब्यूनस आयर्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में सौरभ के साथ कांस्य पदक भी जीता था। दूसरी ओर, सौरभ ने भी पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर लगभग तीन वर्षों में आईएसएसएफ विश्वकप में अपना पहला व्यक्तिगत पदक जीता था। इस बीच, 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के कांस्य पदक मैच में मनु भाकर और रविंदर सिंह को चीन के मा कियानके और झांग यिफान की जोड़ी ने 16-6 से हराया। 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वालीफिकेशन राउंड में सुरुचि सिंह (291) और सौरभ चौधरी (289) ने कुल 580 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था।

दिल्ली स्वामी विवेकानंद अंडर 20 पुरुष एनएफसी सेमीफाइनल में

छत्तीसगढ़, वार्ता। गत चैंपियन दिल्ली ने गुरुवार को चंडीगढ़ को 8-0 से हराकर स्वामी विवेकानंद अंडर 20 पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 के सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। यहां खेले गए मुकाबले के पहले सत्र में दिल्ली ने सात गोल किये। दिल्ली की ओर से मोइरंगथेम राज. ेश्वर सिंह, आदित्य अधिकारी और लैशराम राहुल मैतेई ने दो-दो गोल तथा सांखिल दारपोल तुइशांग और अरमान अहमद ने एक-एक गोल किए। दिल्ली ने शुरू से ही मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और सातवें मिनट में मोइरंगथेम राजेश्वर सिंह के गोल कर दिल्ली को बढ़त दिलाई। आदित्य अधिकारी ने 16वें मिनट में दूसरा गोल किया।

आर्सेनल चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में

मैड्रिड, वार्ता। आर्सेनल एफ सी ने रियल मैड्रिड को हराकर चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। बुधवार को खेले गए मुकाबले में आर्सेनल ने रियल मैड्रिड 2-1 हराया। आर्सेनल की ओर से पहला गोल 65वें मिनट में बुकायो साका ने किया। वहीं उसने दूसरा गोल गेब्रियाल मार्टिनेली ने इंजरी टाइम में किया। इस जीत के साथ ही आर्सेनल ने 16 साल बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले आर्सेनल ने 2009 चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। आर्सेनल ने पिछले सप्ताह लंदन में खेले गए क्वार्टरफाइनल के पहले चरण में 3-0 से जीत दर्ज की थी और इस तरह से उसने रियाल मैड्रिड को कुल मिलाकर 5-1 से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ रियल मैड्रिड का टूर्नामेंट में अभियान समाप्त हो गया है। सेमीफाइनल में आर्सेनल का मुकाबला पेरिस सेंट-जर्मेन से होगा। दूसरा सेमीफाइनल बार्सिलोना और इंटर मिलान के बीच खेला जाएगा।

हैदराबाद ने मुंबई को 163 रनों का लक्ष्य दिया

अभिषेक ने 40, क्लासन ने 37 रन बनाए, मुंबई से विल जैक्स को 2 विकेट

मुंबई, वार्ता। आईपीएल के 33वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने मुंबई इंडियंस को 163 रन का टारगेट दिया। वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई ने बालिंग चुनी।

हैदराबाद ने 5 विकेट खोकर 162 रन बनाए। हेनरिक क्लासन ने 37 और अभिषेक शर्मा ने 40 रन बनाए। मुंबई से विल जैक्स ने 2 विकेट लिए। मुंबई इंडियंस ने 1 ओवर के बाद बगैर नुकसान के 7 रन बना लिए हैं। टीम से रायन रिकेलटन और रोहित शर्मा ओपनिंग करने उतरे। हैदराबाद से मोहम्मद शमी ने पहला ओवर फेंका। सनराइजर्स हैदराबाद ने टॉस हारकर पहले बैटिंग की और 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 162 रन बना दिए। पैट कमिंस ने 8 और अनिकेत वर्मा ने 18 रन बनाकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाया। अभिषेक शर्मा ने 40 और हेनरिक क्लासन ने 37 रन बनाए। मुंबई से विल जैक्स ने 2 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट और हार्दिक पंड्या ने 1-1 विकेट लिया। मुंबई से 20वां ओवर कप्तान हार्दिक पंड्या ने फेंका। उनके खिलाफ अनिकेत वर्मा ने 2 और पैट कमिंस ने 1 छक्का लगाया। इस ओवर में 22 रन बन गए। इससे पहले 18वें ओवर में दीपक चाहर के खिलाफ 21 रन बने थे। हैदराबाद ने 19वें ओवर में पांचवां विकेट गंवाया। जसप्रीत बुमराह ने ओवर की पहली बाल लो फुल

टॉस फेंकी। हेनरिक क्लासन बाल को पूरी तरह मिस कर गए और बोल्ड हो गए। उन्होंने 37 रन बनाए। 17वें ओवर में हैदराबाद ने चौथा विकेट गंवा दिया। ट्रेंट बोल्ट ने ओवर की चौथी बाल फुलर लेंथ फेंकी, नीतीश रेड्डी बड़ा शाट खेलने गए, लेकिन लान्ग आन पर तिलक वर्मा के हाथों कैच हो गए। नीतीश ने 21 गेंद पर 19 रन बनाए। 15वें ओवर में सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने 100 रन पूरे कर लिए। हेनरिक क्लासन ने ट्रेंट बोल्ट के खिलाफ दूसरी बाल पर चौका लगाया और टीम की सेंचुरी पूरी करा दी। 12वें ओवर में मुंबई इंडियंस को तीसरा विकेट मिला। विल जैक्स ने ओवर की पहली बाल ऑफ स्टंप के बाहर शार्ट पिच फेंकी। ट्रैविस हेड लान्ग ऑफ पर मिचेल सैंटनर के हाथों कैच हो गए। हेड ने 29 गेंद पर 28 रन बनाए। 10वें ओवर में ट्रैविस हेड नो बाल पर कैच हो गए। ओवर की तीसरी गेंद हार्दिक पंड्या ने गुड लेंथ पर फेंकी, हेड डीप मिड-विकेट पोजिशन पर कैच हो गए। हेड पवेलियन जाने लगे, लेकिन थर्ड अंपायर ने नो बाल का सायरन बजा दिया। हेड फ्री हिट पर भी कैच हुए। वे इस वक्त 24 रन पर बैटिंग कर रहे थे। 9वें ओवर में सनराइजर्स हैदराबाद ने दूसरा विकेट गंवाया। विल जैक्स ने ओवर की चौथी बाल ऑफ स्टंप के बाहर गुड लेंथ पर फेंकी। ईशान किशन आगे निकलकर बड़ा शाट खेलने गए, लेकिन स्टंपिंग हो गए। वे 2 ही रन बना सके। 8वें ओवर में मुंबई इंडियंस ने पहला विकेट लिया।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शुक्रवार, 18 अप्रैल 2025

वक्फ पर अंतरिम रोक

गुरुवार को उच्चतम न्यायालय द्वारा वक्फ संशोधन अधिनियम पर आया फैसला निश्चित रूप से केंद्र सरकार के लिए किसी झटके से कम नहीं है। मुख्य न्यायधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार तथा न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की तीन सदस्यीय पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर तुषार मेहता की दलील सुनने के बाद कहा कि मौजूदा वक्त में अगली सुनवाई तक कोई बदलाव नहीं होना चाहिए। वक्फ संशोधन मामले की अगली सुनवाई पांच मई को होगी। हालांकि सरकारी वकील तुषार मेहता का कहना था कि वह इस संबंध में केंद्र सरकार की तरफ से चार दिन के भीतर जवाब दाखिल करेंगे और अगली तारीख तक परिषद या बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं होगी। तुषार मेहता का यह भी कहना था कि देश की शीर्ष अदालत ने वक्फ संशोधन अधिनियम पर कुछ ज्यादा ही कठोर रूख अपनाया है। यह अपनाना नहीं चाहिए था। जाहिर है सरकार सुप्रीम कोर्ट में अपनी बात को असरदार तरीके से रख पाने में सफल नहीं हुई। जिस तरह का रूख सुप्रीम कोर्ट का बुधवार को सुनवाई के दौरान देखने को मिला था। तभी साफ हो गया था कि सरकार अपना पक्ष मजबूती के साथ नहीं रख पा रही है। अदालत बुधवार को ही अंतरिम फैसला सुनाने जा रही थी, लेकिन सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की इस अपील पर कि सरकार को और सुनने का मौका दिया जाना चाहिए। तब पीठ गुरुवार को सुनवाई करने के लिए तैयार हो गई थी। अब सब कुछ शीर्ष अदालत के रूख पर निर्भर करेगा कि आगे चलकर वह किस तरह का फैसला सुनाते है। कानूनी जानकार तो यह भी मानकर चल रहे है कि बहुत संभव है कि वह निचली अदालत को सुनवाई के आदेश दे दे, तो अगर ऐसा होता है, तो मामला काफी लंबे समय के लिए लटक सकता है। यह तो पांच मई की सुनवाई के बाद ही पता चलेगा, लेकिन एक बात साफ है यह सरकार के लिए किसी झटके से कम नहीं है। जिस तरह सरकार वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर तेजी से आगे बढ़ रही थी उस पर तो ब्रेक लग ही गया है। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि जब यह मामला अदालत में विचाराधीन है तो लोग भी संयम का परिचय दे, लेकिन यह तभी संभव होगा जब सभी अपनी जिम्मेदारी को ठीक से समझें औरों की तो बात छोड़िए दो बड़े प्रदेशों के मुख्यमंत्री जिस तरह एक-दूसरे से उलझते दिखाई दे रहे है निसंदेह वह बेहद चिंता पैदा करने वाला है। बात तो बदकलामी तक पहुंच गई है। हम बात यहां उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच छीड़े जुबानी जंग की कर रहे है। जहां योगी आदित्यनाथ ममता पर यह आरोप लगा रहे है कि वह दंगाईयों से हमदर्दी रखती है तो वहीं ममता बनर्जी भी योगी को भोगी कहकर उन पर पलटवार कर रहीं है। ऐसी भाषा से बचना होगा। इस तरह की भाषा देश का वातावरण ही खराब करती है। बेहतर यही है कि सब अदालत के फैसले का इंतजार करें।

अब जज विधायी चीजों पर फैसला करेंगे

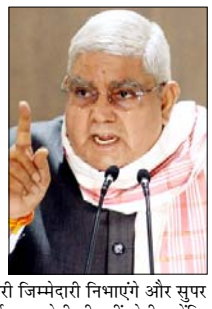

भारत में ऐसे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की थी, जहां न्यायाधीश कानून बनाएंगे और कार्यकारी जिम्मेदारी निभाएंगे और सुपर संसद के रूप में काम करेंगे, ऐसा पहली बार हुआ है, जब राष्ट्रपति को तय समय में फैसला लेने को कहा जा रहा है, एक हालिया फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश दिया गया है, ऐसी कल्पना नहीं की थी, जहां राष्ट्रपति को तय समय में फैसला लेने के लिए कहा जाएगा और अगर वे फैसला नहीं लेंगे, तो कानून बन जाएगा, अब जज विधायी चीजों पर फैसला करेंगे। वे ही कार्यकारी जिम्मेदारी निभाएंगे और सुपर संसद के रूप में काम करेंगे। उनकी कोई जवाबदेही भी नहीं होगी क्योंकि इस देश का कानून उन पर लागू ही नहीं होता।

जगदीप धनखड़
उपराष्ट्रपति

रिटायरमेंट के बाद अकेलेपन की कैद

क्या शहर हमारे बुजुर्गों के लिए बन रहे हैं जेल?

रिटायरमेंट के बाद का अकेलापन केवल एक भावनात्मक पीड़ा नहीं, बल्कि एक गहराता हुआ सामाजिक संकट है, जिसमें बुजुर्गों को उनका ही घर धीरे-धीरे एक ऐसी जेल में बदलता दिखता है, जहां दीवारें बोलती नहीं और लोग सुनते नहीं, संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के उदय ने बुजुर्गों के जीवन में गहरी दरारें डाल दी हैं, एक समय था जब दादी-नानी की कहानियां केवल बच्चों के मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि रिश्तों की जड़ों को सींचने वाली संवेदनाएं थीं

वीरेंद्र कुमार

शहरों की चमचमाती रौशनी के पीछे एक स्याह साया है, जो हर शाम ढलते ही किसी खिड़की में उदासी बनकर टिक जाता है। यह साया किसी बुजुर्ग का है जो रिटायरमेंट के बाद, जीवन की उस अवस्था में पहुंचा है जहां उसे सबसे ज्यादा संवाद, साथ और सम्मान की जरूरत होती है। लेकिन इन महानगरों में, जहां वक्त की क़ीमत दौड़ से तय होती है, वहां उम्रदराज़ लोग अक्सर एक कोने में छूट जाते हैं। रिटायरमेंट के बाद का अकेलापन केवल एक भावनात्मक पीड़ा नहीं, बल्कि एक गहराता हुआ सामाजिक संकट है, जिसमें बुजुर्गों को उनका ही घर धीरे-धीरे एक ऐसी जेल में बदलता दिखता है, जहां दीवारें बोलती नहीं, और लोग सुनते नहीं।

संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के उदय ने बुजुर्गों के जीवन में गहरी दरारें डाल दी हैं। एक समय था जब दादी-नानी की कहानियां केवल बच्चों के मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि रिश्तों की जड़ों को सींचने वाली संवेदनाएं थीं। अब वही बुजुर्ग एक कमरे में टीवी के सामने अकेले बैठते हैं, जिन्हें केवल दवाइयों की समय-सीमा याद रखी जाती है, बाकी किसी संवाद की कोई आवश्यकता नहीं समझी जाती। शहरी जीवन की आपाधापी में बच्चे करियर, ट्रैफिक और प्रतिस्पर्धा में इतने उलझ गए हैं कि उन्हें अपने माता-पिता की आंखों में उगते सन्नाटे दिखाई ही नहीं देते। यह अकेलापन धीरे-धीरे अवसाद में बदलता है, फिर चुप्पी में, और अंततः कभी-कभी एक अनकहे अंत में। भारत जैसे देश में जहां 'मातृ-पितृ देवो भव' जैसी पंक्तियां संस्कृति का हिस्सा रही हैं, वहां रिटायरमेंट के बाद बुजुर्गों के जीवन की विडंबना और भी कटु हो जाती है। शहरों में बुजुर्गों के लिए न सार्वजनिक स्थल हैं, न सामुदायिक संवाद के मंच, और न ही कोई ऐसा तंत्र जो उन्हें जीवन के इस नए चरण में सक्रियता और सम्मान के साथ जीने का अवसर दे। उनकी सारी भूमिका केवल घर की रखवाली, दवाइयों की सूची और कभी-कभार बच्चों की देखभाल तक सीमित रह जाती है। धीरे-धीरे वे अपने ही घर में 'अतिरिक्त' महसूस करने लगते हैं। कुछ बुजुर्ग स्वयं वृद्धाश्रम की शरण लेते हैं, क्योंकि वहां कम से कम कोई उनकी बात तो सुनता है।

मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह एक गंभीर चुनौती है। बुजुर्गों में डिप्रेशन, चिंता, भूलने की बीमारी (**Dementia**), और नींद की समस्याएं आम होती जा रही हैं। खासकर रिटायरमेंट के बाद, जब उनका दिनचर्या, पहचान और सामाजिक भूमिका अचानक ख़त्म हो जाती है, तो वे स्वयं को व्यर्थ महसूस करने लगते हैं। यह स्थिति केवल भावनात्मक नहीं, शारीरिक रूप से भी उन्हें कमजोर बनाती है। कई अध्ययनों से पता चलता है कि जो बुजुर्ग सामाजिक रूप से कटे रहते हैं, उनमें बीमारियां अधिक होती हैं और उनकी मृत्यु दर भी अधिक होती है। इस अकेलेपन की रोकथाम के लिए सबसे पहले समाज को यह समझना होगा कि बुजुर्ग 'निष्क्रिय' नहीं होते उन्हें केवल एक नई भूमिका, एक नई पहचान की आवश्यकता होती है। रिटायरमेंट के बाद की ज़िंदगी, अगर सही रूप से पुनर्गठित की जाए, तो यह 'आत्म-संवर्धन' और 'सामाजिक मार्गदर्शन' का काल बन सकती है। इसके लिए ज़रूरी है कि परिवार अपने बुजुर्गों को सिर्फ सहानुभूति से नहीं, बल्कि सहभागिता से देखें। उन्हें घर के निर्णयों में शामिल करें, उनके अनुभव को सम्मान दें, और उन्हें संवाद का अवसर दें।

समाज स्तर पर बुजुर्गों के लिए सामुदायिक केंद्रों का निर्माण होना चाहिए जहां वे अपनी रुचियों, जैसे संगीत, लेखन, बागवानी या योग के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ सकें। ऐसे समूह बुजुर्गों को उद्देश्य देते हैं और उनके मानसिक स्वास्थ्य को सशक्त करते हैं। कुछ स्थानों पर 'इंटरजनरेशनल संवाद' की पहल की जा रही है, जहाँ बुजुर्ग स्कूल या कॉलेज जाकर अपने अनुभव साझा करते हैं। यह मॉडल बच्चों और बुजुर्गों के बीच संवाद का सेतु बनाता है। सरकार की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। आज भारत में 'राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक नीति' (**National Policy for Senior Citizens**) है, लेकिन यह ज़मीनी स्तर पर बहुत सीमित प्रभाव छोड़ पाई है। सरकार को चाहिए कि वह प्रत्येक शहर में बुजुर्गों के लिए 'डे-केयर सेंटर्स', 'सामाजिक सहभागिता केंद्र' और मानसिक स्वास्थ्य परामर्श केंद्रों की स्थापना करे। बुजुर्गों के लिए पेंशन, स्वास्थ्य बीमा, ट्रांसपोर्ट में रियायत जैसे उपाय तो ज़रूरी हैं, लेकिन उससे भी ज्यादा ज़रूरी है। उन्हें फिर से 'समाज का हिस्सा' महसूस कराना। दूसरे देशों के अनुभव से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं।

जापान में बुजुर्गों के लिए 'इकिगाई' की अवधारणा है, जिसमें उन्हें जीवन के किसी उद्देश्य से जोड़ा जाता है कृ चाहे वह सामुदायिक सेवा हो, बच्चों को नैतिक शिक्षा देना, या स्थानीय स्वच्छता अभियानों में भाग लेना। स्वीडन और नॉर्वे जैसे देशों में बुजुर्गों के लिए रिटायरमेंट के बाद 'सक्रिय नागरिकता' (**active citizenship**) कार्यक्रम चलते हैं, जिनमें वे सामुदायिक निर्णयों में भाग लेते हैं और स्थानीय सरकार के साथ सहयोग करते हैं। कनाडा में कई बुजुर्गों को पार्ट-टाइम वॉलंटियरिंग या प्रोफेशनल मेंटरशिप में शामिल किया जाता है। ये सारे मॉडल दिखाते हैं कि रिटायरमेंट के बाद की ज़िंदगी को अर्थपूर्ण बनाया जा सकता है। बशर्ते समाज और सरकार दोनों इसकी ज़िम्मेदारी लें।

शायद अब समय आ गया है कि हम बुजुर्गों को किसी जिम्मेदारी से मुक्त व्यक्ति नहीं, बल्कि स्मृतियों और अनुभवों की जीवित पुस्तक मानें। जिसे पढ़ने, सुनने और समझने की आवश्यकता है। वे कोई बोझ नहीं हैं, बल्कि हमारे भविष्य की नींव रखने वाले हाथ हैं। अगर हम उनकी ख़ामोशी को नहीं सुन पाए, उनके अकेलेपन को नहीं देख पाए, तो यह हमारी संवेदनशीलता की नहीं, हमारी सभ्यता की हार होगी। जिस समाज की नींव अपने बुजुर्गों को अकेला छोड़ने पर टिकी हो, वह कभी स्थिर नहीं रह सकता। इसलिए यदि हमें भविष्य सुरक्षित करना है, तो हमें अपने अतीत, अपने बुजुर्गों को अपनाना ही होगा। यह सिर्फ कर्तव्य नहीं, बल्कि उस मानवता की पहचान है, जिसके बिना कोई भी समाज समाज नहीं कहलाता।

जीव विज्ञान का मॉडल जीवः हाइड्रा...

डॉ. किशोर पंवार

हाइड्रा का पूरा शरीर 50000 से 10 लाख कोशिकाओं का बना होता है, हाइड्रा में प्रजनन मुख्य रूप से मुकुलन द्वारा होता है, इस प्रक्रिया में हाइड्रा के शरीर पर एक कलिका बनती है और धीरे-धीरे यह कलिका बढ़ने के बाद अलग होकर एक नया हाइड्रा बनता है

हमारे समाज में सेलिब्रिटी उस हस्ती या शख्स को कहा जाता है जो प्रतिष्ठित हो। जिसे अभिनय, राजनीति, फैशन, खेल या संगीत जैसे किसी क्षेत्र में विशेष रुतबा हासिल हो। इन ख्याति प्राप्त लोगों की एक ब्रांड वैल्यू होती है। सेलिब्रिटी के द्वारा विज्ञापित उपभोक्ता सामग्री लोग खरीदते हैं। वे क्या करते हैं? क्या पहनते हैं? उनके घर में कौन सा पंखा या वॉटर प्यूरीफायर है? इन सबकी देखा-देखी लोग शॉपिंग करते हैं, इनकी कहा-कही में आकर युवा अपनी जुबां केसरिया करते हैं। लेकिन, यहां हम जिन सेलिब्रिटीज़ की बात करने जा रहे हैं वे इनसे बिलकुल अलग हैं। ये खुद अपना गुणगान नहीं करते, किंतु उन पर किए गए शोध कार्यों ने मानव स्वास्थ्य, आनुवंशिक बीमारियों और वृद्धावस्था पर महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई है।

हमारे शरीर में जीन्स कैसे काम करते हैं, उनके होने या न होने से क्या फर्क पड़ता है? यह सब जानकारी हमें इन्हीं से पता चली है। दरअसल, कुछ ऐसे प्रयोग भी होते हैं जो नैतिक रूप से इंसानों पर नहीं किए जा सकते। और, हमारे शरीर की जटिलता, लंबा जीवनकाल, बहुत बड़ा जीनोम आदि के कारण ये प्रयोग मनुष्य पर करना संभव भी नहीं है। इसलिए ऐसे महत्वपूर्ण प्रयोग इन मॉडल जीवों पर किए जाते हैं। तो, मॉडल जीव उन्हें कहते हैं जिनका उपयोग आनुवंशिकी, विकास और अन्य जैविक प्रक्रियाओं को समझने के लिए किया जाता है। किसी भी जीव को मॉडल के रूप में चुनते समय शोधकर्ता उनकी स्थिरता, छोटा जीवन चक्र और जीनोम में संसाधनों की उपलब्धि जैसी बातों पर विचार करते हैं।

फलमक्खी (**Drosophila melanogaster**), गोलकृमि (**Caenorhabditis elegans**), घरेलू चूहा (**Mus musculus**), न्यूरोस्पोरा (**Neurospora**), एग्रोबैक्टीरियम ट्यूमिफेशियंस (**Agrobacterium tumefaciens**), एसिटेबुलरिया (**Acetabularia**), हाइड्रा (**hydra**), बेकर्स यीस्ट (**Saccharomyces cerevisiae**), माउस ईयर क्रेस (**Arabidopsis thaliana**) ऐसे ही कुछ मॉडल जीव हैं जिन पर पिछले कई वर्षों से अनुसंधान किया जा रहा है।

हाइड्रा के बारे में...

जीव विज्ञान में हाइड्रा को अमर कहा गया है यानी जो कभी नहीं मरता। इसे हाइड्रा नाम प्रसिद्ध जीव विज्ञानी कार्ल लीनियस ने दिया था। दरअसल यह नाम ग्रीक मायथॉलॉजी में वर्णित एक सर्प के रूप और गुणों पर आधार पर दिया था जिसके नौ सिर थे और एक सिर काटने पर उसके स्थान पर फिर दो सिर उग जाते थे। अर्थात उसमें पुनर्जनन की गज़ब की क्षमता थी। ऐसी ही क्षमता हाइड्रा में भी है, इसके भी दो टुकड़े कर दो तो दोनों टुकड़ों से नए हाइड्रा बन जाते हैं।

हाइड्रा मीठे पानी का एक अकशेरुकी मांसाहारी जीव है। यह एक छोटे ताड़ के पेड़ की तरह दिखता है। पूरा शरीर बेलनाकार नलीलुमा होता है। इसमें एक आधार डिस्क (पैर) होती है, जिससे यह किसी आधार पर चिपका रहता है। डिस्क में ग्रंथि कोशिकाएं होती हैं जो चिपचिपा पदार्थ स्रावित करती हैं। नलीनुमा शरीर के स्वतंत्र सिरे पर एक छिद्र मुंह होता है जो मुंह और गुदा दोनों का काम करता है। यह 4 से लेकर 12 तक संवेदी टेंटेकल्स से घिरा रहता है।

हाइड्रा एक डिप्लोब्लास्टिक जीव है अर्थात इसका शरीर दो परतों से बना होता है। बाहरी परत को एपिडर्मिस कहते हैं, और अंदर की परत गैस्ट्रोडर्मिस कहलाती है, यह पेट की आंतरिक सतह होती है। हाइड्रा का पूरा शरीर 50000 से लेकर 10 लाख को. शिकाओं का बना होता है। हाइड्रा में प्रजनन मुख्य रूप से मुकुलन द्वारा होता है। इस प्रक्रिया में हाइड्रा के शरीर पर एक कलिका बनती है और धीरे-धीरे यह कलिका बढ़ने के बाद अलग होकर एक नया हाइड्रा बनती है। इसे वर्धी प्रजनन कहते हैं। अलबत्ता, कतिपय परिस्थितियों में हाइड्रा में लैंगिक प्रजनन भी होता है।

हाइड्राः एक मॉडल जीव...

हाइड्रा के आणविक और कोशिकीय जीव विज्ञान पर कार्य करने वाली प्रोफेसर सेलिना जूलियानो का कहना है कि जहां तक हम जानते हैं यह जीव ना तो बूढ़ा होता है और ना ही मरता है। आप इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट दीजिए और उन टुकड़ों से पूरा नया जीव बन जाता है। सबसे आश्चर्यजनक बात तो यह है कि यदि हाइड्रा को एक-एक कोशिका में विभाजित कर दें, और उनको मिलाकर एक गेंद बना दें, तो फिर से एक नया हाइड्रा निकल आएगा। इसकी यही क्षमता उपचार और बुढ़ापे के अध्ययन के लिए इसे एक आदर्श मॉडल जीव बनाती है। पेड़-पौधों में तो ऐसा होता ही रहता है।

गुलाब की कलम से एक नया गुलाब का पौधा तैयार हो जाता है। हालांकि पेड़-पौधों में पाया जाने वाला पुनर्जनन का यह गुण हम मनुष्यों में नहीं पाया जाता। पर अगर आ जाए तो कितना बढ़िया होगा, कटे हुए हाथ की जगह नया हाथ, और दुर्घटना में खोई हुई टांग की जगह नई टांग! यह कोई खाम-ख्याली नहीं है। प्रयोगशाला में वैज्ञानिकों ने लीवर के टुकड़े से पूरा लीवर फिर से बना लिया है, त्वचा को भी उगा लिया है। बस कुछ और काम बाकी हैं जो हाइड्रा पर अनुसंधान की मदद से और उसकी पुनर्जनन क्षमता को बेहतर समझ से जल्दी ही पूरे हो जाएंगे।

स्रोत फीचर्स

जूलियानो द्वारा हाइड्रा की प्रत्येक प्रकार की कोशिका में अभिव्यक्त जीन्स को सटीक रूप से पहचान लिया गया है, उनके कार्यों के बारे में जानकारी जुटा ली गई है। आजकल इस जीन अभिव्यक्ति को बेहतर ढंग से नियंत्रित करने के लिए औज़ार भी विकसित किए जा रहे हैं। बुढ़ाने पर काम करने वाले डेनियल मार्टीनेज़ ने 1998 में एक्सपेरिमेंटल जेरेन्टोलॉजी नामक एक शोध पत्रिका में दावा किया था कि हाइड्रा जैविक रूप से अमर है। हाइड्रा की स्टेम कोशिकाओं में अनिश्चितकाल तक स्व-नवीनीकरण की क्षमता होती है। और लगातार स्व-नवीनीकरण करने में प्रतिलेखन (**transcription**) कारक 'फोर्कहेड बॉक्स-ओ' यानी फॉक्स-ओ की भूमिका होती है। द्विपक्षीय सममिति (**bilateral symmetry**) वाले जीवों, जैसे फल मक्खियों और कृमि मॉडलों, में यदि इस प्रतिलेखन कारक को हटा दिया जाए तो उनका जीवनकाल काफी कम हो जाता है। हाइड्रा वल्गैरिस एक चक्रीय सममिति वाला जीव है। प्रयोग द्वारा देखा गया है कि जब फॉक्स-ओ के स्तर में कमी आती है तो हाइड्रा की कई प्रमुख विशेषताओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है लेकिन फिर भी उसकी मृत्यु नहीं होती।

गुड फ्राइडे : प्रेम की सूली पर टिका युगों का उजाला

गुड फ्राइडे, ईस्टर संडे से पहले आने वाला शुक्रवार होता है और इस वर्ष यह 18 अप्रैल को मनाया जा रहा है, यह दिन पूरी दुनिया के ईसाइयों के लिए गहरे आत्मनिरीक्षण, प्रार्थना, उपवास व बलिदान का स्मरण करने का दिन है

ईसा मसीह के उस महान बलिदान की याद में मनाया जाने वाला दिन है 'गुड फ्राइडे', जिसे ईसाई समुदाय श्रद्धा, शोक और आत्मचिंतन के रूप में मनाता है। यह दिन न केवल ईसा मसीह की सूली पर चढ़ाए जाने की घटना को स्मरण करने का दिन है बल्कि प्रेम, क्षमा, दया, करुणा और मानवता के सर्वोच्च मूल्यों की पुनः स्थापना का अवसर भी है। गुड फ्राइडे का महत्व केवल एक ऐतिहासिक घटना तक सीमित नहीं है बल्कि यह उस सार्वभौमिक संदेश को भी प्रकट करता है, जो युगों-युगों तक मानव समाज को प्रेरणा देता रहेगा। ईसाई मान्यताओं के अनुसार, करीब दो हजार वर्ष पूर्व जब समाज में धार्मिक पाखंड, अंधविश्वास, अन्याय और अमानवीयता अपने चरम पर थी, तब ईसा मसीह एक ऐसे सुधारक के रूप में प्रकट हुए, जिन्होंने मानवता को सत्य, प्रेम, अहिंसा, दया और क्षमा का मार्ग दिखाया। वे लोगों को यह सिखाते थे कि ईश्वर का सच्चा उपासक वही है, जो दूसरों की सेवा करता है और दूसरों के प्रति प्रेम, दया और करुणा रखता है। ईसा मसीह का सम्पूर्ण जीवन परोपकार, त्याग और मानवता की सेवा के लिए समर्पित रहा। गुड फ्राइडे उस ऐतिहासिक शुक्रवार का स्मरण है, जब धार्मिक कट्टरपंथियों की ईर्ष्या, भय और राजनीतिक साजिशों के चलते ईसा मसीह को यरूशलम में क्रॉस पर लटका दिया गया था। उस समय के धार्मिक नेताओं को ईसा मसीह के उपदेशों से यह भय सताने लगा था कि यदि लोग उनकी बातों पर विश्वास करने लगे तो उनका प्रभुत्व समाप्त हो जाएगा। ईसा मसीह के विचार समाज में व्यापक रूप से फैलने लगे थे। लोग उन्हें परमेश्वर का पुत्र मानने लगे थे और उनके पास अपनी पीड़ाओं का समाधान खोजने लगे थे। यह देखकर धार्मिक प्रतिष्ठान असुरक्षित महसूस करने लगे और अंततः षड्यंत्रपूर्वक उन्हें क्रॉस पर लटकाने का निर्णय लिया गया। ईसा मसीह का यह बलिदान केवल उनकी मृत्यु नहीं थी बल्कि एक ऐसा आदर्श बन गया, जो दर्शाता है कि सच्चाई, प्रेम और करुणा के मार्ग पर चलने वाले व्यक्ति को कितनी भी यातना दी जाए, वह अपनी ध्येयनिष्ठा से विचलित नहीं होता। ईसा मसीह ने सूली पर चढ़ते हुए भी अपने हत्यारों के लिए प्रार्थना की थी, 'हे परमपिता! इन्हें क्षमा करना, ये नहीं जानते ये क्या कर रहे हैं।' यह कथन आज भी क्षमा और करुणा की पराकाष्ठा का प्रतीक माना जाता है।

गुड फ्राइडे, ईस्टर संडे से पहले आने वाला शुक्रवार होता है और इस वर्ष यह 18 अप्रैल को मनाया जा रहा है। यह दिन पूरी दुनिया के ईसाइयों के लिए गहरे आत्मनिरीक्षण, प्रार्थना, उपवास और बलिदान को स्मरण करने का दिन होता है। इस दिन चर्चों में विशेष पूजा-अर्चना होती है। पारंपरिक रूप से इस दिन चर्च की घंटियां नहीं बजाई जाती बल्कि लकड़ी के खटखटे बजाए जाते हैं, जो इस दिन की गंभीरता और शोक को व्यक्त करते हैं। लोग काले वस्त्र धारण कर ईसा मसीह के बलिदान को स्मरण करते हैं, चर्चों में जाकर क्रॉस को चूमते हैं और प्रभु ईशु के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करते हैं। गुड फ्राइडे के दिन कई स्थानों पर नाटय रूपांतरण के माध्यम से 'क्रूसीफिक्शन' यानी ईसा को क्रॉस पर चढ़ाने की घटना का दृश्य प्रस्तुत किया जाता है। इससे लोगों को उस ऐतिहासिक घटना को समझने और महसूस करने का अवसर मिलता है। अनुयाई इस दिन अपने गुनाहों के लिए क्षमा मांगते हैं, संयम और आत्मनियंत्रण का पालन करते हैं तथा सांसारिक भोग-विलास से दूरी बनाते हैं।

कैथोलिक परंपरा के अनुसार, गुड फ्राइडे से 40 दिन पहले उपवास और प्रार्थना की अवधि आरंभ हो जाती है। यह अवधि 'लेन्ट' कहलाती है और इसकी शुरुआत 'राख बुधवार' से होती है। इस दिन से ईसाई अनुयायी संयम, उपवास, पश्चाताप और प्रार्थना में लीन हो जाते हैं। 'राख बुधवार' का महत्व इस बात से है कि इस दिन अनुयायी अपने माथे पर राख का चिह्न लगाते हैं, जो इस बात का प्रतीक है कि मनुष्य नश्वर है और उसे अपने पापों के लिए ईश्वर से क्षमा मांगनी चाहिए। यह उपवास काल ईसा मसीह के उन चालीस दिनों की याद दिलाता है, जब उन्होंने मानव सेवा आरंभ करने से पहले रेगिस्तान में एकांतवास किया और उपवास रखते हुए ईश्वर की आराधना की। गुड फ्राइडे के दिन चर्चों और घरों से सजावटी वस्तुएं हटा दी जाती हैं या उन्हें कपड़े से ढक दिया जाता है। यह सादगी और शोक का प्रतीक है। यह दिन बाहरी चमक-धमक की जगह अंतर्मन की शुद्धता, संयम और आंतरिक प्रकाश को महत्व देने का दिन होता है। चर्चों में कोई विवाह समारोह, उत्सव या जश्न नहीं होता बल्कि यह दिन आत्मचिंतन और प्रभु ईशु के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने का अवसर प्रदान करता है। 'प्रेम ही ईश्वर है' ईसा मसीह के जीवन का संदेश था। उन्होंने मानव प्रेम की सीमाओं को तोड़कर उसे एक सार्वभौमिक स्वरूप प्रदान किया। वे जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र से ऊपर उठकर प्रत्येक व्यक्ति को अपना भाई और बहन मानते थे। उन्होंने बताया कि ईश्वर की आराधना केवल धार्मिक अनुष्ठानों से नहीं बल्कि सेवा, दया, करुणा और परोपकार से होती है। उन्होंने जीवनभर पापियों, दरिद्रों, रोगियों और उपेक्षितों के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार किया। उन्होंने मानवता के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। ईसा मसीह का बलिदान मानवता के लिए एक अमूल्य प्रेरणा है। उन्होंने बताया कि सत्य के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति कष्टों से भले ही गुजरे परंतु उसकी आत्मा सदा मुक्त और शांत रहती है। उनके अनुयायी उन्हें 'शांति-दूत', 'क्षमा-मूर्ति' और 'महात्मा' के रूप में पूजते हैं। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि व्यक्ति जब दूसरों की भलाई के लिए अपना जीवन समर्पित कर देता है, तब वह स्वयं भी ईश्वर से एकाकार हो जाता है। ईसाई मान्यताओं के अनुसार, गुड फ्राइडे के तीन दिन बाद रविवार को एक चमत्कारी घटना घटित हुई, जब ईसा मसीह पुनः जीवित हो गए। इसे 'ईस्टर संडे' के रूप में मनाया जाता है। यह ईसाई धर्म का सबसे पावन पर्व माना जाता है क्योंकि यह न केवल पुनरुत्थान का प्रतीक है बल्कि विजय का प्रतीक भी है, मृत्यु पर जीवन की, अंधकार पर प्रकाश की और पाप पर पुण्य की। कहा जाता है कि ईसा मसीह पुनरुत्थान के पश्चात 40 दिनों तक अपने शिष्यों और अनुयायियों के बीच रहे। मरियम मदीलिनी नामक महिला को उन्हें सबसे पहले देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जो ईस्टर की सुबह उन्हें देखने गई थी।

योगेश कुमार गोयल

घर पर 15 मिनट में बनाकर तैयार करें पेरी-पेरी सॉस

दक्षिण अफ्रीका में पेरी-पेरी सॉस बड़े चाव के साथ खाई जाती है। इसका स्वाद मसालेदार होता है, इस वजह से इसको पेरी-पेरी सॉस के नाम से जाना जाता है। आमतौर पर चिकन, मांस और सब्जियों के साथ यह सॉस सर्व किया जाता है। इस सॉस की यह खासियत होती है कि इसका स्वाद तीखा और मसालेदार होता है। यह सॉस हर स्नैक्स को स्वादिष्ट बनाता है। पेरी-पेरी सॉस को बहुत ही खास तरीके से तैयार किया जाता है और इसमें पेरी-पेरी मिर्च का इस्तेमाल किया जाता है।

पेरी-पेरी मिर्च के कारण इसका स्वाद काफी खास हो जाता है। लेकिन हर जगह यह मिर्च नहीं मिलती है। लेकिन इसको अलग-अलग तरीकों से तैयार किया जाता है। अगर आप भी पेरी-पेरी सॉस बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए जरूरी नहीं है कि आपके पास पेरी-पेरी मिर्च हो। आप नॉर्मल मिर्च से भी यह सॉस बनाकर तैयार कर सकते हैं।

सामग्री...

- पेरी पेरी मिर्च-1 कप
- लहसुन कलियां- आधा कप
- अदरक का पेस्ट- 1/4 कप
- टोमेटो सॉस- 2 बड़े चम्मच
- नींबू का रस- 1/4 कप
- चीनी- 1 बड़ा चम्मच
- जैतून का तेल- 1/4 कप
- काली मिर्च पाउडर-आधा छोटा चम्मच
- नमकः स्वादानुसार
- लाल मिर्च पाउडरः आधा छोटा चम्मच

पेरी पेरी सॉस की विधि...

सबसे पहले ऊपर बताई गई सभी सामग्रियों को तैयार करके रख लें और फिर पेरी पेरी मिर्च या मिर्च को धोकर साफ कर लें। इनके बीज भी निकाल दें।

अब लहसुन की कलियों को छील लें और अदरक का पेस्ट बना लें। फिर एक ब्लेंडर में पेरी-पेरी मिर्च, लहसुन, जैतून का तेल, नींबू का रस, अदरक, नमक, चीनी, लाल मिर्च पाउडर और काली मिर्च पाउडर डालकर स्मूद सा पेस्ट बना लें।

इसके बाद एक पैन में सॉस को हल्की आंच पर गर्म करें और 5 से 7 मिनट तक पकाएं। इसको तब तक पकाएं जब तक कि यह सॉस गाढ़ा न हो जाए। अब सॉस को ठंडा करने के लिए एक ओर रख दें।

इस तरह से पेरी-पेरी सॉस बनकर तैयार हो जाएगा, जिसको आप स्नैक्स के साथ सर्व कर सकते हैं। वहीं अगर आप इसको तीखा रखना चाहते हैं, तो आप पेरी-पेरी मिर्च या लाल मिर्च पाउडर का अधिक इस्तेमाल कर सकते हैं।

खाली करना ही होगा पीओके

- पाक आर्मी चीफ के टू-नेशन थ्योरी वाले बयान पर विदेश मंत्रालय ने कहा-बांग्लादेश बनते ही यह थ्योरी फेल हुई
- जनरल मुनीर ने कश्मीर को पाक के गले की नस व टू नेशन थ्योरी को लेकर विवादित बयान दिया

नई दिल्ली/इस्लामाबाद। भारत सरकार ने गुरुवार को कहा कि पीओ. के भारत का अभिन्न अंग है। इस पर पाकिस्तान का अवैध रूप से कब्जा है। पाकिस्तान को पीओके हर हाल में खाली करना पड़ेगा। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ के कश्मीर और टू नेशन थ्योरी वाले बयान पर यह प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। उनके टू नेशन थ्योरी वाले बयान पर जायसवाल ने कहा कि यह थ्योरी 1971 में बांग्लादेश की आजादी के बाद ही खारिज हो चुकी थी। पाकिस्तान के आर्मी चीफ मुनीर ने बुधवार को कश्मीर को पाकिस्तान के गले की नस बताया था। जनरल मुनीर ने इस्लामाबाद में पहले ओव. रसीज पाकिस्तानी सम्मेलन में बुधवार को कश्मीर और टू नेशन थ्योरी को लेकर विवादित बयान दिया था। जनरल मुनीर ने इस्लामाबाद में पहले ओवरसीज पाकिस्तानी सम्मेलन में बुधवार को कश्मीर और टू नेशन थ्योरी को लेकर विवादित बयान दिया था। पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने कहा है कि पाकिस्तान की नींव कलमे (इस्लाम धर्म का मूल मंत्र) पर रखी गई है। हम हर मामले में हिंदुओं से अलग हैं। हमारा धर्म अलग है, हमारे रीति-रिवाज अलग हैं। हमारी संस्कृति और सोच अलग है। यही टू-नेशन थ्योरी की नींव थी। इस्लामाबाद में पहले ओवरसीज पाकिस्तानी सम्मेलन में जनरल मुनीर ने कहा था कि पाकिस्तान की कहानी अपने बच्चों को आपको जरूर सुनानी है। हमारे पूर्वजों ने सोचा कि हम हिंद. ओं से अलग हैं। हमारी सोच, हमारी महत्वाकांक्षाएं अलग हैं। इसी वजह से हम दो देश हैं, एक देश नहीं हैं। इस देश के लिए हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिया है। हम जानते हैं कि इसकी रक्षा कैसे करनी है। जनरल मुनीर ने कहा-आज तक सिर्फ दो रियासतों की बुनियाद कलमे पर पड़ी। पहली रियासत-ए-तैयबा, क्योंकि तैयबा को हमारे नबी (मोहम्मद साहब) ने नाम दिया था। आज उसे मदीना कहते हैं। वहीं, दूसरी रियासत 1300 साल बाद अल्लाह ने पाकिस्तान बनाई। जनरल मुनीर ने कश्मीर को गले की नस बताया था। मुनीर ने कश्मीर को पाकिस्तान की गले की नस बताया था। उन्होंने कहा, हमारा रुख बिल्कुल साफ है। कश्मीर हमारी गले की नस था, है और रहेगा। हम इसे कभी नहीं भूलेंगे। हम अपने कश्मीरी भाइयों को उनके वीरतापूर्ण संघर्ष में अकेले नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कश्मीर को गाजा से जोड़ते हुए कहा, पाकिस्तानियों का दिल गाजा के मुसलमानों के साथ धड़कता है। जनरल मुनीर ने बलूचिस्तान में बढ़ते अलगाववादी आंदोलनों और आतंकी गतिविधियों पर भी कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी बीएलए को चेतावनी देते हुए कहा कि बलूचिस्तान पाकिस्तान का गौरव है। क्या आप इसे आसानी से छीन लेंगे? दस पीढ़ियां भी इसे नहीं ले पाएंगी। इंशाअल्लाह, हम इन आतंकियों को जल्द ही कुचल देंगे। उन्होंने बलूचिस्तान में हाल के हमलों, जैसे मार्च 2025 में जफर एक्सप्रेस ट्रेन के अपहरण का जिक्र किया और कहा कि 1500 आतंकी देश का भविष्य नहीं बदल सकते। अगर 13 लाख सैनिकों वाली भारतीय सेना पाकिस्तान को डरा नहीं सकी, तो आतंकी कैसे डरा सकते हैं। जनरल मुनीर ने आतंकवाद के कारण निवेश न आने की चिंताओं को खारिज करते हुए कहा, क्या आपको लगता है कि आतंकी देश का भाग्य छीन सकते हैं? जब तक पाक जनता सेना के साथ है, कोई भी चुनौती हमें नहीं रोक सकती। सवाल यह नहीं कि पाक कब तरक्की करेगा, सवाल यह है कि कितनी तेजी से करेगा।

भारत-चीन से व्यापार बढ़ाना चाहता है ईरान

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामनेई ने भारत, चीन और रूस जैसे देशों के व्यापार बढ़ाने की बात कही।

उन्होंने कहा कि ईरान को एशिया के आर्थिक केंद्र वाले देशों के साथ आर्थिक संबंध बढ़ाने चाहिए और पड़ोसी देशों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 2 अप्रैल को दुनिया के सभी देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया था, जबकि चीन को छोड़कर बाकी सभी देशों के लिए 90 दिन तक रोक दिया गया। ऐसे में दुनिया के ज्यादातर देश अमे. रिका पर निर्भरता कम करने के लिए रीजनल व्यापार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं।

मेहुल चोकसी को वापस लाने की कोशिश जारी

भगोड़ा हीरा कारोबारी और पंजाब नेशनल बैंक घोटाले का मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी पर 13,850 करोड़ रुपये का घोटाला करने का आरोप है, पिछले महीने खुलासा हुआ था कि मेहुल चोकसी बेल्जियम में है।

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को मीडिया को बताया कि भारत सरकार भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण के लिए बेल्जियम के साथ मिलकर काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार की औपचारिक अपील पर शनिवार को चोकसी को बेल्जियम के एंटवर्प में गिरफ्तार किया गया था। भगोड़ा हीरा कारोबारी और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले का मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी पर 13,850 करोड़ रुपये का घोटाला करने का आरोप है। पिछले महीने खुलासा हुआ था कि मेहुल चोकसी बेल्जियम में है। रिपोर्ट्स के मुता. बिक, मेहुल पत्नी प्रीति चोकसी के साथ रह रहा है, जिन्हें बेल्जियम की नागरिकता मिली है। बेल्जियम के विदेश मंत्रालय ने ही चोकसी की मौजूदगी की जानकारी दी थी। सूत्रों के मुताबिक, मेहुल चोकसी बेल्जियम से स्विट्जरलैंड भागने की कोशिश कर रहा था।

फ्रांसीसी राजदूत थिएरी माथु ने हरमंदिर साहिब में टेका मत्था

अमृतसर। फ्रांसीसी राजदूत थिएरी माथु ने गुरुवार को हरमंदिर साहिब में मत्था टेका। दरबार साहिब के दर्शन करते समय राजदूत माथु ने गुरबाणी कीर्तन का श्रवण किया तथा गुरु रामदास जी के लंगर में भी गए। उन्होंने कहा कि उन्हें इस पवित्र स्थान पर आकर गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने शिरोमणि कमेटी से मिले सम्मान के लिए पदाधिकारियों का भी आभार व्यक्त किया। शिरोमणि कमेटी के सचिव प्रताप सिह राजदूत माथु को दरबार साहिब का स्वर्णिम मॉडल, लोई और धार्मिक पुस्तकें देकर सम्मानित किया।

ट्रम्प-मेलोनी की मुलाकात में टैरिफ समाधान की उम्मीद

मॉस्को। यूरोपीय संघ (ईयू) के व्यापार वार्ताकारों को उम्मीद है कि इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेला. नी की वाशिंगटन यात्रा और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ उनकी बैठक अमेरिकी टैरिफ मांगों पर मंजूरी मिल सकती है। द फाइनेंशियल टाइम्स में गुरुवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट यह जानकारी दी गई। समाचार पत्र की रिपोर्ट में कहा है कि ब्लॉक के वार्ताकारों ने कथित तौर पर शिकायत की है कि उन्हें अमे. रिकी मांगों के बारे में जानकारी नहीं दी गई है और अब उन्हें उम्मीद है कि सु. मेलोनी की यात्रा से स्थित स्पष्ट हो जाएगी। इसके साथ ही नाटो में इटली के पूर्व राजदूत स्टेफानो स्टेफनिनी का मानना है कि इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी को यूरोपीय संघ के मध्यस्थों पर इसका लाभ मिल सकता है क्योंकि वह निर्णायकों से बात कर रही हैं और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ उनके मधुर संबंध हैं। चार यूरोपीय संघ देशों के अनाम राजनयिकों ने बताया कि पारस्परिक टैरिफ पर इटली के नरम रुख की कुछ सदस्य देशों द्वारा आला. चना की जाती है, लेकिन उन्होंने बताया कि ट्रम्प के साथ सु. मेलोनी के मधुर संबंध फायदेमंद साबित हो सकते हैं। इतालवी प्रधानमंत्री ने सार्वजनिक रूप से ब्रुसेल्स के इस प्रस्ताव का समर्थन किया कि यदि वाशिंगटन भी ऐसा ही करता है तो वह औद्योगिक वस्तुओं पर सभी टैरिफ हटा लेगा, हालांकि वार्ता के बारे में जानकारी रखने वाले राजनयिकों ने कथित तौर पर कहा कि अमेरिका टैरिफ कम करने में रुचि नही रखता है और उसके घोषित 10 प्रतिशत टैरिफ दर के बने रहने की संभावना है।

अमेरिकी टैरिफ वृद्धि अब आर्थिक रूप से तर्कसंगत नहीं: चीन

बीजिंग। चीन ने कहा है कि उनके देश से आयातित कुछ उत्पादों पर अमे. रिका द्वारा लगाया गया 245 प्रतिशत टैरिफ अब आर्थिक रूप से तर्कसंगत नही रह गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि चीन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उस पर अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ में अत्यधिक वृद्धि केवल आंकड़ों का खेल बन चुकी है, जिससे आर्थिक रूप से अब कोई वास्तविक अंतर नही पड़ता, सिवाय इसके कि यह और अधिक स्पष्ट हो जाता है कि कैसे अमेरिका दूसरों को मजबूर करने एवं धमकाने के लिए टैरिफ का उपयोग करता है। प्रवक्ता ने कहा कि चीन इन युद्धों में शामिल नही होना चाहता।

वार्ताकार गाजा के बंधकों की रिहाई के प्रयास जारी रखें: इजरायल

यरूशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इजरायली वार्ताकारों को गाजा में अभी भी बंधकों की रिहाई के प्रयास जारी रखने को आदेश दिया। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक संघर्ष विराम बहाल करने के प्रयास ठप लग रहे हैं।

बयान में कहा गया है कि नेतन्याहू ने गाजा में बंधकों की रिहाई के लिए कदम जारी रखने का आदेश दिया है। यह फैसला सुरक्षा अधिकारियों और वार्ताकारों के साथ बैठक के बाद लिया गया, जहां 59 बंधकों की स्थिति पर चर्चा हुई। इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी ने बताया कि इस बीच, मिस्र और कतर ने हमास को 10 बंधकों की रिहाई तथा अस्थाई युद्धविराम का नया प्रस्ताव दिया है, जिस पर हमास विचार कर रहा है।

तकनीकी बारीकियों को परखने ब्राजील के खेतों में उतरे शिवराज

वर्षा में उसमें जल इकट्ठा होता है और उस पानी को यहां स्प्रिंकलर जैसी जो रचना बनी है, उसमें देते हैं ताकि कम पानी में ज्यादा सिंचाई हो सके और पूरा कंट्रोल्ड सिस्टम है। जितना पौधे को न्यूट्रिएंट चाहिए और जितना पानी चाहिए, उतना ही पानी जाता है। शिवराज ने ब्राजील में मक्का के खेतों में पहुंचकर नरवाई निपटान तकनीक को समझा।

ब्रासीलिया/ नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान मंत्री शिव. राज सिह चौहान गुरुवार को ब्राजील के खेतों में उतरे और टमाटर मक्का एवं सोयाबीन सहित कई फसलों को जांचा परखा तथा तकनीक के प्रयोग और प्रक्रिया के तरीकों को समझा।

चौहान ने ब्राजील के ब्रासीलिया में कृषि कार्यों को देखने के लिए खेतों में गए और खेती में प्रयोग की जा रही मशीनों तथा प्रक्रियाओं को देखा। चौहान ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों की 15वीं बैठक के लिए ब्राजील प्रवास पर हैं। केंद्रीय मंत्री ने ब्राजील में सोयाबीन उत्पादन संयंत्र और टमाटर के खेतों सहित कुछ अन्य स्थानों का दौरा किया। उन्होंने ब्राजील में, खेती में अपनाई जा रही मशीनों और सिंचाई की अत्याधुनिक पद्धतियों का अवलो. कन किया। चौहान ने कहा कि भारतीय कृषि के और तेजी से विकास के लिए ब्राजील से प्रतिनिधिमंडल को आमंत्रित किया गया है। केन्द्रीय मंत्री ब्राजील के कृषि मंत्री के साथ टमाटर और मक्का के खेत पर भी पहुंचे। उन्होंने कहा कि यहां आकर मैं खेती देख रहा हूं और यहां से सीख भी रहा हूं और भारत में हम कैसे हम मिलकर इस दिशा में खेती को आगे ले जा सकते हैं, उत्पादन बढ़ाने के लिए भी, उस दिशा में भी प्रयत्न करेंगे। ब्राजील के सोयाबीन उत्पादन संयंत्र का अवलोकन करते हुए, चौहान ने भारत में सोयाबीन के क्षेत्र के विकास पर कहा कि भारत में सोयाबीन का उत्पादन बघने और प्रसंस्करण के क्षेत्र में भी ब्राजील के साथ मिलकर काम किया जा सकता है। ब्राजील से भारत सोया तेल आयात करता है। उन्होंने कहा कि भारत में सोया संयंत्र लगाने पर विचार किया जा सकता है। कपास के क्षेत्र में भी दोनों देश मिलकर काम कर सकते हैं।

ताइवान ने चीन के 34 विमान, छह जहाज़ ढूंढे

बीजिंग। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि उसने पिछले 24 घंटों में चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 34 विमान और छह जहाजों का पता लगाया है। जिसमें से 22 विमानों ने ताइवान की सीमा में प्रवेश किया था। मंत्रालय ने कहा कि आज सुबह छह बजे (बुधवार को 22:00 जीएमटी) तक ताइवान के आसपास 34 पीएलए विमान, छह पीएलएएन जहाज और 2 आधिकारिक जहाजों का पता लगाया गया।ह मंत्रालय ने उल्लेख किया कि इनमें से 22 विमानों ने ताइवान जलडमरू मध्य की मध्य रेखा को पार कर ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। ताइवान ने स्थिति पर नज़र रखने के लिए विमान, नौसैनिक जहाज और तटीय-आधारित मिसाइल सिस्टम तैनात किए हैं।

यह घटना चीन और ताइवान के बीच बढ़ते तनाव की पृष्ठभूमि में हुई है। चीन ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है और उसे बलपूर्वक अपने अधीन करने की बात करता है। ताइवान स्वयं को स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र मानता है।

गाजा पर बमबारी, 19 फलस्तीनी मरे

गाजा के उत्तर-पूर्व में अल-तुफ्फा में हसौना परिवार के घर को निशाना बनाया

गाजा। गाजा पट्टी के विभिन्न क्षेत्रों में हुए इजरायली हमलों में कम से कम 19 फलस्तीनी मारे गए। यह जानकारी गाजा के नागरिक सुरक्षा ने दी। नागरिक सुरक्षा प्रवक्ता महमूद बसल ने सिन्हुआ से बुधवार को कहा कि गाजा शहर के उत्तर-पूर्व में अल-तुफ्फा में हसौना परिवार के घर को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमले में बच्चों और महिलाओं सहित 10 लोग मारे गए। गाजा पट्टी के उत्तर में जबालिया क्षेत्र में इजरायली सेना ने तीन लोगों की हत्या कर दी और अन्य को घायल कर दिया। गाजा पट्टी के दक्षिण में खान यूनिस में इजरायली ड्रोन हमलों में कम से कम दो बच्चों सहित पांच लोगों की मौत हो गई। बसल ने कहा कि एक इजरायली विमान ने नुसेरात के केंद्रीय शहर में विस्थापितों को भोजन वितरित करने वाले एक तंबू को निशाना बनाया, जिसमें एक फलस्तीनी मारा गया। फलस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि बुधवार की सुबह से ही इजरायली तोपखाने की गोलाबारी गाजा शहर के पूर्वी इलाक. ों, बेत हनून और उत्तरी गाजा पट्टी के बेत लाहिया इलाकों पर जारी है। इस बीच, हमास की सशस्त्र शाखा अल-कस्साम ब्रिगेड ने एक बयान में कहा कि उसके सदस्यों ने गाजा शहर के पूर्व में अल-वफा अस्पताल के पास तीन इजरायली मर्कवा 4 टैंकों को निशाना बनाया। इजरायली सेना ने अभी तक हमलों पर कोई टिप्पणी नही की है। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने बुधवार को एक बयान में कहा कि 18 मार्च से गाजा पट्टी में नवीनीकृत अभियान के अंतर्गत हमास के राजनीतिक ब्यूरो के कुल 11 वरिष्ठ अधिकारी मारे गए हैं। इसने कहा कि अब तक नवीनीकृत अभियान के अंतर्गत इजरायली वायुसेना के 350 लड़ाकू विमानों और विमानों द्वारा लगभग 1,200 आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए गए हैं। 100 से अधिक लक्षित ठिकानों को नष्ट किया गया है और गाजा पट्टी में आतंकी संगठनों के सैकड़ों आतंकवादियों और सैन्य कमांडरों को मार गिराया गया है। गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों ने बुधवार को घोषणा किया कि पिछले 24 घंटों में गाजा में कम से कम 25 लोग मारे गए तथा 89 अन्य घायल हुए।

आईएमएफ से ऋण दिलाने में मदद के लिए चीन का धन्यवाद: शहबाज

इस्लामाबाद/बीजिंग। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने चीन को अपना सबसे सच्चा मित्र बताते हुए कहा कि आईएमएफ से ऋण प्राप्त करने में चीन की कूटनीतिक और वित्तीय सहायता बहुत महत्वपूर्ण थी। उल्लेखनीय है कि 26 मार्च को, आईएमएफ के कर्मचारियों ने पाकिस्तान के साथ 1.3 अरब डॉलर के नए समझौते पर पहुंचने के साथ-साथ वर्तमान में चल रहे 37 महीने की बेलआउट कार्यक्रम की पहली समीक्षा पर भी सहमति व्यक्त की। पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान की वित्तीय स्थिति बहुत खराब हो चुकी है, उसका विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से घट रहा है, जिसके कारण विभिन्न क्षेत्रों में सुधार की कमी के कारण वह अक्सर आईएमएफ की ऋण मांगों को पूरा करने में असमर्थ हो जाता है। चीन से समय पर मिले ऋण ने पाकिस्तान को आईएमएफ, विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक जैसी संस्थाओं से ऋण लेने में मदद की है। डॉन के अनुसार, पिछले महीने, चीन ने इस्लामाबाद को 2 अरब डॉलर के ऋण की पुनर्भुगतान अवधि एक वर्ष बढ़ा दी, जिससे बहुत आवश्यक वित्तीय राहत मिली और पाकिस्तान के संकटग्रस्त कम विदेशी मुद्रा भंडार को स्थिर करने में मदद मिली। सरकार सितम्बर 2024 में सात अरब डॉलर के आईएमएफ बेलआउट को सुरक्षित करने के बाद अपने वित्त को मजबूत करने पर काम कर रही है।

ब्रिटेन में ट्रांसजेंडर को नहीं माना जाएगा महिला

ब्रिटिश सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण देने से इन्कार किया, कहा- महिला वही जो जन्म से फीमेल

लंदन। ब्रिटेन में अब ट्रांसजेंडर को महिला नहीं माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को महिला होने की कानूनी परिभाषा पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि जो जन्म से महिला यानी बायोलॉजिकल फीमेल है, उसे ही महिला माना जाएगा। कोर्ट के इस फैसले से ट्रांसजेंडर अधिकारों पर लंबे समय तक असर पड़ेगा। कोर्ट ने समानता अधिनियम 2010 की व्याख्या करते हुए बताया कि महिला और लिंग शब्द बायोलाजिकल फीमेल और बायोलॉजिकल जेंडर को बताते हैं। पांच जजों की बैंच ने सर्वसम्मति से यह फैसला दिया। बैंच में शामिल जज पैट्रिक हाज ने कहा कि यह एक्ट ट्रांसजेंडर लोगों को उनके साथ जेंडर के आधार पर होने वाले भेदभाव से सरंक्षण देता है। 2018 में स्काटलैंड की सरकार ने एक कानून बनाया, जिसमें सार्वजनिक संस्थाओं में 50 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी जरूरी थी। इस कानून में ट्रांसजेंडर महिलाओं (जिनके पास जेंडर रिकग्निशन सर्टिफिकेट या जीआरसी है) को भी महिला माना गया। फार वुमन स्काटलैंड नाम के समूह ने इसका विरोध किया और कहा कि यह कानून महिला की परिभाषा को गलत तरीके से बदल रहा है। पांच जजों ने एकमत से कहा कि इक्विलिटी एक्ट में महिला और सेक्स का मतलब जन्म से महिला और प्राकृतिक सेक्स है। ट्रांसजेंडर महिलाएं, भले ही उनके पास जीआरसी हो, लेकिन कानूनी रूप से वे महिला की कैटगरी में नहीं आएंगी। कोर्ट ने कहा कि अगर ट्रांसजेंडर को शामिल किया गया, तो कानून अव्यवहारिक हो जाएगा। ट्रांसजेंडर महिलाओं को अब महिलाओं के लिए बने टायलेट, चेंजिंग रूम, अस्पताल वार्ड, जेल, या रेप काउंसलिंग सेंटर जैसी जगहों से बाहर रखा जा सकता है। पहले महिलाओं के टायलेट या चेंजिंग रूम का ट्रांसजेडर इस्तेमाल कर सकती थीं। अब उन्हें इसका इस्तेमाल करने के लिए जायज वजह देना होगा। ट्रांसजेंडर को महिलाओं के खेलों से बाहर किया जा सकता है। यह फैसला अमेरिका जैसे देशों में ट्रांसजेंडर अधिकारों पर बहस को प्रभावित कर सकता है, जहां इसे उदाहरण के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।